THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 56 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.11 2080 सोमवार, 15 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कर्नाटक डीजीपी बने सीबीआई डायरेक्टर

चुनाव नतीजों के अगले दिन आदेश जारी, दो महीने पहले शिवकुमार ने उन्हें नालायक कहा था

प्रवीण सूद
सीबीआई डायरेक्टर

डीके शिवकुमार
कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के अगले दिन राज्य के डीजीपी प्रवीण सूद को सीबीआई का नया डायरेक्टर नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने रविवार को उनकी नियुक्ति का आदेश जारी किया।

1986 बैच के आईपीएस अधिकारी सूद दो साल तक इस पद पर रहेंगे। वे मई 2024 में रिटायर हो रहे हैं, लेकिन इस नियुक्ति के साथ ही उनका कार्यकाल मई 2025 तक बढ़ गया है। सीबीआई के मौजूदा डायरेक्टर सुबोध कुमार जायसवाल का कार्यकाल 25 मई को समाप्त हो रहा है। इसी दिन सूद जॉइन कर सकते हैं।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले 14 मार्च को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने उन्हें नालायक कहा था। शिवकुमार ने कहा था कि हमारे डीजीपी इस पद के लायक नहीं हैं। वह तीन साल से डीजीपी हैं, लेकिन भाजपा कार्यकर्ता की तरह काम करते हैं। उनके खिलाफ एफआईआर होनी चाहिए।

शिवकुमार ने आरोप लगाया था कि सूद ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर 25 केस दर्ज किए, लेकिन भाजपा नेताओं पर एक भी केस दर्ज नहीं किया। हमने चुनाव आयोग से भी शिकायत की है। उन्होंने प्रवीण सूद की गिरफ्तारी की मांग की थी। शिवकुमार ने कहा था कि चुनाव के बाद कांग्रेस की सरकार बनी तो सूद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रवीण सूद हिमाचल के हैं, 22 साल की उम्र में आईपीएस बने

प्रवीण सूद हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के रहने वाले हैं। उनके पिता ओम प्रकाश सूद दिल्ली सरकार में क्लर्क थे, जबकि मां कमलेश सूद दिल्ली के सरकारी स्कूल की टीचर थीं। सूद की स्कूलिंग दिल्ली के सरकारी स्कूल से हुई। इसके बाद उन्होंने आईआईटी दिल्ली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी-टेक किया।

1986 में वे 22 साल की उम्र में आईपीएस बने। उन्हें कर्नाटक कैडर मिला। सर्विस के दौरान ही उन्होंने आईआईएम बेंगलुरू से पब्लिक पुलिस मैनेजमेंट में एमबीए पूरा किया। पुलिस सर्विस के शुरूआती दौर में वे बेल्लारी और रायचूर में एसपी रहे। इसके अलावा बेंगलुरू और मैसूरु में वे डीजीपी भी रहे।

सूद को 1996 में सीएम की ओर से गोल्ड मेडल मिल चुका है। इसके अलावा 2002 में पुलिस पदक और 2011 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति की तरफ से पुलिस पदक दिया गया था।

>14

आत्मनिर्भर भारत के तहत देश में ही बनेंगे 928 रक्षा उत्पाद

सेना के बचेंगे 715 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत देश में ही रक्षा उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी के तहत रक्षा विभाग ने 928 उत्पादों की एक लिस्ट जारी की है, जिनका अब भारत में ही निर्माण किया जाएगा। इन उत्पादों के विदेशों से आयात पर अगले पांच से साढ़े पांच साल में प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि इस लिस्ट को जारी करने का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश में ही रक्षा उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा देना है।

रक्षा मंत्रालय ने जारी की चौथी लिस्ट

बता दें कि आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत रक्षा मंत्रालय ने यह चौथी लिस्ट जारी की है, जिसमें विभिन्न हथियारों में इस्तेमाल होने वाले रणनीतिक रूप ले अहम उत्पाद शामिल हैं। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि रक्षा मामले में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मंत्रालय ने 928 रणनीतिक रूप से अहम उत्पादों की लिस्ट जारी की है, जिनका अभी देश में ही निर्माण किया जाएगा। अभी इन उत्पादों के आयात पर करीब 715 करोड़ रुपये खर्च होते हैं।

सरकार ने तय की समय सीमा

रक्षा मंत्रालय ने दिसंबर 2023 से लेकर दिसंबर 2028 तक इन 928 उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने की समय सीमा तय की है। इससे पहले रक्षा मंत्रालय ने तीन और ऐसी लिस्ट जारी की थी। ये लिस्ट दिसंबर 2021, मार्च 2022 और अगस्त 2022 में जारी की गई थी। अभी तक 2500 उत्पादों का घरेलू उत्पादन शुरू हो चुका है और तय समयसीमा में ही 1238 उत्पादों का भी देश में उत्पादन शुरू करने की योजना है।

>14

आंध्र प्रदेश में बस-ऑटो की टक्कर में 6 महिलाओं की मौत

अमरावती, 14 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में रविवार को एक निजी बस के ऑटोरिक्शॉ से टक्कर हो गई जिसमें छह महिलाओं की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग 216 पर तल्लारेवु मंडल के सीतारामपुरम के पास हुआ। छह महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को काकीनाडा सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मरने वाली सभी यानम के नीलापल्ली की रहने वाली थी। ये सभी मछली के व्यापार में लगी एक ईकाई में कर्मचारी थी। पुलिस के मुताबिक वो काम खत्म कर घर लौट रही थी, तभी हादसा हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है। एक अधिकारी ने कहा, वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि हादसा कैसे हुआ।

अध्यक्ष ही तय करेंगे कौन होगा कर्नाटक का सीएम

विधायक दल की बैठक में हुआ फैसला, सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दिल्ली रवाना

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद राज्य का अगला सीएम कौन होगा, इसे लेकर चल रही अटकलों का दौर अब जल्द ही थमने वाला है। दरअसल, बेंगलुरू में आयोजित कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह फैसला हुआ है कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ही राज्य के नए सीएम का नाम तय करेंगे। विधायक दल की बैठक में यह एक लाइन का प्रस्ताव पारित किया गया है।

साथ ही बेंगलुरू के जिस होटल में विधायक दल की बैठक हुई है, उसके बाहर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी भी की है। बता दें कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री की रेस में सबसे बड़े दावेदार सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार ही हैं।

सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार सोमवार सुबह दिल्ली आ रहे हैं।

साथ ही रणदीप सुरजेवाला और केसी वेणुगोपाल भी दिल्ली पहुंचेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे सीएम के तौर पर किसी नाम को तय करने से पहले कांग्रेस आलाकमान से भी राय ले सकते हैं।

18 मई को शपथ ग्रहण समारोह!

सूत्रों के मुताबिक, कर्नाटक में नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 18 मई को होगा। शपथ ग्रहण समारोह में सोनिया गांधी के साथ ही राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी शामिल होंगे। साथ ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, समान विचारधारा वाले दलों को भी निमंत्रण भेजा जाएगा।

>14

विपक्षी एकता की नई पटकथा लिख रहे शरद पवार

एमवीए की बैठक में इन मुद्दों पर हुई चर्चा

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस को मिली अप्रत्याशित जीत का असर महाराष्ट्र तक महसूस होने लगा है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने महा विकास अघाड़ी की एक अहम बैठक बुलाई। उस बैठक में अजित पवार, उद्धव ठाकरे मौजूद रहे। मीटिंग में 2024 के लोकसभा चुनाव पर चर्चा हुई, कर्नाटक में कांग्रेस की जीत पर बात की गई और विपक्षी एकता पर भी विस्तार से मंथन हुआ।

पवार की ये बैठक मायने क्यों रखती है

बैठक उस समय की गई जब एक तरफ पहले शरद पवार के इस्तीफे ने सियासी भूचाल ला दिया था, तो वहीं बाद में उनका एक बयान भी चर्चा का विषय रहा था। पवार ने कह दिया था कि किसी को नहीं पता कि हम आगे भी साथ रहेंगे या नहीं। उनका ये बयान उस सवाल पर आया था जब पूछा गया कि क्या महा विकास अघाड़ी आगामी लोकसभा चुनाव में भी साथ ही रहने वाली है। इस सवाल पर पवार के जवाब ने महा विकास अघाड़ी के अंदर ही अटकलों का दौर शुरू कर दिया था। सवाल उठने लगे थे कि क्या आगामी लोकसभा चुनाव से पहले एनसीपी अपनी राहें अलग कर लेगी।

कोई रिमोट कंट्रोल अध्यक्ष नहीं मल्लिकार्जुन खड़गे!

इसके ऊपर जिस तरह से बीच में अजित पवार के बीजेपी के करीब जाने की खबरें चली थीं, उसने भी राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलों को हवा देने का काम कर दिया था। लेकिन अब जब कर्नाटक में कांग्रेस की अप्रत्याशित जीत हुई है। ऐसी जीत जिससे विपक्ष को भी एक नई राह मिली है जहां पर स्थानीय मुद्दों को उठा बीजेपी को पीएम मोदी के समर्थन के बावजूद भी सियासी पटखनी दी जा सकती है। इसी कड़ी में शरद पवार की इस बैठक को भी देखा गया है।

मदर्स डे पर ही मां ने उठाई बेटे की अर्थी

इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने कनाडा गया था 23 साल का बेटा, संदिग्ध हालत में मौत

भावनगर, 14 मई (एजेंसियां)। 14 मई.. आज पूरी दुनिया में मदर्स डे मनाया जा रहा है। लेकिन, गुजरात की एक मां के लिए यही दिन उसकी आखिरी सांस तक के लिए दर्द से भर गया। क्योंकि अपने लाड़ले को लाड़-प्यार करने की बजाय मां को अपने जवान बेटे की अर्थी को कंधा देना पड़ा। झकझोर कर रख देने वाला यह मामला गुजरात के भावनगर जिले के सिदसर गांव का है। सिदसर गांव के मूल निवासी और पालनपुर के डीएसपी रमेशभाई डाखर के 23 वर्षीय बेटे आयुष का तीन दिन पहले संदिग्ध हालत में शव मिला था। आयुष कनाडा में रहकर पढ़ाई कर रहा था। बीते सोमवार को आयुष टोरंटो में था और यहीं से लापता हो गया था। मंगलवार दोपह को उसका शव टोरंटो से करीब 20 किमी दूर एक पुल के नीचे मिला। हालांकि, आयुष की अभी मेडिकल रिपोर्ट आना बाकी है। इसके बाद ही उसकी संदिग्ध मौत का सच पता चल पाएगा। परिवार से मिली जानकारी के अनुसार आयुष ने साल 2019 में कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए टोरंटो की यॉर्क यूनिवर्सिटी में एडमिशन लिया था। आयुष टोरंटो में 4 गुजराती दोस्तों के साथ किराए के अपार्टमेंट में रहता थी। आयुष 5 मई की शाम घर से निकला था, लेकिन डेढ़ दिन तक नहीं लौटा।

दोस्तों ने आयुष के पिता रमेशभाई को फोन कर इसकी सूचना दी। रमेशभाई के कहने पर दोस्तों ने पुलिस में आयुष की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इसके बाद 8 मई को आयुष का शव मिला। परिवार में माता-पिता के अलावा आयुष का छोटा भाई भी है, जो गांधीनगर में पढ़ाई करता है।

नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट पहुंचे पीएम मोदी

मन की बात थीम से जुड़े आर्ट वर्क को देखा, 100वें एपीसोड पर प्रदर्शनी लगाई गई थी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली की नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (एनजीएमए) का दौरा किया। पीएम ने यहां जन शक्ति प्रदर्शनी में आर्टिस्ट द्वारा बनाए गए आर्ट वर्क को देखा और उसकी तारीफ की।

आर्ट गैलरी में 'जन शक्ति' नाम की यह प्रदर्शनी पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के 100वें एपिसोड पूरे होने पर लगाई गई थी। इस एक्जीबीशन को जानी मानी क्यूरेटर अलका पांडे ने तैयार किया था। कलाकारों ने इस प्रदर्शनी में आर्ट वर्क को बनाने के लिए तस्वीरों, मूर्तियों, फोटोग्राफी, और नए मीडिया का सहारा लिया।

प्रदर्शनी में स्वच्छता, जल संरक्षण, कृषि, अंतरिक्ष, भारत के पूर्वोत्तर राज्य, नारी शक्ति और योग, आयुर्वेद जैसे मन की बात में शामिल विषयों से जुड़ी पेंटिंग और आर्ट वर्क लगाई गई हैं। जिन कलाकारों ने जन शक्ति में योगदान दिया है उनमें मनु और माधवी पारेख, अतुल डोडिया, परेश मैती, इरन्ना जीआर, जगन्नाथ पांडा और अन्य नाम शामिल हैं।

आखिर में पीएम ने जन शक्ति प्रदर्शनी के कैटलॉग पर हस्ताक्षर भी किए और मैसेज लिखा, मन मंदिर की यात्रा सुखद हो। इस कैटलॉग पर 13 कलाकारों के पहले से हस्ताक्षर भी हैं।

तस्वीर खींचने के नाम पर मारपीट

अमृतसर, 14 मई (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में अब गोल्डन टेंपल के पास तस्वीरें खींचने का दबाव बनाते हुए फोटोग्राफरों के झुंड ने युवाओं को पीट दिया। लहूलुहान युवा अब इंसाफ की मांग कर रहे हैं। वहीं आसपास के लोगों का कहना है कि हर शनिवार-रविवार यहां तस्वीरें खींचने के नाम पर गुंडागर्दी होती है। पुलिस ने घायल युवकों के आधार पर कार्रवाई को शुरू कर दिया है।

घटना शनिवार रात को गोल्डन टेंपल की तरफ जाने वाले विरासती मार्ग की है। शनिवार रात एक व्यक्ति ने वीडियो बना कर वायरल की। वीडियो में दिखने वाले युवकों को बुरी तरह से पीटा गया है। इस कदर पीटा गया है कि उनके सिर से लेकर कपड़े तक खून से सन चुके हैं।

पीड़ित ने बताया कि वह अपने भाई व दोस्तों के साथ गोल्डन टेंपल माथा टेकने आया था। तभी कुछ फोटोग्राफर उनके पास आ गए। उन्होंने फोटो खींचवाने के लिए कहा। युवकों ने पैसे ना होने की बात कहते हुए मना कर दिया।

डिस्ट्रॉयर मोरमुगाओ से ब्रह्मोस की कामयाब टेस्टिंग

हमलावर मिसाइल को हवा में ही मार गिराया, शिप का 75 प्रतिशत हिस्सा देश में बना

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। इंडियन नेवी में शामिल नए वॉरशिप आईएनएस मोरमुगाओ से ब्रह्मोस मिसाइल का सफल परीक्षण कर लिया गया है। मिसाइल ने सीधा टारगेट को हिट किया। आईएनएस मोरमुगाओ को इंडियन नेवी के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो ने डिजाइन किया है। यह हथियारों से लैस दुनिया का सबसे आधुनिक मिसाइल करियर है।

मोरमुगाओ एक स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर है, जिसका 75 प्रतिशत हिस्सा देश में ही बनाया गया है। भारतीय नौसेना के अनुसार यह पी-15 ब्रावो प्रोजेक्ट का दूसरा जहाज है। पी-15बी प्रोजेक्ट के तहत चार वॉरशिप बनाए जा रहे हैं। इसमें से विशाखापट्टनम और मोरमुगाओ इंडियन नेवी को सौंप दिया गया है। बाकी दो सूरत और इंफाल हैं जिन्हें जल्द ही नौसेना में शामिल कर लिया जाएगा।

गोवा के नाम पर रखा गया मोरमुगाओ शिप का नाम

मोरमुगाओ वॉरशिप का नाम पोर्ट सिटी गोवा पर रखा गया है। 19 दिसंबर 2021 को जब गोवा ने पुर्तगाली शासन से 60 साल की मुक्ति का जश्न मनाया था, तभी इस वॉरशिप ने पहली समुद्री यात्रा की थी। इसकी कमिशनिंग 18 दिसंबर 2022 को गोवा मुक्ति दिवस की पूर्व संध्या पर हुई थी।

जहाज की लंबाई 163 मीटर और चौड़ाई 17 मीटर है और इसमें 7,400 टन का डिस्प्लेसमेंट है। आईएनएस मोरमुगाओ भारत में बना अब तक का सबसे शक्तिशाली वॉरशिप है। हालांकि इसके रडार क्रॉस सेक्शन (आरसीएस) को बेहतर स्टेल्थ फीचर्स के कारण कम किया गया है।

सीआईएससीई बोर्ड का रिजल्ट घोषित

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (आईसीएसई-10वीं) और इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (आईएससी-12वीं) 2023 का रिजल्ट रविवार को दोपहर 3 बजे डिक्लेयर हुआ।

इस साल 10वीं में 98.94 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए। इनमें लड़कियां 99.21 प्रतिशत और लड़के 98.71 प्रतिशत हैं। जबकि 12वीं में 96.93 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए। इनमें लड़कियां 98.01 प्रतिशत और लड़के 95.96 प्रतिशत हैं।

सीआईएससीई-2023 की 10वीं-12वीं की परीक्षा में करीब 2.5 लाख स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। 12वीं में 5 स्टूडेंट्स को पहली रैंक मिली है, इनमें 3 लड़कियां हैं।

वहीं 10वीं में 9 स्टूडेंट्स ने फर्स्ट रैंक हासिल की है। इनमें भी 3 लड़कियां हैं।

बांग्लादेश से टकराया मोचा तूफान : आईलैंड डूबने का खतरा

म्यांमार में भी तूफानी बारिश, हवाओं की रफ्तार 250 किमी/घंटा हो सकती है

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। साइक्लोन मोका बांग्लादेश के तट पर पहुंच चुका है। इसके चलते म्यांमार के भी कई क्षेत्रों में तेज बारिश हो रही है। बीबीसी के मुताबिक, यहां 195 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। वहीं ये रफ्तार 250 किमी/घंटे तक पहुंच सकती है। बांग्लादेश के मौसम विभाग ने कहा, मोका पिछले 2 दशकों में देश में आया सबसे ताकतवर तूफान हो सकता है।

इसकी वजह से देश का कोरल आइलैंड सेंट मार्टिन के डूबने का खतरा है। फिलहाल, एयरपोर्ट बंद कर दिए गए हैं और मछुआरों से समुद्र में न जाने के लिए कहा गया है। मोका शनिवार रात मध्य और इससे सटे दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इसका असर दुनिया के सबसे बड़े रिफ्यूजी कैंप पर भी पड़ सकता है।

वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, साइक्लोन के चलते अगर बाढ़ या लैंडस्लाइड होता है तो ये बांग्लादेश-म्यांमार बॉर्डर पर स्थित रोहिंग्या रिफ्यूजी कैंप को तबाह कर सकता है। इस रिफ्यूजी कैंप में करीब 8 लाख 80 हजार रोहिंग्या रहते हैं। 5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि चक्रवाती तूफान बीते 6 घंटों में 15 किमी प्रति घंटे की स्पीड से उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ा। 14 मई की शाम तक तूफान के बांग्लादेश के कॉक्स बाजार और म्यांमार के क्यौकप्यू को पार करने की आशंका है। इस दौरान हवा की स्पीड 150-160 किमी प्रति

घंटे की रफ्तार से 175 किमी प्रति घंटा हो सकती है।

मोका के चलते खराब मौसम से कोलकाता-पोर्ट ब्लेयर फ्लाइट ने यू-टर्न लिया

मोका तूफान के चलते मौसम खराब होने से कोलकाता से पोर्ट ब्लेयर जाने वाली विस्तारा की फ्लाइट को यू-टर्न लेना पड़ा। इस फ्लाइट ने कोलकाता एयरपोर्ट से सुबह 9:05 बजे पोर्ट ब्लेयर के लिए उड़ान भरी। इसे 11:40 बजे पोर्ट ब्लेयर पर लैंड करना था, लेकिन मोका तूफान की वजह से यहां मौसम खराब हो गया। इसके चलते इसे वापस कोलकाता के लिए मोड़ दिया गया।

रिफ्यूजी कैंप के लिए राहत किट भेजेगा डब्ल्यूएचओ

डब्ल्यूएचओ ने कहा कि वो रिफ्यूजी कैंप के लिए 33 मोबाइल मेडिकल टीमों, 40 एंबुलेंस के साथ-साथ इमरजेंसी सर्जरी और हैजा किट भेजने की तैयारी कर रहा है। वहीं म्यांमार के रखाइन राज्य में निचले इलाकों के निवासी शुक्रवार को अपने घरों को छोड़कर राजधानी सितवे में आ गए। इसके अलावा करीब 1 हजार लोग एक मठ में शरण लेने की तैयारी कर रहे हैं।

बंगाल में एनडीआरएफ की 8 टीमें, 200 बचावकर्मी तैनात

आईएमडी का कहना है कि तूफान अब उत्तर-उत्तरपूर्व की ओर बढ़ गया है। अंडमान-निकोबार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित कई राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। खतरे को देखते हुए बंगाल के दीघा में एनडीआरएफ की 8 टीमों और 200 बचावकर्मियों को तैनात किया गया है। वहीं, 100 बचावकर्मियों को रिजर्व में रखा गया है। इसके अलावा बंगाल के परगना में बक्खाली समुद्र तट पर सिविल डिफेंस टीम को तैनात किया गया है।

आईएमडी के सीनियर वैज्ञानिक संजीव द्विवेदी ने ताजा अपडेट शेयर करते हुए कहा कि चक्रवाती तूफान फिर हल्के से उठेगा। 13 मई को यह अपने चरम पर होगा। हालांकि सिस्टम लगातार इसकी निगरानी कर रहा है।

मछुआरों को बंगाल की खाड़ी में ना जाने की सलाह

मौसम विभाग ने मछुआरों और शिप्स को मध्य और उत्तरपूर्व बंगाल की खाड़ी और उत्तरी अंडमान सागर में ना जाने की सलाह दी है। वहां पहले से मौजूद जहाजों को तट पर लौटने के लिए कहा गया है।

अनंतनाग में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

श्रीनगर, 14 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच रविवार को मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने जिले में संगम इलाके के अंदन में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद इलाके को घेर लिया और तलाश अभियान चलाया। अधिकारी ने बताया कि इसी दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलियां चला दीं, जिसके बाद बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। पुलिस ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है और मुठभेड़ जारी है।

अनंतनाग जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की यह कोई पहली घटना नहीं है। यहां आए दिन सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ होती रहती है। फिलहाल इस मामले में अभी विस्तृच जानकारी का इंतजार है।

महाराष्ट्र में भी भाजपा का सफाया होगा: पटोले

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि जिस तरह कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सफाया हुआ है , उसी तरह राज्य में आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भी भाजपा का सफाया हो जाएगा। श्री पटोले कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की शानदार जीत के बाद राज्य कांग्रेस मुख्यालय में जश्न मना रहे कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिठाइयां भी बांटी। उन्होंने कहा कि पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने देश की राजनीति की दिशा बदल दी है और इसका असर कर्नाटक चुनाव के नतीजों में देखा गया।

'ऑपरेशन समुद्रगुप्त' के तहत 12 हजार करोड़ का ड्रग्स

कारोबारी पाकिस्तानी ड्रग माफिया 'सलीम'

नई दिल्लीभारतीय नौसेना की खुफिया इकाई और एनसीबी द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। समुद्री मार्ग से भारत लाए जा रहे करीब 12 हजार करोड़ के ड्रग्स को जब्त किया गया है। इस संयुक्त अभियान का नाम ऑपरेशन समुद्रगुप्त रखा गया था, जिसके तहत 12 हजार करोड़ की ड्रग्स के साथ एक पाकिस्तान नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। इसके तार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हुए हैं। कराची में बैठा पाकिस्तान का सबसे बड़ा ड्रग्स माफिया हाजी सलीम इसका रैकेट का मास्टरमाइंड है। भारत में ड्रग्स की जितनी बड़ी खेप पकड़ी जा रही है उनके पीछे हाजी सलीम है। हाजी सलीम दाऊद इब्राहिम और पाकिस्तान आईएसआई के बीच की अहम कड़ी।

पाकिस्तान का सबसे बड़ा ड्रग माफिया

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा ड्रग्स के इस मामले को कैमरे के सामने उठाया गया था. ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर कौन है पाकिस्तान आईएसआई और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का करीबी और ड्रग्स माफिया हाजी सलीम? बता दें कि हाजी सलीम ईरान, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान (पाकिस्तान) से ड्रग्स सिंडिकेट को ऑपरेट करता है। हाजी सलीम कराची से ऑपरेशन देखता है, जो बेहद तेज दिमाग वाला है। एजेंसी के अधिकारियों के मुताबिक हाजी सलीम के बॉडी गार्ड्स कराची में एके-47 और अन्य घातक हथियार से सलीम की सुरक्षा को देखते है। सूत्रों के मुताबिक हाजी सलीम कई बार कराची में स्थित किल्फ्टन रोड दाउद के ठिकाने पर ड्रग्स कारोबार की मीटिंग करने आता जाता रहा है।

पाकस्तान का है 'पाब्लो एस्कोबार'

सलीम अपने साथ कुछ सैटेलाइट फोन भी रखता है, जिसके जरिए वो पाकिस्तान से लेकर मालदीव के समुद्री इलाकों तक अपना ऑपरेशन ऑपरेट करता है। सलीम बलोच हेरोइन में डील करता है और अपने सप्लायर्स से ड्रग्स के बदले आने वाला पैसा हवाला के जरिए लेता है। एजेंसी के मुताबिक, सितंबर 2022 में गुजरात के मुद्रा पोर्ट से जो बरामद करोड़ों की हेरोइन मामले में गिरफ्तार कुछ लोगों ने सलीम को हवाला के जरिए पैसे भेजे थे। सलीम बलोच खास किस्म के कोड वर्ड का इस्तेमाल करता है ताकि उसका नाम सीधे तौर पर किसी एजेसी के रडार पर न आए। जिसमे पाकिस्तान में पैक होने वाली हर ड्रग्स के पैकेट पर एक कोड लिखा होता है, जिससे उसके गिरोह को पता चल सके कि ये उसी का माल है। सलीम ड्रग्स जिन कोड वर्ड 777, 999, उड़ते घोड़े का साइन, 21 राजाओं का सिंबल शामिल है।

ले लो जितने लोग आते हैं

विधायकों के संपर्क में होने के दावे पर संजय राउत ने किसे दिया चैलेंज

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। एकनाथ शिंदे गुट के विधायक और मंत्री उदय सामंत ने कहा था कि एनसीपी, कांग्रेस और उद्धव गुट के विधायक हमारे संपर्क में हैं। इस सवाल पर संजय राउत ने कहा कि देख लेते हैं कितने लोग उनके संपर्क में हैं, ले लो जितने लोग आते हैं। आप के पास कितने लोग बचेंगे वो आने वाले दिनों में समझ जायेंगे। ये किसको धमकी दे रहे हैं, यह सभी करप्ट लोग हैं। महाराष्ट्र को करप्ट बना दिया है, ये सिर्फ बड़ी-बड़ी बाते करते हैं।

कर्नाटक तो झांकी है, पूरा हिंदुस्तान अभी बाकी

इस दौरान संजय राउत ने कहा, मोदी लहर अब खत्म है, अब हमारी लहर है। देश में अब हमारी लहर आने वाली है। वहीं कर्नाटक चुनाव में कांग्रेस की जीत पर उद्धव गुट के नेता और प्रवक्ता संजय राउत ने कहा कि कर्नाटक तो झांकी है, पूरा हिंदुस्तान अभी बाकी है। राउत ने कहा कि कर्नाटक ने एक ऐसा दरवाजा खोल दिया है देश के लिए, कर्नाटक की जनता ने दिखाया है कि तानाशाही को कैसे हराना है। जैसे 1978 में हुआ था, वैसे अब शुरू हुआ है। हमने कर्नाटक की जनता का धन्यवाद किया है।

क्या देश के गृहमंत्री धमकी दे रहे थे

संजय राउत ने आगे कहा, कर्नाटक में बजरंग बली ने तो जरूर प्रचार में हिस्सा लिया है, लेकिन उनका प्रचार रहा जनता के साथ। कांग्रेस जीत गई मतलब बजरंग बली बीजेपी के साथ नहीं कांग्रेस के साथ थे। प्रधानमंत्री बजरंग बली को प्रचार में लेकर आए थे। हमारे देश के गृहमंत्री अमित शाह कह रहे थे कि अगर कर्नाटक में बीजेपी हार जाएगी तो दंगा हो जाएगा, लेकिन जीत के बाद कर्नाटक एक दम शांत है और खुशियां मना रहा है। क्या देश के गृहमंत्री अमित शाह धमकी दे रहे हैं?

2024 के लोकसभा के लिए हमारी तैयारी शुरू

शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि आपका पूरा कैबिनेट वहां बैठा था, लेकिन कुछ नहीं कर पाया। कर्नाटक की जनता ने आप को हरा ही दिया। इस दौरान राउत ने कहा कि 2024 के लोकसभा के लिए हमारी तैयारी शुरू हो गई है और आज महाराष्ट्र में शरद पवार के नेतृत्व में बैठक बुलाई है। 2024 को लेकर हमारी इस बैठक में चर्चा होगी और चुनाव को लेकर तैयारी करेंगे।

अगले 5 साल लोगों के दिल जीतें

कर्नाटक चुनाव में बड़ी जीत के बाद कपिल सिब्बल की कांग्रेस को सलाह

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल करते हुए 135 सीटों पर कब्जा जमाया। इस जीत के बाद राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कांग्रेस को अगले 5 साल तक लोगों के दिल जीतने की सलाह दी। रविवार को अपनी पूर्व पार्टी को सलाह देते हुए सिब्बल ने राज्य में अगले पांच साल तक सच्चाई ईमानदारी के साथ और भेदभाव न करते हुए लोगों के दिल जीतने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री हारे, कांग्रेस जीत की हकदार- कपिल सिब्बल

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के साथ वापसी करते हुए कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को दक्षिण भारत में उसके एकमात्र गढ़ से सत्ता से बाहर कर दिया है। कांग्रेस की इस जीत के बाद सिब्बल ने ट्वीट किया, ''कर्नाटक चुनाव जीतना मुश्किल है। लोगों के दिल जीतना और भी ज्यादा मुश्किल है। अगले पांच साल तक सच्चाई, ईमानदारी के साथ और गैर-भेदभावपूर्ण होकर लोगों के दिल जीतें। इनमें से कुछ भी न होने के कारण भाजपा चुनाव हारी।" इससे

पहले चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए सिब्बल ने ट्वीट किया था, ''प्रधानमंत्री हारे। कर्नाटक के लोग जीते। 40 प्रतिशत, केरल स्टोरी, विभाजनकारी राजनीति, अहंकार, झूठ को ना। कांग्रेस जीत की हकदार है।''

विधायक दल के नेता के चयन के लिए कांग्रेस ने नियुक्त किए पर्यवेक्षक

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल के नेता के चयन के लिए पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे, जितेंद्र सिंह, दीपक बाबरिया को पर्यवेक्षक नियुक्त किया। कर्नाटक में नवनिर्वाचित कांग्रेस के विधायक सरकार गठन पर चर्चा करने के लिए रविवार शाम को बैठक करेंगे, जिसमें वे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर अपनी राय देंगे। विपक्ष के नेता सिद्धारमैया और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष डी के शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदार हैं। बैठक के लिए नवनिर्वाचित विधायकों को पहले ही बेंगलुरु आने का निर्देश दे दिया गया है। वहीं, सिद्धारमैया और शिवकुमार के आवास पर समर्थकों ने बैनर लगाए हैं जिसमें उन्हें कांग्रेस की जीत के लिए बधाई दी गयी है और उन्हें अगला मुख्यमंत्री बताया गया है। अगर जेडीएस से निलंबित होने के बाद कांग्रेस में शामिल होने वाले सिद्धारमैया को विधायक दल का नेता चुना जाता है तो यह मुख्यमंत्री के तौर पर उनका दूसरा कार्यकाल होगा। वह 2013-18 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे थे। शिवकुमार उनके मंत्रिमंडल में मंत्री रहे थे। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, नव निर्वाचित विधायकों की राय ली जाएगी और जरूरत पड़ने पर अपने नेता के लिए वोट करने को भी कहा जा सकता है।

उप राष्ट्रपति धनकड़ का दौरा, ब्रह्माजी और वीर तेजाजी मंदिर में पत्नी संग किए दर्शन

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नागौर में लोक देवता वीर तेजाजी की जन्मस्थली खरनाल पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध तेजाजी मंदिर में पत्नी के साथ मंदिर दर्शन किए। मंदिर के पुजारियों ने विधि-विधान से पूजा कराई। इसके बाद उप राष्ट्रपति ने वीर तेजा जी की आस्था से जुड़े नगाड़े भी बजाए। उन्होंने देश और दुनिया में अमन, चैन और खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान उन्होंने वीर तेजाजी मंदिर के निर्माण कार्य के पदाधिकारियों से बात की और काम की प्रगति रिपोर्ट ली। वहीं, दूसरी ओर उपराष्ट्रपति के दौरे को लेकर खरनाल में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रही। उपराष्ट्रपति धनकड़ के खरनाल पहुंचने पर हेलीपेड पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी, पूर्व नागौर सांसद ज्योति मिर्धा, पूर्व विधायक रिछपाल मिर्धा, कुचेरा चेयरमैन तेजपाल मिर्धा ने उनका स्वागत किया। इस दौरान जिला कलेक्टर पीयूष समारिया और एसपी राममूर्ति जोशी भी साथ रहे। खरनाल में पूजा करने के बाद उपराष्ट्रपति मेड़ता के लिए रवाना हो गए।

राज्यपाल ने सांगानेर एयरपोर्ट पर उपराष्ट्रपति की अगवानी की

राज्यपाल कलराज मिश्र ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के सपत्नीक राजस्थान प्रवास पर पहुंचने पर रविवार को सांगानेर एयरपोर्ट पर उनकी भावभीनी अगवानी की । राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति धनखड़ और उनकी धर्मपत्नी सुदेश धनखड़ का स्वागत किया।

कर्नाटक चुनाव के बाद दिल्ली में हलचल तेज

केजरीवाल से मिले आदित्य ठाकरे महाराष्ट्र में हो सकता है कुछ बड़ा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में रविवार सुबह उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बीच मुलाकात ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। आदित्य ठाकरे को केजरीवाल के घर से निकलते हुए देखा गया, जहां कई कैमरों ने उनकी तस्वीरें कैद की। इस मुलाकात को लेकर कहा जा रहा है कि यह 2024 में विपक्षी एकजुटता की तरफ बढ़ते कदम हैं। पिछले कुछ वक्त से विपक्ष एकजुट होने के पूरे प्रयास में है। इसको लेकर कई ऐसी मीटिंग्स हुई जिनकी चर्चा चारों तरफ थी। विपक्ष की एकता को लेकर इस ताजा बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। इस मीटिंग में आदित्य ठाकरे के साथ प्रियंका चतुर्वेदी भी मौजूद रहीं। यह मुलाकात तकरीबन एक घंटे तक चली। लोकसभा चुनाव की वजह से साल 2024 बेहद खास है और उसी को लेकर सारी पार्टियां एकजुट होकर रणनीति तैयार करने में लगी हुई हैं।

इंगेजमेंट पार्टी में प्रियंका चतुर्वेदी थीं साथ

आदित्य ठाकरे को शनिवार शाम दिल्ली के कपूरथला हाउस में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की इंगेजमेंट पार्टी में देखा गया था। जहां उनके साथ शिवसेना यूबीटी नेता प्रियंका चतुर्वेदी भी मौजूद थीं। इंगेजमेंट पार्टी में अरविंद केजरीवाल परिवार समेत मौजूद थे। अगली सुबह ही आदित्य ठाकरे का अरविंद केजरीवाल के घर पहुंच कर उनसे मुलाकात करना कई राजनीतिक सम्भावनाओं की तरफ इशारा करता है।

विपक्षी एकता को लेकर कवायद तेज

केजरीवाल और आदित्य ठाकरे की मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही शनिवार को कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जबरदस्त जीत मिली है। कर्नाटक में मिली इस जीत के बाद से विपक्ष के हौसले बुलंद है। उसमें भरोसा जगा है कि पीएम मोदी को हराया जा सकता है। कर्नाटक चुनाव के बाद अब विपक्षी एकता की मुहिम तेज हो गई है। केजरीवाल और आदित्य ठाकरे की मुलाकात को भी इसी सिलसिले में देखा जा रहा है। ऐसा भी माना जा रहा है कि शिवसेना यूबीटी महाराष्ट्र में आम आदमी पार्टी को साथ लेकर कुछ बड़ा कर सकती है।

अकोला हिंसा में 1 शख्स की मौत, 120 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज, शहर में धारा 144 लागू

अकोला, 14 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अकोला स्थित ओल्ड सिटी में सोशल मीडिया पर शेयर किए गए विवादित पोस्ट को लेकर शुरू हुए मामूली विवाद ने हिंसा का रूप ले लिया। मामूली विवाद बढ़कर हिंसा में तब्दील हो गई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकते हैं कि दो गुट एक दूसरे पर पथराव कर रहे हैं। यही नहीं इस हिंसा में वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। हालात की सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस अधिकारी का इस बाबत कहना है कि स्थिति अब काबू में है। बता दें कि इस मामले में पुलिस ने 30 लोगों को गिरफ्तार किया है और राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जांच के आदेश दिए हैं। अकोला के कलेक्टर नीमा अरोड़ा ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि दो गुटों के बीच मामूली विवाद से शुरू हुई हिंसा के बाद शहर में धारा 144 लागू कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हिंसक भीड़ ने कुछ गाड़ियों को नुकसान भी पहुंचाया है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची। यहां पुलिस को हिंसक भीड़ पर काबू पाने के लिए बल का प्रयोग करना पड़ा। वहीं सूत्रों का कहना है कि मामूली विवाद के बाद यह झड़प शुरू हुई जिसने बाद में हिंसा का रूप ले लिया।

झड़प के बाद ओल्ड सिटी के थाने पर भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। इस घटना में अबतक 25 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वहीं एक शख्स की मौत हो गई है। वहीं पुलिस ने 120 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक संदीप घुगे ने कहा कि शहर में हालात नियंत्रण में है। कलेक्टर नीमा अरोड़ के आदेश के बाद पूरे अकोल शहर में धारा 144 लागू कर दिया गया है। बता दें कि हाल के दिनों में अकोला में इस तरह की यह दूसरी बड़ी घटना है।

मुंबई में पकड़ी गई 24 करोड़ रुपये की विदेशी सिगरेट, 5 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। डीआरआई को मिली खुफिया जानकारी के आधार पर, मुंबई ने न्हावा शेवा पोर्ट (जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह) पर प्रतिबंधित सामग्री ले जाने के संदेह में एक कंटेनर की पहचान की। साथ ही जांच के दौरान पता चला की इस कंटेनर में करीब 24 करोड़ रुपये कीमत की प्रतिबंधित सिगरेट की तस्करी की जा रही है। डीआरआई को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक कंटेनर पर संदेह हुआ था उस कंटेनर को एशिया फ्री ट्रेड वेयरहाउसिंग जोन में ट्रांस-शिप किया जाना था। जिसके बाद डीआरआई के अधिकारियों ने उस कंटेनर की आवाजाही पर विशेष निगरानी रखी और पाया कि उस कंटेनर के बंदरगाह से चले जाने के बाद, अपने गंतव्य तक पहुंचने के बजाय, उसे एक निजी गोदाम में ले जाया जा रहा है।

धोखा देने के लिए सिगरेटों को कंटेनर से निकाल लेते थे बाहर

एक अधिकारी ने बताया की उस कंटेनर की आवाजाही की निगरानी कर रहे अधिकारियों ने तुरंत संदिग्ध गतिविधियों को भांप लिया और कंटेनर को गोदाम में रोक लिया। डीआरआई के अधिकारियों ने उस पूरे 40 फीट के कंटेनर को विदेशी सिगरेट से भरा हुआ पाया। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक ये वो सिगरेट हैं जो भारतीय मानकों का पालन न करने के कारण भारत में आयात के लिए प्रतिबंधित हैं। इसके अलावा जांच के दौरान यह भी पता चला की यह सिंडिकेट सीमा शुल्क अधिकारियों को धोखा देने के लिए उन सिगरेटों को कंटेनर से बाहर निकाल लेते थे। इसके बाद यह सिंडिकेट सीमा शुल्क अधिकारियों को धोखा देने के लिए उन सिगरेटों को कंटेनर से बाहर निकाल लेते थे।

पांच लोगों को किया है गिरफ्तार

डीआरआई को उस कंटेनर से ब्रांड की विदेशी मूल की सिगरेट की कुल 1।07 करोड़ छड़ें बरामद हुई। इस जांच को सेज बढ़ाते हुए डीआरआई को इसी सिंडिकेट से आयात की गई विभिन्न ब्रांडों के विदेशी मूल के 13 लाख सिगरेट का भंडार दूसरे गोदाम से मिला।विदेशी मूल की सिगरेट की कुल 1।2 करोड़ छड़ें, जिनका अनुमान बाजार मूल्य करीब 24 करोड़ रुपये है। इस मामले में डीआरआई ने अब तक आयातक समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

'सिद्धारमैया के साथ कोई मतभेद नहीं', डीके शिवकुमार बोले- पार्टी के लिए कई बार कुर्बानी दी है

नई नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)।कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की प्रचंड जीत के साथ ही पार्टी के सामने सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा हो गया है कि राज्य का नई मुख्यमंत्री किसे बनाएं। कांग्रेस की तरफ से दो नाम सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। पहला नाम है कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और दूसरा नाम है कर्नाटक कांग्रेस प्रमुख डीके शिवकुमार। इस बीच डीके शिवकुमार ने कहा कि उनके सिद्धारमैया के साथ कोई मतभेद नहीं हैं।कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा, "कुछ लोग कहते हैं कि सिद्धारमैया के साथ मेरे मतभेद हैं लेकिन मैं साफ कर देना चाहता हूं कि हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। मैंने कई बार पार्टी के लिए कुर्बानी दी है और सिद्धारमैया जी के साथ खड़ा हुआ हूं। मैंने सिद्धारमैया को सहयोग दिया है।" कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मैंने बलिदान दिया और मदद की और सिद्धारमैया के साथ खड़ा रहा। जब मुझे शुरू में मंत्री नहीं बनाया गया तो क्या मैंने सब्र नहीं किया था? मैंने सिद्धारमैया को सहयोग दिया है। कर्नाटक की 224 विधानसभा सीटों में से 135 पर जीत दर्ज करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल के नेता के चयन के लिए पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे, जितेंद्र सिंह, दीपक बाबरिया को पर्यवेक्षक नियुक्त किया। राज्य में नए मुख्यमंत्री का नाम तय करने के लिए कांग्रेस ने रविवार (14 मई, 2023) का विधायक दल की बैठक बुलाई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बताया कि आज शाम 6 बजे बेंगलुरु के होटल शंग्री-ला में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। पार्टी के सूत्रों के अनुसार, नव निर्वाचित विधायकों की राय ली जाएगी और जरूरत पड़ने पर अपने नेता के लिए वोट करने को भी कहा जा सकता है।

गुजरातः कृष्णा सागर झील में डूबने से 5 बच्चों की मौत, 2 को बचाने की कोशिश में चली गई जान

बोटाड, 14 मई (एजेंसियां)। गुजरात के बोटाड जिले में स्थित कृष्णा सागर झील में पांच बच्चों की डूबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक घटना के वक्त दो बच्चे झील में तैर रहे थे। तभी अचानक से डूबने लगे। दोनों बच्चों को डूबता देख मौके पर मौजूद तीन अन्य बच्चों ने उन्हें बचाने के लिए झील में छलांग लगा दी। लेकिन उन दोनों बच्चों को बचाने के प्रयास में तीनों बच्चे भी डूब गए। मृतक सभी बच्चे नाबालिग हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक घटना की सूचना मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। लेकिन पांचों बच्चों को बचाया नहीं जा सका।

2024 में भी इसी तरह।', पीएम मोदी की बधाई पर बोले आचार्य प्रमोद कृष्णम, जानें क्या कहा

नई दिलली, 14 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी को बधाई दी। इस बीच कल्की पीठ के पीठाधीश्वर और कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पीएम मोदी पर तंज कसा है। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने ट्वीट करते हुए कहा कि 2024 में भी इसी तरह दिल खोल के बधाई दीजिएगा। दरअसल, कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 के रिजल्ट घोषित होने और कांग्रेस की जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर प्रतिक्रिया दी थी और कांग्रेस को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत के लिए कांग्रेस पार्टी को बधाई। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मेरी तरफ से शुभकामनाएं। जिसके बाद कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम का यह बयान सामने आया और उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि 2024 में भी इसी तरह दिल खोल के बधाई दीजिएगा। कर्नाटक विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस का कॉन्फिडेंस कई गुना बढ़ गया है। इसे पार्टी नेताओं के बयानों में साफ देखा जा सकता है। भले ही इस वक्त पूरा फोकस विधानसभा चुनावों में रहेगा, लेकिन नजर लोकसभा चुनाव पर रहेगी। हर चुनाव के दौरान अब लोकसभा चुनाव 2024 की बात होना भी तय है। कर्नाटक की जीत ने कांग्रेस को राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के आगामी विधानसभा चुनावों के लिए आत्मविश्वास से भर दिया है। कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का एक बयान भी सामने आया है। इस बयान से लगता है कि कांग्रेस अब 2024 के लिए और मजबूती से रणनीति तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि अब यह तय हो गया है कि कांग्रेस जीत गई है और पीएम नरेंद्र मोदी हार गए हैं, क्योंकि बीजेपी की तरफ से एक ही व्यक्ति चुनाव प्रचार कर रहा था, एक ही चेहरा था।

जहरीली शराब पीने से हुई 3 लोगों की मौत, 11 अस्पताल में भर्ती; पुलिस कर रही मामले की जांच

चेन्नई, 14 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के विल्लुपुरम में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से 3 लोगों की मौत हो गई और 11 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। यह घटना एकियारकुप्पम मछली पकड़ने की बस्ती में हुई। लोगों के एक समूह ने शनिवार शाम एक समारोह के दौरान शराब पी थी। पुलिस ने कहा कि जिन लोगों ने शराब का सेवन किया, उन्हें देर रात उल्टी होने लगी और उनमें से 3 लोगों ने रविवार तड़के जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जेआईपीएमईआर) में दम तोड़ दिया।

ट्रेन की चपेट में आने से दो व्यक्तियों की मौत

नरसिंहपुर, 14 मई (एजेंसियां)। नरसिंहपुर में ट्रेन की चपेट में आने के कारण दो व्यक्तियों की मौत हो गई। रेल लाइन पार करते समय यह हादसा हुआ। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद क्षत-विक्षत शवों को पोस्ट मॉर्टम के लिए भिजवा दिया। कोतवाली पुलिस के अनुसार रविवार की सुबह रेलवे गेट के पास ट्रेन से कटकर दो युवकों की मौत होने सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया। मृतकों की शिनाख्त मोनू (30) तथा प्रहलाद सिंह कौरव (45) के रूप हो गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 15 मई, 2023 3

सुविचार

मेहनत करने की आग मन में इतनी होनी चाहिए की बिना सफलता पाए एक पल भी चैन से बैठने का मन नहीं होना चाहिए।

हमारी मांगें पूरी करने वाले राजनीतिक दलों को हमारा समर्थन मिलेगा : आर. कृष्णय्या

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. कृष्णय्या ने आज सभी राजनीतिक दलों को स्पष्ट कर दिया कि जो राजनीतिक दल उनकी मांगों को पूरा करेंगे, उन्हें आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव में देश के सभी बीसी का वोट मिलेगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी का वादा कि वे कर्नाटक राज्य में सत्ता में आने के बाद बीसी जनगणना करेंगे, ने पड़ोसी राज्य के सभी बीसी को कांग्रेस पार्टी को वोट देने और हाल ही में घोषित परिणामों में अपनी जोरदार जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह बात शहर में आयोजित एसोसिएशन की कोर कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए कही। बैठक की अध्यक्षता गुज्जा कृष्णा संघ के एक नेता ने की। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने बीजेपी से अपने बीसी विरोधी रवैये को बदलने और सभी कानून बनाने वाली संस्थाओं में बीसी को 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने के लिए कदम उठाने और बीसी की जनसंख्या के आधार पर आरक्षण प्रदान करने के लिए भारतीय संविधान में संशोधन करने के लिए कहा। देश के सभी स्थानीय निकाय। उन्होंने भाजपा से देश के शिक्षा, रोजगार, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में बीसी को समान हिस्सेदारी प्रदान करने के लिए एक नीतिगत निर्णय लेने के लिए भी कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली और वर्तमान केंद्र सरकारें पिछले 75 वर्षों से पिछड़ों के साथ अन्याय कर रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अब अपनी गलती का एहसास हो गया है और अब वह देश के सभी क्षेत्रों में पिछड़े वर्गों को आरक्षण देने की तैयारी कर रही है और कहा कि भाजपा ने अपनी प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस पार्टी द्वारा की गई गलतियों से अभी तक कोई सबक नहीं सीखा है। . यह कहते हुए कि भाजपा ने एक बीसी नेता नरेंद्र मोदी को देश का प्रधान मंत्री बनाया है, उन्होंने आरोप लगाया कि उसने देश के 75 करोड़ बीसी के कल्याण के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

आरजीआई एयरपोर्ट पर 67.96 लाख रुपए का सोना जब्त

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सीमा शुल्क की एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों ने रविवार को शमशाबाद आरजीआई हवाई अड्डे पर एक यात्री से 1.2 किलोग्राम सोना जब्त किया। सीमा शुल्क अधिकारियों के मुताबिक, यात्री रविवार सुबह रियाद से बहरीन होते हुए पहुंचा।

संदेह होने पर, अधिकारियों ने यात्री को रोका और उसके सामान की जांच की और इमरजेंसी लाइट की बैटरी के अंदर 24 कैरेट शुद्धता की 14 सोने की छड़ें मिलीं। सोने की कीमत 67.96 लाख रुपये है। तस्करी का सोना कस्टम ने जब्त कर लिया है। यात्री को भारतीय सीमा शुल्क अधिनियम 1962 के तहत गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच जारी है।

घर में आग लगने से 1.65 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी का पता चला

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक निजी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के घर में आग लगने की घटना से करीब 1.65 करोड़ की 'बेहिसाब नकदी' इमारत में रखे जाने का मामला सामने आया है। गोपालपुरम पुलिस के अनुसार, रेजिमेंटल बाज़ार में श्रीनिवास नाम के एक घर में आग लगने की सूचना मिली, जो एक निजी कंपनी में डीजीएम के रूप में काम करता है। तत्काल एक दमकल को मौके पर भेजा गया और आग पर काबू पाया गया। गोपालपुरम इंस्पेक्टर साईं ईश्वर गौड़ के मुताबिक, पुराने फर्नीचर और भूतल पर फेंके गए कुछ कचरे में आग लग गई। उन्होंने कहा कि आग फैलने से पहले हमने दमकल विभाग को फोन किया और दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि, आग बुझाने की कवायद की निगरानी कर रही पुलिस को पहली मंजिल पर नकदी रखे होने की सूचना मिली। हम तुरंत इमारत में गए और घर में रखा 1,64,46,000 रुपये कैश जब्त किए। कुछ सोने और चांदी के लेख भी पाए गए। पुलिस ने नकदी जब्त कर थाने भेज दी है। इसकी सूचना आयकर अधिकारियों को दी गई।

यूरोलॉजिस्ट की बिना हेलमेट बाइक चलाते समय दुर्घटना में मौत

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में, चंदनगर में एक दुर्घटना में सिर में गंभीर चोट लगने के बाद शहर के एक मूत्र रोग विशेषज्ञ का 12 मई को निधन हो गया। पीड़ित 38 वर्षीय डॉ. मानस बाबू थे जो बिना हेलमेट पहने बाइक चला रहे थे। उनके परिवार में पत्नी और चार साल का बेटा है। वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. मुखर्जी मदिवाद ने रविवार को ट्विटर पर खबर साझा की और डॉ. मानस को एक शानदार मूत्र रोग विशेषज्ञ के रूप में याद किया। वह शुरुआती घंटों के दौरान एक मरीज को देखने के लिए अस्पताल जा रहे थे। अमूमन वह अपनी कार से सफर करते थे। कभी-कभी वह अपनी बाइक का इस्तेमाल करता था लेकिन हमेशा हेलमेट पहनता था। हालांकि, कुछ दिन पहले जब वह अस्पताल जा रहा था, उसने अपना हेलमेट नहीं पहना था और एक दुर्घटना का शिकार हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्हें चंदननगर के पास सिर में चोट लगी थी, कुछ दिनों के लिए एक अस्पताल में न्यूरोसर्जरी सहित इलाज किया गया था, और आखिरकार परसों उन्होंने दम तोड़ दिया। उन्होंने आगे सभी से अनुरोध किया कि वे बिना हेलमेट पहने अपनी बाइक की सवारी न करें और सवारी करते समय सुरक्षात्मक गियर पहनने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कई डॉक्टरों और ट्विटर यूजर्स ने दिवंगत डॉक्टर के परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

तेलंगाना में मनाई गई हनुमान जयंती

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में हनुमान जयंती का आयोजन किया गया। हिंदू देवता हनुमान के भक्तों ने राज्य के सभी हनुमान मंदिरों में भक्ति के साथ विशेष पूजा अर्चना की। जगित्याल जिले के मलयाला मंडल के कोंडागट्टू में प्रसिद्ध हनुमान मंदिर सभी की आंखों का तारा बन गया। मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंचे। मंदिर के अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर में पुख्ता इंतजाम किए हैं। वे हर साल वैशाख मूलादशमी पर हनुमान के तिरुनाक्षत्र जन्म समारोह का आयोजन करते हैं। तीन दिनों तक मनाया जाएगा जश्न उन्होंने उत्सव के हिस्से के रूप में त्रिकुंडमंतिमा यज्ञम और पूर्णाहुति भी की। भद्राचलम सीताराम स्वामी मंदिर के अधिकारियों ने कोंडागट्टू मंदिर में विशेष रेशमी कपड़े भेजे।

तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष बी. विनोद कुमार और राज्यसभा सांसद जे. संतोष कुमार ने चोप्पडांडी विधानसभा क्षेत्र सुन्के रविशंकर को रेशमी कपड़े सौंपे। कोंडागट्टू मंदिर के अधिकारियों ने 3.6 लाख लड्डू और पुलिहोरा पॉकेट तैयार किए हैं। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 14 काउंटर भी बनाए हैं। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के तहत मंदिर के आसपास 104 सीसी कैमरे लगाए हैं।

छह घंटे के ऑपरेशन के बाद स्लॉथ भालू पकड़ा गया

नलगोंडा, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। छह घंटे के लंबे बचाव अभियान के बाद, वन अधिकारियों ने एक सुस्त भालू को पकड़ने में कामयाबी हासिल की, जो यहां श्रीनिवास कॉलोनी में एक आवासीय क्षेत्र में भटक गया था और उसे छोड़ने के लिए एक वन क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया। रविवार सुबह श्रीनिवास कॉलोनी में थंडू श्रीनिवास के घर के परिसर में एक बाथरूम में सुस्त भालू को पहली बार देखा गया था। श्रीनिवास के परिवार के सदस्यों की चीखें सुनकर भालू स्थानीय डी-मार्ट आउटलेट के पीछे स्थित कॉलोनी में निर्माणाधीन एक अन्य इमारत में भाग गया। स्थानीय निवासियों द्वारा सतर्क किए जाने पर, पुलिस और वन अधिकारी कॉलोनी में पहुंचे और सुस्त भालू को पकड़ने और इसे फिर से कॉलोनी में चलने से रोकने के उपाय किए। जिले के अधिकारियों के अनुरोध पर, भालू को बचाने के लिए वन विभाग की एक बचाव टीम भी वारंगल से सूर्यापेटपहुंची। जिले में मौजूद ऊर्जा मंत्री जी जगदीश रेड्डी भी श्रीनिवास कॉलोनी पहुंचे और अधिकारियों को भालू को बिना नुकसान पहुंचाए बचाने का निर्देश दिया। वन अधिकारियों के अनुसार, भालू को बेहोश करने के प्रयास काम नहीं आए, जिससे बचाव अभियान में देरी हुई। अंतत: विशेष जालों की मदद से भालू को पकड़ लिया गया। भालू को कथित तौर पर हाल ही में जिले के तिरुमलगिरी और अरवेपल्ली में देखा गया था, और माना जाता है कि वह वहां से श्रीनिवास कॉलोनी में भटक गया था। अधिकारियों ने कहा कि इसे पास के जंगलों में छोड़ा जाएगा।

अत्तापुर पुलिस ने उपद्रवियों की काउंसलिंग की

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर पुलिस ने उन लोगों के लिए काउंसलिंग कार्यक्रम चलाया, जिनके खिलाफ थाने में उपद्रवी शीट रखी जाती है। स्टेशन हाउस ऑफिसर, अट्टापुर पुलिस स्टेशन, पी यादागिरी, जिन्होंने उपद्रवी शीटर्स के साथ बातचीत की, उन्हें आपराधिक गतिविधियों में शामिल नहीं होने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि जब भी रात में पुलिस गश्ती वाहन चेकिंग के लिए आए तो अपने घरों में मौजूद रहें। एसएचओ ने उपद्रवी शीटरों के खिलाफ पीडी अधिनियम लागू करने की चेतावनी दी, यदि वे किसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए जाते हैं या पीड़ितों द्वारा उनके खिलाफ उत्पीड़न, शारीरिक अपराध या संपत्ति के अपराध की कोई शिकायत की जाती है। काउंसलिंग के दौरान उप निरीक्षक व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

नंबर वन बनेगा भारत : चंद्रबाबू

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गीमत डीम्ड यूनिवर्सिटी, हैदराबाद कैंपस के शिवाजी ऑडिटोरियम में द कौटिल्य स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी ने अपना पहला ग्रेजुएशन समारोह मनाया गया। मुख्य अतिथि आंप्र के पूर्व सीएम नारा चंद्रबाबू नायडू ने अपने संबोधन में कहा कि 'आप जो कुछ भी हासिल करना चाहते हैं, आप हासिल कर सकते हैं। कल्पना करें, एक योजना बनाएं, और बहुत स्पष्ट रूप से आपको इसे क्रियान्वित करना होगा। आप काम करने वाले हैं। दुनिया भर में भारतीय महान बनने जा रहे हैं। आप में से कुछ सहमत हो सकते हैं या नहीं भी हो सकते हैं कि भारत 2047 तक नंबर एक या दो बन जाएगा। उन्होंने कहा कि मेरे विजन 2047 कॉरपोरेट गवर्नेंस में भारतीयों का दबदबा होगा, पब्लिक गवर्नेंस में भारतीयों का दबदबा होना चाहिए। अगर आप ब्रिटेन के प्रधानमंत्री को देखें, तो वह भारतीयों की ताकत है। आज तक, 50 प्रतिशत से अधिक संयुक्त राज्य अमेरिका या यूरोप में रह रहे हैं। भविष्य में यह भारत की तरफ शिफ्ट होने वाला है। भारत को कोई नहीं हरा सकता। भारत बहुत मजबूत और जनसांख्यिकीय लाभ वाला देश है। यदि आप उचित शिक्षा और कौशल प्रदान करते हैं, तो आप चमत्कार कर सकते हैं। 2.5 अरब लोग दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पलायन कर रहे हैं।

भारत विश्व को कार्यबल की आपूर्ति करने में सक्षम है। 2047 तक भारत को यह फायदा मिलने वाला है। भारत जनसंख्या प्रबंधन की नीति में और आगे बढ़ता है। जनसंख्या भी संभाल सकती है। दुनिया में कोई भी हमारा मुकाबला नहीं कर सकता। कुलाधिपति प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान ने ग्रेजुएशन डे ओपन घोषित किया।

शिक्षा प्रणाली छात्र द्वारा प्राप्त अंकों पर आधारित नहीं होनी चाहिए, यह नवाचार और रोजगार के साथ-साथ उद्यमिता उन्मुख होनी चाहिए। जीआईटीएएम के अध्यक्ष एम. भरत ने अपने अध्यक्षीय भाषण में स्नातकों को बधाई दी।

जीआईटीएएम के कुलपति प्रोफेसर दयानंद सिद्दवट्टम ने छात्रों द्वारा शपथ ग्रहण की, जिसका नेतृत्व एक छात्र संयोगिता दिलीप सतपुते ने किया।

प्रो. जयशंकर ई. वरियार, प्रो-वाइस-चांसलर, एकेडमिक्स ने मुख्य अतिथि से डिग्री और प्रमाण पत्र प्राप्त करने वालों के नामों की घोषणा की। जबकि, कुलसचिव डी. गुणसेकरन ने कुलाधिपति को डिग्री अभिलेखों पर हस्ताक्षर करने की प्रस्तुति दी। इस समारोह में 44 विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्त की।

माताओं के लिए तेलंगाना सरकार ने कई योजनाएं शुरू कीं : हरीश राव

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में महिलाओं के लिए मातृत्व की यात्रा में महत्वपूर्ण मील के पत्थर, गर्भ धारण करने से लेकर प्रसव के समय तक और यहां तक कि अपने घरों में सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने तक, हर चरण को राज्य सरकार द्वारा अभिनव योजनाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से समर्थन दिया जा रहा है। जैसा कि अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस मनाया जाता है, स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने रविवार को नियोजित योजनाओं पर प्रकाश डाला, जो माताओं और उनके शिशुओं के जीवन के कई चरणों के दौरान स्वास्थ्य का समर्थन करती हैं।

उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाओं के परिणामस्वरूप मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) और शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) सहित महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल सूचकांकों में राज्य बनने के बाद से काफी गिरावट दर्ज की गई है।

बच्चे के गर्भधारण के तुरंत बाद, गर्भवती महिलाओं में एनीमिया की स्थिति को दूर करने के लिए केसीआर पोषण किट लागू की जाती है। बाद में, गर्भावस्था के नौ महीनों के दौरान,केसीआर किटपहल एक वित्तीय प्रोत्साहन और मुफ्त प्रसव-पूर्व जांच के साथ यह सुनिश्चित करती है कि सरकारी अस्पतालों में अजन्मी और गर्भवती महिलाओं की उचित देखभाल उपलब्ध हो। नियमित एएनसी जांच के दौरान, सरकारी अस्पतालों में खरीदी गई उच्च स्तरीय अल्ट्रासाउंड मशीनें भी देखभाल प्रदाताओं को गर्भवती महिला की सुरक्षित डिलीवरी सुनिश्चित करने में सक्षम बनाती हैं।

आरोग्य लक्ष्मी के तहत, तेलंगाना सरकार आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं और छह साल से कम उम्र के बच्चों को हर दिन एक पौष्टिक भोजन भी प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पतालों में सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अम्मा वोडी योजना के तहत परिवहन वाहन जिलों में प्रदान किए जाते हैं। हरीश राव ने कहा कि समग्र स्वास्थ्य स्थिति सुनिश्चित करने और महिलाओं में कैंसर और अन्य पुरानी जीवन शैली की बीमारियों का जल्द पता लगाने के लिए, सरकारी अस्पतालों में हर मंगलवार को आरोग्य महिला योजना विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं।

कलेक्टर ने अधिकारियों को भूजल स्तर में वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए

जनगांव, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर सी. शिवलिंगैया ने अधिकारियों को जिले में भूजल स्तर को बढ़ाने के उपाय करने के निर्देश दिए हैं। इस महीने जल शक्ति मिशन के प्रतिनिधिमंडल के दौरे से पहले, कलेक्टर ने रविवार को एक समीक्षा बैठक की और मेहमान टीम को जिले में जल प्रबंधन कार्यक्रमों के बारे में विवरण प्रदान करने के महत्व पर बल दिया, जिसमें चेकडैम, तालाब, मरम्मत और राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से कृषि, वन, बागवानी, सिंचाई और भूजल संरक्षण जैसे विभिन्न विभागों की भागीदारी। अधिकारियों को भूजल स्तर को बढ़ाने की आवश्यकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं की व्याख्या करने का भी काम सौंपा गया था। उन्होंने अधिकारियों को जनता के लिए लागू की जा रही सुविधाओं की जानकारी तैयार रखने के भी निर्देश दिए।

टीएससीएस ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। थैलेसीमिया सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) ने आज अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस मनाया। इस अवसर पर थैलेसीमिक रोगियों की सभी माताओं को सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान थैलेसीमिया की रोकथाम और उन्मूलन में मां की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। टीएससीएस की उपाध्यक्ष के. रत्नावल्ली और टीएससीएस के सीईओ और सचिव डॉ. सुमन जैन ने टीएससीएस, हैदराबाद में थैलेसीमिया बच्चों में उनके योगदान के लिए समाज की सभी माताओं को बधाई के साथ सम्मानित किया। थैलेसीमिया या सिकल सेल रोग एक वंशानुगत बीमारी है, जो माता-पिता के जीन से उनके बच्चों में जाती है। हालांकि, पहली तिमाही के दौरान एक सरल एचबीए2 टेस्ट लेने से इसे रोका जा सकता है जो रोग की उपस्थिति का पता लगाता है। थैलेसीमिया सबसे आम, वंशानुगत, एकल जीन विकार है, जिसे आनुवंशिक जांच और परामर्श द्वारा रोका जा सकता है। इस जीन के व्यक्तिगत वाहक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। हालांकि, एक थैलेसीमिक तब पैदा होता है जब दो वाहक एकजुट होते हैं, इस प्रकार इस आनुवंशिक विकार के लिए स्क्रीनिंग की सिफारिश की जाती है। इस बीमारी से प्रभावित बच्चों की उम्र कम होती है और उन्हें हर 15 दिन में एक बार खून चढ़ाना पड़ता है। वे दूसरों की तरह जीवन का आनंद नहीं उठा सकते और उनकी मृत्यु दर बहुत कम है। इसे रोकने के लिए, टीएससीएस सभी गर्भवती माताओं को भविष्य की पीढ़ी की मदद करने के लिए बिना चूके एचबीए2 परीक्षण का विकल्प चुनने की सलाह देता है। टीएससीएस सभी बहादुर माताओं को मातृ दिवस की शुभकामनाएं देता है और मातृत्व के इस उत्सव का हिस्सा बनना चाहता है।

नेहरू प्राणी उद्यान में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सस्टेनेबल मिशन लाइफस्टाइल के एक हिस्से के रूप में, बच्चों और आगंतुकों के बीच पर्यावरण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए एक जन लामबंदी कार्यक्रम रविवार को नेहरू जूलॉजिकल पार्क में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तेलंगाना जनजातीय कल्याण विभाग के लगभग 350 छात्रों ने भाग लिया जिसमें जल और ऊर्जा के संरक्षण पर एक लघु फिल्म की स्क्रीनिंग की गई थी। शॉर्ट फिल्म में ई-कचरे को कम करने, स्वस्थ जीवन शैली और सिंगल-यूज प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

पक्षियों पर एक टॉक शो भी आयोजित किया गया और लक्ष्मीनारायण, चिड़ियाघर जीवविज्ञानी और एच.एम.हनीफुल्ला, पीआरओ और हुसैन, परियोजना वैज्ञानिक ने पक्षियों की प्रजातियों के बारे में छात्रों को समझाया।

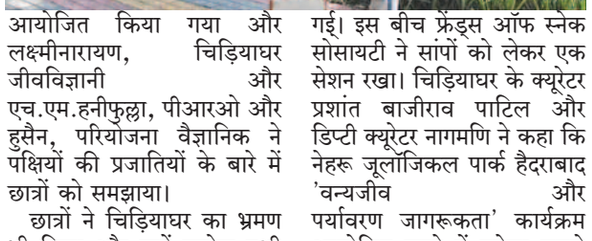

छात्रों ने चिड़ियाघर का भ्रमण भी किया और उन्हें प्रत्येक पक्षी प्रजाति के बारे में जानकारी दी गई। इस बीच फ्रेंड्स ऑफ स्नेक सोसायटी ने सांपों को लेकर एक सेशन रखा। चिड़ियाघर के क्यूरेटर प्रशांत बाजीराव पाटिल और डिप्टी क्यूरेटर नागमणि ने कहा कि नेहरू जूलॉजिकल पार्क हैदराबाद 'वन्यजीव और पर्यावरण जागरूकता' कार्यक्रम आयोजित करने में हमेशा सबसे आगे रहा है।

युवक की पीट-पीट कर हत्या

मनचेरियल, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंदमारी में एक लड़की के साथ कथित तौर पर संबंध बनाने पर अज्ञात लोगों ने एक युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी। मंदमरी के सब-इंस्पेक्टर चंद्रकुमार ने कहा कि कसीपेट मंडल के ममीदिगुड़ा गांव के 21 वर्षीय लॉरी क्लीनर एल सागर को शुक्रवार रात लड़की के परिजनों द्वारा मारपीट के बाद गंभीर चोटें आई थीं और सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था. मनचेरियल में सामान्य अस्पताल। बताया जा रहा है कि युवती के घर के पास जाने पर हमलावरों ने उसे पकड़ लिया और उसकी बड़ी-बड़ी लाठियों से पिटाई कर दी. उन्होंने कथित तौर पर अपने अपराध को कवर करने के लिए उसे अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़िता के पिता थाराचंद ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि सागर, चिट्टी के मालिक गिरिबाबू, एक वाटर प्लांट के मालिक और स्थानीय लोगों बोड्डू बालाजी, नेनू वेंकटेश, बोगी वेंकटेश और अल्लामकुटा गणेश ने लड़की के साथ रिश्ते में होने के कारण अपने बेटे की हत्या कर दी। मामला दर्ज किया गया था। जांच हाथ में ले ली गई है।

हिंदू एकता यात्रा में भाग लेने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में पधारे असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा का प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व करीमनगर के सांसद बंडी संजय की उपस्थिति में स्वागत करते हुए पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर व अन्य।

प्रयागराज में भीषण सड़क हादसा, 4 की मौत

करछना (प्रयागरज), 14 मई (एजेंसियां)। प्रयागराज में शनिवार रात घर के बाहर बैठे 5 लोगों को एक तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 5 साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मरने वालों में एक ही परिवार के तीन लोग हैं। जिसमें एक 7 साल का बच्चा भी शामिल है। घटना सोरांव थाना अंतर्गत गधिना गांव की है। घटना के बाद वहां ग्रामीणों की भीड़ लग गई। गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने शवों को प्रतापगढ़-प्रयागराज हाईवे पर रखकर चक्का जाम कर दिया। नाराज ग्रामीण डीएम और सीएम को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे। एसडीएम सोरांव सार्थक अग्रवाल समेत प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार मौके पर पहुंचे। वह ग्रामीणों को काफी देर तक समझाते रहे, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं थे। काफी मशक्कत के बाद देर रात पुलिस प्रशासन ने स्थानीय लोगों को शांत करा कर जाम खुलवाया। इसके बाद पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

कर्नाटक के नतीजों पर जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह बोले- अब नहीं चलेगी धार्मिक गुंडागर्दी

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। जनता दल-युनाइटेड (जद-यू) के अध्यक्ष ललन सिंह ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे, जिसमें कांग्रेस 224 सीटों में से 136 सीटें जीतकर विजयी हुई है। यह साबित करती है कि 'धार्मिक गुंडागर्दी' और नैरेटिव बनाने से चुनाव में कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा, कर्नाटक विधानसभा चुनाव का परिणाम देश के कई मायने में निर्णायक है। यह उन लोगों को एक जोरदार और स्पष्ट संदेश दे रहा है, जो मुद्रास्फीति, मूल्यवृद्धि, बेरोजगारी जैसे वास्तविक मुद्दों से भटकाने के लिए केवल नैरेटिव सेट करने, धार्मिक गुंडागर्दी करने और समाज में विभाजन पैदा करने में विश्वास करते हैं। ललन सिंह ने दरभंगा में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, देश के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं करेंगे जो वास्तविक मुद्दों को हल नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी को जनादेश देने के लिए हम कर्नाटक के लोगों को धन्यवाद देते हैं। कर्नाटक के लोगों ने जिस तरह से फैसला किया है। यह देश के बाकी हिस्सों के लिए एक अच्छा संदेश है। जेडीयू अध्यक्ष ललन सिंह ने आगे कहा, मैं भी हिंदू हूं, लेकिन मैं राजनीतिक उद्देश्यों के लिए धर्म का विज्ञापन करने में विश्वास नहीं करता हूं। धर्म में विश्वास करना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए इसका इस्तेमाल करना सबसे बुरी बात है।

नंदकिशोर गुर्जर के गढ़ में बीजोपी को हराने वाली रंजीता धामा ने फेसबुक लिखा विवादास्पद पोस्ट

गाजियाबाद, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव के नतीजे आ गए। इस बीच गाजियाबाद के लोनी नगर पालिका में राष्ट्रीय लोक दल ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां रंजीता धामा ने जीत हासिल की। ये बतौर चेयरमैन उनकी दूसरी पारी है। उन्होंने जीत के बाद फेसबुक पर एक पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने जनता का आभार जताया। रंजीता मनोज धामा ने फेसबुक पर लिखा कि ये जीत मेरी नहीं आप सभी की जीत है । सभी सम्मानित बड़े-बुजुर्गों, भाई-बहन साथियों का तहे दिल से धन्यवाद, जिन्होने अपना बहुमूल्य वोट रूपी आर्शीवाद और समर्थन देकर जीत दिलाई। आप सभी के सहयोग के बिना जीत सम्भव ही नहीं थी ।

नंदकिशोर गुर्जर का गढ़ किया फतह

आपको बता दें लोनी बीजेपी के दिग्गज नेता नंदकिशोर गुर्जर का गढ़ है। ऐसे में इस सीट से बीजेपी प्रत्याशी पुष्पा के जीतने की भी प्रबल संभावना थी, लेकिन रंजीता धामा ने सारे कयासों पर पानी फेर दिया। उन्होंने एक लाख से ज्यादा वोट हासिल कर दोबारा चेयरमैन पद पर परचम लहराया।

नंदकिशोर की वजह से छोड़ी थी बीजेपी

रंजीता धामा पहले बीजेपी में ही थीं, लेकिन जब पार्टी ने पिछले विधानसभा चुनाव में नंदकिशोर गुर्जर को प्रत्याशी बनाया, तो वो भड़क गईं। उन्होंने उनका टिकट कटवाने के लिए काफी कोशिश की, लेकिन पार्टी ने उनकी बात नहीं मानी, ऐसे में उन्होंने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया।

लड़ चुकी हैं विधानसभा चुनाव

नंदकिशोर गुर्जर को टक्कर देने के लिए रंजीता धामा ने निर्दलीय ही मैदान में उतर गई थीं। उन्होंने काफी मेहनत भी की, लेकिन आखिर में गुर्जर ने बाजी मार ली। हालांकि अब नगर पालिका में जीत हासिल करके उन्होंने हिसाब बराबर कर लिया है। पिछली बार भी किया था शानदार प्रदर्शन वहीं पिछले चुनाव में भी रंजीता धामा ने अपना दमखम दिखा दिया था। उनको 81 हजार वोट से मिले थे जबकि सपा प्रत्याशी को सिर्फ 47 हजार वोट मिले। ऐसे में उन्होंने करीब 34 हजार वोटों से अपने प्रतिद्वंदी को मात दी थी।

पर्ची वाले बाबा, हमारी विनती है

लालू की बेटी रोहिणी ने धीरेंद्र शास्त्री से लगाई अर्जी

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के कई मंत्री बागेश्वर वाले बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के विरोध में लगातार बयान दे रहे थे। वन-पर्यावरण मंत्री और लालू के बड़े लाल तेज प्रताप यादव ने तो बाकायदा अपनी निजी आर्मी डीएसएस के जरिए बाबा को एयरपोर्ट पर रोकने का भी एलान कर रखा था। विरोध और रोकारोकी तो हुआ नहीं, अब लालू को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य ने बाबा से एक अर्जी लगाई है। यह अर्जी भी उसी अंदाज की है।

पर्ची वाले बाबा लिखकर संबोधन

बागेश्वर वाले बाबा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर पटना में शनिवार को गजब का उत्साह दिखा था। सुबह एयरपोर्ट पर भाजपाई केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद रामकृपाल यादव ने स्वागत किया, जबकि सांसद मनोज तिवारी उनके सारथी बनकर कार से होटल ले गए। एयरपोर्ट से होटल तक तेज प्रताप का संगठन धर्मनिरपेक्ष सेवक संघ (डीडीएस) कहीं नजर नहीं आया। तेज प्रताप के आवास पर भी वीरानी थी। शांति के बाद रविवार की सुबह रोहिणी आचार्या का ट्वीट आया। इसमें रोहिणी ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री या बागेश्वर धाम की चर्चा किए बगैर सीधे संबोधित किया- पर्ची वाले बाबा!

पिता-परिवार के लिए नहीं, राज्य के लिए अर्जी

रोहिणी आचार्या ने पिता लालू प्रसाद को किडनी दी है। किडनी ट्रांसप्लांट कराने के बाद लालू भारत लौटे और अब वह पटना में न केवल हैं, बल्कि अपनी पार्टी के नेताओं के लिए एक दिन पार्टी भी दे चुके हैं और एक दिन निकलकर पटना हाईकोर्ट मजार पर भी घूम चुके हैं। ऐसे में रोहिणी ने पिता या परिवार के लिए बागेश्वर धाम वाले बाबा से कुछ नहीं मांगा। रोहिणी ने राजनीतिक मांग के जरिए केंद्र की भाजपा सरकार और बाबा की भाजपाई निकटता पर कटाक्ष करते हुए लिखा- ₹पर्ची वाले बाबा से यहीं हमारी विनती है- बिहार के विशेष राज्य के दर्जे की मांग हमारी करनी पूर्ति है।

हिंदू बहुल क्षेत्र में मुस्लिम युवक ने निर्दलीय जीता पार्षद का चुनाव, चौंका देंगे आंकड़े

अयोध्या, 14 मई (एजेंसियां)। यूपी निकाय चुनाव के नतीजे शनिवार को घोषित कर दिए गए। यहां मुख्य रूप में हम आपको अयोध्या के बारे में बताने जा रहे हैं। अयोध्या में महापौर पद पर फिर से बीजेपी ने जीत हासिल की है। वहीं एक हिंदू बहुल वार्ड में मुस्लिम युवक सुलतान अंसारी की जीत भी यहां चर्चा में बनी हुई है। दरअसल इस वार्ड का नाम राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन के नायक-महंत राम अभिराम दास के नाम पर रखा गया है। यहां से अंसारी ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव जीतकर सबको चौंका दिया। अभिराम दास को दिसंबर 1949 में बाबरी परिसर में रामलला की मूर्ति रखने के लिए जाना जाता है, जिसके कुछ दिनों बाद मस्जिद को बंद कर दिया गया था और 1986 में इसके खुलने के बाद से आज तक उसी मूर्ति की राम जन्मभूमि में पूजा की जा रही है।

क्या है वोटों का समीकरण

वोट प्रतिशत के हिसाब से इस वार्ड में हिंदू समुदाय के 3844 मतदाताओं के मुकाबले सिर्फ़ 440 मुस्लिम वोटर हैं। यहां 10 उम्मीदवार मैदान में थे। कुल पड़े 2388 मतों में अंसारी को 996 मत मिले जो करीब 42 फीसदी हैं। अंसारी ने पहली बार चुनाव में किस्मत आजमायी थी। उन्होंने राम जन्मभूमि के पास के हिंदू बहुल वार्ड में एक अन्य निर्दलीय उम्मीदवार नागेंद्र मांझी को 442 मतों के अंतर से हराया। भाजपा इस सीट पर तीसरे नंबर पर रही। अंसारी ने बताया, 'यह अयोध्या में हिंदू-मुस्लिम भाईचारे और दोनों समुदायों के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का सबसे अच्छा उदाहरण है। उन्होंने मेरा समर्थन किया और मेरी जीत सुनिश्चित की।' यह पूछे जाने पर कि क्या हिंदू बहुल क्षेत्र से चुनाव लड़ने में कोई हिचकिचाहट थी, उन्होंने जवाब दिया, 'चूंकि मैं इस क्षेत्र का निवासी हूं और मेरी जानकारी के अनुसार मेरे पूर्वज यहां 200 से अधिक वर्षों से रह रहे थे। जब मैंने अपनी इच्छा प्रकट की तो मेरे हिंदू दोस्तों ने पूरे दिल से मेरा समर्थन किया और मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।'

बीएसपी चुप बैठने वाली नहीं, बीजेपी को मिलेगा जवाब

निकाय चुनाव में मायावती ने लगाए सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव में भाजपा ने जहां जबरदस्त जीत हासिल की है वहीं विपक्ष को करारी शिकस्त मिली है। मेयर चुनाव में तो विपक्ष का सूपड़ा साफ हो गया। इस जीत से बीजेपी गदगद है, वहीं विपक्षी नेताओं ने राज्य सरकार पर धांधली के आरोप लगाए हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने तो साफ कहा कि सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर यह चुनाव जीता गया है और उनकी पार्टी इस पर चुप नहीं बैठेगी।

सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के आरोप

मायावती ने ट्वीट कर कहा, 'यूपी निकाय चुनाव में भाजपा के साम, दाम, दण्ड, भेद आदि अनेकों हथकण्डों के इस्तेमाल के साथ ही साथ इनके द्वारा सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से बीएसपी चुप होकर बैठने वाली नहीं है, बल्कि वक्त आने पर इसका जवाब बीजेपी को ज़रूर मिलेगा। साथ ही, तमाम विपरीत हालात का सामना करते हुए बीएसपी पर भरोसा करके पार्टी उम्मीदवारों को वोट करने के लिए लोगों का तहेदिल से आभार व शुक्रिया। अगर यह चुनाव भी फ्री एण्ड फेयर होता तो नतीजों की तस्वीर कुछ और होती। बैलेट पेपर से चुनाव होने पर बीएसपी मेयर चुनाव भी ज़रूर जीतती।' मायावती ने कहा कि वैसे चाहे भाजपा हो या सपा दोनों ही पार्टियां सत्ता का दुरुपयोग करके ऐसे चुनाव जीतने में एक-दूसरे से कम नहीं हैं, जिस कारण सत्ताधारी पार्टी ही धांधली से अधिकतर सीट जीत जाती है और इस बार भी इस चुनाव में ऐसा ही हुआ और यह अति-चिन्तनीय है।

ऐसा रहा नगर निगम का परिणाम

नगर निगम में बीजेपी ने सभी 17 मेयर के पद अपने कब्जे में किए। वहीं नगर पालिका के 199 सीटों में से बीजेपी के खाते में 94 सीटें गई हैं जबकि सपा को 39, बसपा को 16, कांग्रेस 4 तथा अन्य के खाते में 46 सीटें गईं। नगर पंचायत की 544 सीटों में बीजेपी के खाते में 196, सपा के खाते में 91, कांग्रेस के खाते में 14, बसपा के खाते में 38 तथा अन्य के खाते में 205 सीटें आईं।

दो चरणों में हुआ था चुनाव

यूपी में 17 नगर निगम, 199 नगर पालिका और 544 नगर पंचायत की सीटें हैं। पहले फेज में 9 मंडलों के 37 जिलों में 10 नगर निगम, 820 पार्षद, 103 नगर पालिका परिषद अध्यक्ष, 2740 नगर पालिका परिषद सदस्य, 275 नगर पंचायत अध्यक्ष और 3745 नगर पंचायत सदस्यों के लिए चुनाव हुए थे। वहीं, दूसरे चरण में 9 मंडल के 38 जिलों की 7 नगर निगम, 95 नगर पालिका, 267 नगर पंचायत पद और पार्षद सीटों पर चुनाव हुए थे।

सासाराम में तिलक समारोह में 19 साल की डांसर की हत्या, नशे में धुत शख्स ने मारी गोली

सासाराम, 14 मई (एजेंसियां)। जिले के दरिगांव थाना क्षेत्र के कोटा गांव में तिलक समारोह के दौरान एक डांसर की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतका की उम्र महज 19 साल थी। बताया जा रहा है कि तिलक समारोह के दौरान की देर रात नशे में धुत एक नर्तकी को गोली मार दी। जिससे युवती गंभीर रूप से जख्मी हो गई। आननफानन में उसे सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतका चांदनी कुमारी 19 वर्ष सासाराम मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बेदा गांव की रहने वाली थी। दरिगांव थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि कोटा गांव निवासी संदीप महतो के बेटा मुन्ना महतो घर तिलक समारोह में डांस के लिए गई थी। इसी क्रम में जहां नृत्यांगनाओं की टीम रुकी हुई थी, उसी कमरे में घुसकर नशे में धुत एक युवक ने चांदनी कुमारी को गोली मार घायल कर दिया। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। लोग उसे लेकर आनन-फानन में सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में कुछ देर इलाज चलने के बाद डांसर ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस भी अस्पताल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गोली चलाने वाले और जिसके घर तिलकोत्सव में नाच का आयोजन किया गया था, उसपर नियमतः कार्रवाई कर रही है।

जातिगत सर्वेक्षण पर बिहार के मंत्री बोले

सभी विधायी और वैधानिक कदम उठाने को तैयार है सरकार

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक प्रमुख सहयोगी ने कहा है कि सरकार जाति आधारित सर्वेक्षण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए सभी विधायी और वैधानिक कदम उठाने को तैयार है। उल्लेखनीय है कि पटना उच्च न्यायालय ने हाल में बिहार में जातिगत सर्वेक्षण पर रोक लगा दी थी। बिहार के वित्त और संसदीय मामलों के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि सरकार ने इस महीने की शुरुआत में पटना उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश से उत्पन्न कई मुद्दों पर स्पष्टता के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। चौधरी ने बताया, ''उच्च न्यायालय ने सर्वेक्षण करने से पहले, एक कानून पारित नहीं करने को लेकर सरकार से आपत्ति जताई है, हालांकि जातिगत जनगणना के पक्ष में विधायिका के दोनों सदनों द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किए गए थे। फैसले में यह भी कहा गया कि राज्य सरकार के पास इस तरह के कानून को पारित करने का कोई अधिकार नहीं है।'उन्होंने कहा, ''इस प्रकार, अदालत की टिप्पणियों में एक विरोधाभास प्रतीत होता है। हम मामले की जल्द सुनवाई का अनुरोध करके संदेहों को शीघ्रता से दूर करना चाहते थे, जिसे जुलाई तक के लिए टाल दिया गया है। उच्च न्यायालय सहमत नहीं था, इसलिए हमने अब शीर्ष न्यायालय का रुख किया है। "चौधरी को उच्च न्यायालय के आदेश में एक और बिंदु पर विरोधाभास दिखाई दिया, वह यह था कि सर्वेक्षण के तहत जुटाई गई जानकारी नागरिकों के ''निजता के अधिकार'' का उल्लंघन कर सकती है। मंत्री ने पूछा, ''उच्च न्यायालय ने

स्पष्ट रूप से कहा है कि राज्य सरकार इस कवायद के तहत उसी प्रकार की जानकारी एकत्र कर रही है जैसे कि केंद्र सरकार द्वारा जनगणना के दौरान की जाती है। अगर जनगणना नागरिकों की गोपनीयता का उल्लंघन नहीं करती है, तो हमारा सर्वेक्षण नागरिकों के निजता के अधिकार का उल्लंघन कैसे कर सकता है।

आरा में दिनदहाड़े मुखिया पति को गोली मारकर हत्या परिजनों ने सड़क पर शव को रखकर किया चक्काजाम

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। बिहार के आरा में सरेआम मुखिया पति को हथियारबंद अपराधियों ने गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया. घटना के पूरे इलाके में दहशत फ़ैल गई है. रिपोर्ट के अनुसार, मामला बड़हरा प्रखंड के कृष्णागढ़ ओपी क्षेत्र के सरैया बाजार का है. मुखिया पति के क़त्ल के बाद परिजन और स्थानीय लोगों का आक्रोश भड़क उठा और उन लोगों ने मुखिया पति के शव आरा-सरैया मुख्य मार्ग पर चक्का जाम करते हुए बाजार को बंद करा दिया. मृतक बड़हरा प्रखंड के अंतर्गत आने वाले पश्चिमी गुंडी पंचायत के मुखिया अमरावती देवी के पति महेंद्र यादव उर्फ मुन्ना यादव हैं. रिपोर्ट के अनुसार, आरा में दिन-दहाड़े मुखिया पति की गोली मारकर हत्या किए जाने से सनसनी फ़ैल गई है.

अरवल के रेड लाइट एरिया में रेड

12 लड़कियां पकड़ी गईं; बंगाल, ओडिशा से बुलाकर जबरन सेक्स रैकेट में धकेला जा रहा था

अरवल, 14 मई (एजेंसियां)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के जनकपुर धाम स्थित रेड लाइट एरिया में देर रात छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान 12 महिलाओं को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि अन्य राज्यों से थिएटर के लिए लाईं गईं लड़कियों को मारपीट कर उसे देह व्यापार में धकेला जा रहा। उनसे गंदा काम करवाया जा रहा है, जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस को देखते ही पीड़ित लड़कियां बाहर सड़क पर भागने लगीं। इसके अलावा भी कई महिलाएं और लड़कियां भाग रही थीं, जिसे पुलिस ने हिरासत में लिया और उसे पूछताछ के लिए महिला थाने लाया है। सभी लड़कियों से पूछताछ के बयान पर संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। हिरासत में ली गईं लड़कियों को रात में ही सदर अस्पताल ले जाकर मेडिकल टेस्ट कराया गया। उनसे पूछताछ के बाद पहचान सत्यापित की गई। कई लड़कियां ओडिशा, बंगाल और

अन्य राज्यों से थिएटर में काम करने के लिए आईं थी। सभी लड़कियां शादी विवाह और अन्य फंक्शन में नृत्य संगीत कार्यक्रम में जाती थी, लेकिन अब बाहर से बुलाई गईं लड़कियों को जबरन बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट कर की जा रही थी। देह व्यापार के धंधे में धकेला जा रहा था। किसी लड़की ने ही पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस अधीक्षक मोहम्मद कासिम ने बताया कि पीड़ित लड़कियों के बयान पर महिला थाना में मामला दर्ज किया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।संचालक को गिरफ्तार किया जाएगा। सभी लड़कियों की पहचान कराई गई है। मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें छोड़ दिया गया और उनके बयान दर्ज कर लिए गए हैं।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव रंजन सदर थाना और महिला थाना द्वारा टीम गठित कर छापेमारी की गई।

उमेश पाल हत्याकांड के 78 दिन! शाइस्ता और गुड्डू मुस्लिम एसटीएफ की पहुंच से दूर, अरमान के सरेंडर की चर्चा

प्रयागराज, 14 मई (एजेंसियां)। उमेश पाल हत्याकांड को 78 दिन बीत गए हैं। हालांकि पुलिस और एसटीएफ की नाकामी का आलम यह है कि इस घटना में शामिल गुड्डू मुस्लिम समेत तीन शूटरों और शाइस्ता परवीन की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। एसटीएफ के संसाधनों पर अपराधियों की चालाकी भारी पड़ रही है। गुड्डू इस तरह से भागता फिर रहा है जैसे उसे पता है कि पुलिस और एसटीएफ उसके पीछे तभी आएगी जब वह ठिकाना बदल देगा। पहले बात शाइस्ता परवीन की करते हैं। अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन 24 फरवरी की शाम घटना के बाद एक दिन चकिया में ही रही। पुलिस ने उसके दो नाबालिग बेटों को उठा लिया था लेकिन उसे नहीं पकड़ा था। फिर वह भी भागी तो अब मिल नहीं रही है। पुलिस और एसओजी के अलावा एसटीएफ ने चकिया और हटवा से लेकर कानपुर, लखनऊ, दिल्ली तक तमाम ठिकानों पर खोजबीन की लेकिन अब तक नतीजा शून्य है। ऐसे में अब पूछने पर एसटीएफ के अधिकारी बस इतना कहते हैं कि पकड़ने की कोशिश हो रही है। यही हाल बमबाज गुड्डू मुस्लिम और बाकी दो शूटरों अरमान बिहारी तथा साबिर के बारे में भी है। क्या अरमान बिहार में सरेंडर कर जेल में बंद है। इस पर भी पुलिस अधिकारी कुछ नहीं बता पा रहे हैं। साबिर के बारे में बार-बार कहा जा रहा है कि उसकी लोकेशन प्रयागराज और कौशांबी के बीच है लेकिन लगातार छापेमारी में भी वह हाथ नहीं आ रहा है।

आजम खान अब गुजरा हुआ कल है, सपा खत्म हो चुकी है

स्वार में जीतने के बाद बोले अपना दल विधायक शफीक

रामपुर, 14 मई (एजेंसियां)। रामपुर की स्वार विधानसभा पर जीत दर्ज करने के बाद नवनिर्वाचित विधायक शफीक अहमद अंसारी ने एबीपी गंगा से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता ने जो प्यार किया है उसके लिए जनता बधाई की पात्र है। उन्होंने कहा, 'हमारे गठबंधन की पूरी टीम आशीष पटेल जी और अनुप्रिया पटेल जी ने जो यहां पर दिशा निर्देश दिए उसका लोगों ने पालन किया और चुनौती स्वीकार करके उसका सामना किया।' शफीक ने कहा कि लोगों को बहुत धिक्कार आ जाता था इसलिए सबसे पहले लोगों का मान सम्मान रहेगा उसके बाद विकास कराना हमारी प्राथमिकता रहेगी। सपा नेता आजम खान के स्वार विधानसभा जीतने के चैलेंज पर शफीक अहमद अंसारी ने कहा कि आजम खान ने चैलेंज किया था मगर अब आजम खान कहां हैं? सपा समाप्त हो गई है और अब कुछ नहीं बचा है। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना और वे मिलकर विधानसभा में विकास कराएंगे। रामपुर से बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने एबीपी गंगा से बातचीत करते हुए कहा, जिस तरह से रामपुर की जनता ने और स्वार टांडा विधानसभा की जनता ने आज आशीर्वाद दिया है उससे बिल्कुल साफ है कि जनता अब इन लोगों की बरगलाने वाली भाषाओं में नहीं आएगी जनता सिर्फ विकास चाहती है और

विकास होगा। उन्होंने आगे कहा, 'योगी जी और मोदी जी की जो कल्याण की रीयोजनाएं हैं उन योजनाओं को हम जनता तक पहुंचाने में बहुत सफल रहे और जनता ने इस बात को बहुत सराहा है। दोनों सरकार की योजनाओं का लाभ मिला और हमने जो चुनाव जीते हैं सबसे बड़ी वजह हमारी यही है कि हम सरकार की योजनाओं को वहां तक पहुंचाने में कामयाब रहे। बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने आगे कहा, 'आजम खान अब गुजरा हुआ कल है छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी नए दौर में लिखेंगे हम मिलकर नई कहानी हम हिंदुस्तानी।'

सजा के बाद भी सलाखों के पीछे नहीं रहेंगे तीन दोषी, गांव में सुधारना होगा व्यवहार

न्यायालय के आदेश पर रिहाई

आगरा, 14 मई (एजेंसियां)। मारपीट के मामले में दोषी तीन लोगों जेल की जगह गांव में रहेंगे। इस दौरान उन्हें लोगों से अपना व्यवहार अच्छा रखना होगा। उनके सदाचार पर नजर रहेगी। फतेहपुर सीकरी निवासी बाबू, प्रीतम और प्रमोद को न्यायालय ने दोषी पाने के बाद परिवीक्षा अधिनियम का लाभ देते हुए रिहाई के आदेश दिए। परिवीक्षा पर रिहा एक दोषी बाबू सिंह की उम्र 80 वर्ष है। घटना 24 अक्टूबर 1998 की है। गांव औलेंडा निवासी भगवान सिंह ने अभियोग दर्ज कराया था। भगवान सिंह ने आरोप लगाया था कि उसके छोटे भाई जगन सिंह के खेत में बाबू, प्रीतम और प्रमोद साझीदार थे। खेत में 150 मन बाजरा की फसल हुई थी। आरोपित फसल को उठा कर अपने घर ले गए। आरोपितों द्वारा खेत को जोता भी नहीं गया। इससे सरसों, चना आदि की बुवाई में देरी हुई। 24 अक्टूबर 1998 को आरोपितों के पड़ोसी को ट्रैक्टर से खेत जोत रहे थे। आरोपित उन पर अपना भी खेत जोतने का दबाव बनाने लगा। मना करने पर ईंट-पत्थर से वादी के भाई के भाई का सिर फोड़ दिया। पुलिस ने विवेचना के बाद बाबू, प्रमोद और प्रीतम के विरुद्ध धारा 323 और 324 के तहत आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया था। इसी मामले में संबंधित हत्या प्रयास और एससी/एसटी का क्रास केस होने के कारण उक्त पत्रावली भी इस न्यायालय के सुपुर्द की गई थी।

गुरुग्राम में वाइन शॉप में लगी भीषण आग, पांच करोड से ज्यादा की शराब जली

गुरुग्राम, 14 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में गोल्फ कोर्स रोड के पास एक शराब की दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगने की सूचना पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार, गुरुग्राम के सेक्टर 55 स्थित वाइन शॉप में रविवार की सुबह पांच बजे का आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियों मौके पर पहुंची। दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। आग लगने की वजह का खुलासा नहीं हो पाया है। लेकिन आग से करीब 5 करोड़ से ज्यादा की शराब जल गई।

त्रिपुरा की आदिवासी महिला की मत्स्य पालन से बदली जिंदगी

अगरतला, 14 मई (एजेंसियां)। त्रिपुरा में गोमती जिले के वन क्षेत्रों में रह रहे लोगों के लिए आजीविका के मौके सृजित करने और राज्य में मछली पालन को बढ़ाने के लिए बांध के जरिए एक बड़ा जलाशय बनाया गया, जिसके बाद 45 वर्षीय जामिनीसारी मोलसोम की जिंदगी बदल गई। आदिवासी महिला मोलसोम पहले जिले में पहाड़ियों की ढलानों पर खेती करती थीं और अब पहाड़ियों की तलहटी में स्थित एक गांव में बस गई हैं और नव निर्मित जलाशय में मछली पकड़कर अपने पांच सदस्यीय परिवार का गुजर-बसर कर रही हैं। वन विभाग की त्रिपुरा जेआईसीए परियोजना के तहत आने वाली वन भूमि में एक हेक्टेयर से अधिक भूमि का बड़ा जलाशय बनाया गया है। इसका मकसद मुख्य रूप से वनों में रहने वाले आदिवासी लोगों के लिए आजीविका के मौके सृजित करना और वैज्ञानिक तरीके से मत्स्य पालन कर मछली उत्पादन को बढ़ाना है। मोलसोम ने कहा कि वैकल्पिक आजीविका मिलने के बाद उनके परिवार को एक व्यवस्थित जीवन मिला है और उन्होंने 'झूमिया' किसान (स्थानांतरित खेती करने वाले) के तौर पर खानाबदोश जीवन को छोड़ दिया है।

सोनीपत में संदिग्ध हालात में युवती की मौत

परिजनों ने दफनाया शव; हत्या के शक में पुलिस ने कब्र से निकलवाकर अस्पताल भेजा

सोनीपत, 14 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत में संदिग्ध हालात में युवती की मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने मौत के बाद उसके शव को दफना दिया। गांव के लोगों ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को शिकायत दी। जिसके बाद पुलिस टीम ने कब्र से मृतका के शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया। मामला मुरथल थाना क्षेत्र के गांव ग्यासपुरा का है। मृतका के परिजनों ने बताया कि युवती खेत से भिंडी तोड़कर लौटी थी। इसके बाद रात को ठीक-ठाक सो गई थी, लेकिन सुबह उठी नहीं। युवती की मौत को सामान्य मानते हुए परिजनों ने उसको दफना दिया था। बाद में किसी ग्रामीण ने पुलिस को सूचना दे दी कि युवती की हत्या करके शव दफनाया गया है। इसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मनीषा के शव को कब्र खोदकर बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल सोनीपत भेजा। पोस्टमार्टम की रिपोर्ट में ही युवती की मौत के कारणों का खुलासा होगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बालंद के पास नहर से मिला महिला और डेढ़ साल के मासूम का शव, हत्या या आत्महत्या। जांच में जुटी पुलिस

रोहतक, 14 मई (एजेंसियां)। रोहतक के गांव बालंद के पास भालौठ ब्रांच में एक 25 वर्षीय महिला और डेढ़ साल के बच्चे का शव मिला है। महिला ने नहर में कूदकर आत्महत्या की है या किसी ने उसकी हत्या की है यह पोस्टमार्टम के बाद ही पता लग सकेगा। फिलहाल शिवाजी कालोनी थाना पुलिस जांच कर रही है। रविवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस को सूचना मिली कि बालंद गांव के नजदीक हेड के पास एक महिला व बच्चे का शव उतरा रहा है। पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शव नहर से निकाल कर पटरी पर रखे गए। मृतका ने नीले रंग का सूट पहन रखा है। हाथों में कड़े व पैरों पर नेल पॉलिश लगी है। बच्चे ने सफेद रंग की टीशर्ट व पजामी पहन रखी है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देशराज ने बताया कि मामला पारिवारिक कलह के चलते आत्महत्या का लग रहा है। पक्के तौर पर मृतका की शिनाख्त व पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों से पर्दा उठ सकेगा।

आतंकी हिंदू लड़कियों को कन्वर्ट कर मुस्लिम बना रहे

सीएम बोले- एमपी में केरल स्टोरी नहीं बनने देंगे

भोपाल, 14 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एटीएस द्वारा पकड़े गए हिज्ब-उर-तहरीर (एचयूटी) आतंकी संगठन हिंदू लड़कियों को अपने जाल में फंसा कर मुस्लिम बनाने के पैटर्न पर काम कर रहा था। इसका खुलासा आतंकियों से पूछताछ में हुआ है। इस मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम मध्यप्रदेश को केरल स्टोरी नहीं बनने देंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि मध्यप्रदेश की धरती पर आतंक की कोई जगह नहीं है। हमने पहले भी सिमी के नेटवर्क को ध्वस्त किया है। चंबल से डकैतों के आतंक को समाप्त किया है। नक्सलवाद छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की सीमा तक सीमित रह गया है। सीएम ने कहा कि पिछले साल ही आपकी जानकारी में है कि 8 नक्सलवादी मुठभेड़ में ढेर किए गए। लेकिन मुझे जैसे ही जानकारी मिली आतंकी संगठन, कट्टरपंथी, इस्लामिक संगठन हिज्ब - उत - तहरीर प्रदेश में सक्रिय हो रहा है। हमारे प्रदेश में तहरीर सक्रिय हो रहा है। हमारे एटीएस ने तुरंत कार्रवाई प्रारंभ की। एटीएस को निर्देश भी दिए ऐसे गतिविधियां किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इन्हें जड़ से समाप्त करना है। इनका नेटवर्क ऐसा है, जो कई लोगों की जिंदगी भी तबाह करता है। इनका जो पैटर्न है पहले धर्मांतरण करो, धर्मांतरण करके और फिर बेटी से शादी करके उसे भी धर्मांतरित करो और उसके बाद उसे आतंवाद के दलदल में धकेल दो। मध्य प्रदेश को किसी भी कीमत पर हम केरल स्टोरी नहीं बनने देंगे। सीएम ने कहा कि लव - जिहाद, धर्मांतरण यह कुचक्र नहीं चलेगा। मध्यप्रदेश की एटीएस की टीम और केंद्रीय एजेंसियों ने संयुक्त रूप से 10 ऐसे लोग भोपाल से पकड़े, एक छिंदवाड़ा से पकड़ा सभी पुलिस रिमांड पर हैं। उनसे पूछताछ जारी है। 6 आतंकी हैदराबाद से तेलंगाना पुलिस ने गिरफ्तार किया एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है। सीएम ने कहा कि इनमें भोपाल से हिंदू से धर्मांतरित होकर गया हुआ एक शख्स भी शामिल है। इन सब के तार हिज्ब - उत - तहरीर से जुड़े हुए हैं। जो कट्टरपंथी संगठन है। इनसे पूछताछ में पता चला है कि रायसेन से सटे जंगल में ट्रेनिंग कैंप लगाते थे। समाज में घुलने मिलने के लिए इनमें से कोई ट्रेनर होता था। कोई कंप्यूटर टेक्निशियन होता था, कोई दर्जी, कोई ऑटो ड्राइवर इत्यादि का काम कर रहे थे। गिरफ्तार सदस्यों में से एक भोपाल के कोहेफिजा में ऑडिटोरियम ट्यूटोरियल के नाम से कोचिंग सेंटर भी चला रहा था। यह समाज की भोली -भाली बेटियों को फंसाकर शादी करना उनकी जिंदगी बर्बाद करना और धर्म परिवर्तन जैसे गैर कानूनी काम कर रहे थे। मध्य प्रदेश की धरती पर यह बर्दाश्त नहीं होगा। अभी पूछताछ जारी है इन्हें जड़ से नेस्तनाबूद करेंगे।

दिहाडी मजदूर की केरल में पीट-पीट कर हत्या, आठ गिरफ्तार

तिरुवनंतपुरम, 14 मई (एजेंसियां)। केरल के मलप्पुरम जिले के किझिसेरी में बिहार के मूल निवासी राजेश मांझी की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। उनका शव एक दुकान के पास शनिवार सुबह मिला। पुलिस ने कहा कि दैनिक वेतन भोगी के रूप में मलप्पुरम पहुंचे बिहार के मूल निवासी की मॉब लिंचिंग से मौत हुई है। मलप्पुरम जिले के पुलिस अधीक्षक सुजीत दास ने रविवार को मीडियाकर्मियों से कहा कि यह मॉब लिंचिंग का स्पष्ट मामला है और पुलिस ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि संदिग्धों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने राजेश को शनिवार तड़के एक व्यक्ति के आवास के पास संदिग्ध परिस्थितियों में पाया था। स्थानीय लोगों ने उसे पकड़ लिया और उससे पूछताछ की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि लोगों ने राजेश मांजी पर हमला करने के लिए लोहे की छड़ों, लकड़ी के लट्ठों का इस्तेमाल किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी उसे घसीट कर एक कमरे में ले गए। कुछ देर बाद एक आरोपी ने एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता को सूचित किया। मौके पर पहुंचे कार्यकर्ता राजेश मांझी को अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने जांच में पाया कि आठों आरोपी मांझी को पीटने में शामिल थे। मांझी के हाथ बंधे हुए थे और उन पर हमला किया गया था। पुलिस ने आठ लोगों की गिरफ्तारी दर्ज की है और एक व्यक्ति से पूछताछ कर रही है, जिसने कथित तौर पर सबूत मिटा दिए हैं, इसमें स्थानीय सीसीटीवी कैमरा भी शामिल है, साथ ही आरोपियों के फोन से संदेश भी हटा दिए हैं।

'अभिषेक बनर्जी का गिरफ्तार होना केवल कुछ समय की बात', सुकांत मजूमदार का बड़ा बयान

कोलकाता, 14 मई (एजेंसियां)। तृणमूल के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की गिरफ्तारी कुछ ही समय की बात है। ऐसा दावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हुगली जिले सिंगूर में संगठनात्मक बैठक के दौरान किया। तृणमूल के राज्य सचिव और प्रवक्ता कुणाल घोष ने बालुरघाट से भाजपा सांसद की ऐसी टिप्पणी के खिलाफ विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी का नाम लेते हुए पलटवार किया। उन्होंने दावा किया, "भाजपा की साजिश यहां से स्पष्ट है।" सुकांत मजूमदार ने रविवार को सिंगुर में एक संगठनात्मक बैठक के बाद कहा, "वह भाजपा की नकल करने की कोशिश कर रहे हैं।" वह बीजेपी की तरह सांगठनिक ढांचा खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं।" सुकांत मजूमदार ने सिंगूर में कहा, "हम सब जानते हैं कि वे रात को तंबू लगाकर किससे मिल रहे हैं। हमारे पास सभी खबरें आ रही हैं, लेकिन वह इस तरह नहीं बच नहीं सकते हैं। अगर उन्हें लगता है कि उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और विभिन्न लोग उनके लिए सड़कों पर उतरेंगे, तो राज्य में कानून व्यवस्था अराजक हो जाएगी, ऐसा नहीं हो रहा है।" उन्होंने कहा," उनकी गिरफ्तारी केवल कुछ समय की बात है। जिस

तरह से मीडिया कहता है कि उसकी पत्नी के खाते में पैसा गया। थाइलैंड से अकाउंट में पैसा आया। उसके खाते से फिर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।"

अभिषेक बनर्जी की गिरफ्तारी केवल समय की बात-सुकांत मजूमदार

कल जमालपुर में अभिषेक बनर्जीने कहा था कि अन्याय हुआ तो किसी को छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने पार्टी के महासचिव को बर्खास्त करने में दो बार नहीं सोचा था। उन्होंने कहा कि क्या आप लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं? लोग समझेंगे कि अभिषेक बनर्जी लोगों को क्या कहते हैं। वहां पार्थ चटर्जी ने इतने लोगों को नौकरी दी और रिश्वत लेकर इतने करोड़ रुपये के मालिक बन गए। ममता बनर्जी को यह नहीं पता था। यह मानना ही होगा। ममता बनर्जी ने यहां बीजेपी को वोट नहीं देने की बात कही और कर्नाटक की जनता ने सुना कि ममता बनर्जी इतनी बड़ी नेता नहीं हैं। तब वे वोट के लिए प्रचार करने कर्नाटक जा सकते थी। उन्होंने ऐसा क्यों नहीं किया? बीजेपी जीत जाती, क्योंकि ममता बनर्जी को देखते ही लोग बीजेपी को वोट देते थे। उन्होंने जो कहा उसकी कोई प्रासंगिकता नहीं है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा करेगी 300 पार

उन्होंने कहा कि अगर कर्नाटक में लोकसभा चुनाव होते हैं तो इसके विपरीत परिणाम होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि देश की जनता मोदी जी पर भरोसा करती है। लोग हाथ उठाकर मोदी जी को आशीर्वाद देंगे और इस बार हम 300 पार करेंगे। सुकांत मजूमदार की टिप्पणियों के बाद कुणाल घोष ने कहा, "जो लोग शुभेंदु के साथ घूमते हैं, जो सीबीआई में सूचीबद्ध हैं, उन्हें ये शब्द पसंद नहीं हैं।" तृणमूल नेता ने कहा, "शुभेंदु अधिकारी को सुकांत मजूमदार की पार्टी ने चोर कहा था। वीडियो दिखाया गया। क्या केंद्रीय एजेंसीजिसे वे यहां से बता रहे हैं, उसे पकड़ेगी।

अमृतसर धमाकों के आरोपी आजादवीर सिंह का तस्करों के साथ कनेक्शन, कॉल डिटेल खंगाल रही पुलिस

अमृतसर, 14 मई (एजेंसियां)। अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब के पास हेरिटेज स्ट्रीट और श्री गुरु रामदास सराय के पीछे धमाके करने का मुख्य आरोपी आजाद वीर सिंह धमाकों को अंजाम देने से पहले तरनतारन और गुरदासपुर में रहा था। पुलिस को संदेह है कि आरोपी ने इस दौरान भारत-पाक सीमांत गांवों के तस्करों के साथ संपर्क किया है। लेकिन पुलिस को अभी इस बाबत कोई सबूत हाथ नहीं लगे। अब पुलिस आरोपी आजाद वीर सिंह और अमरीक सिंह के पिछले समय के लिंक तलाशने में जुटी है। इसके लिए पुलिस ने इनके मोबाइल डिटेल्स और टावर लोकेशंस को लेकर पिछले तीन माह की जानकारी संबंधित मोबाइल कंपनियों से मांगी है। इससे पुलिस को पता चल जाएगा कि आरोपी ने किस-किस के साथ संपर्क किया और इस दौरान वह कहां-कहां मौजूद रहा। पुलिस को संदेह है कि आजाद वीर सिंह और अमरीक सिंह के सीमांत गांवों के पुराने तस्करों के साथ संबंध कायम किए ताकि सीमा पार तस्करों के जरिए हथियारों और नशे के कारोबार के साथ जुड़ सके।

कर्नाटक में बीजेपी की हार पर बोले पहलवान: कुश्ती संघ के अध्यक्ष को हटाया जाए

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव परिणाम आने आने के बाद दिल्ली के जंतर मंतर पर पिछले कई दिनों से धरने पर बैठे पहलवानों ने बीजेपी पर हमले तेज कर दिए हैं। पहलवानों का कहना है कि हमने तो सरकार से कई बार मांग की है कि बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करो और डब्ल्यूएफआई पर जिन्होंने कब्जा किया है, उसे हटाया जाए। भारतीय कुश्ती संघ की जिम्मेदारी ऐसे व्यक्ति को दिया जाए जिससे बेटियां सुरक्षित महसूस कर सके। पहलवानों का कहना है कि हम तो शुरू से कह रहे हैं की कुश्ती का नुकसान नहीं होना चाहिए। आईओए अपनी देखरेख में ट्रायल करा लें। पहलवानों की कंपीटिशन लगातार जारी रहने चाहिए। आईओए ने पदाधिकारियों को हटाया है, ये अच्छा कदम है। हम लोग इसका समर्थन करते हैं। डब्ल्यूएफआई में बृजभूषण शरण सिंह के आदमियों का जो कब्जा है वह खत्म होना चाहिए। इस मामले में सरकार को बीच का रास्ता निकालने के लिए हमारे जो बड़े हैं, उनसे बातचीत करने की जरूरत है। खाप पंचायत के लोगों के साथ बात करनी चाहिए। बेटियों के साथ जो अन्याय हुआ है उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो। राजनीतिक पार्टियां यहां वोट मांगने नहीं आ रही है। हमारी जो मांग है उसी का समर्थन करने आ रहे हैं। हमें सलाह नहीं देते हैं। हम शुरू से कह रहे हैं कि सत्तारूढ़ पार्टी के लोगों को भी आना चाहिए। इस मामले पर राजनीति होनी ही नहीं चाहिए। हम किसी पार्टी को सपोर्ट नहीं करते। किसी राजनीतिक पार्टी से हमारे लेना देना नहीं है। हम लोग धरने पर तब तक बैठेंगे, जब तक फैसला नहीं हो जाता। हम आर-पार करने के मूड में हैं। जब बृजभूषण पर पॉक्सो एक्ट लग गया तो फिर उसकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हो रही है। पहलवानों को राजनीति से अलग रहना चाहिए। कर्नाटक में कौन जीता, कौन हारा हमें उस से मतलब नहीं है। हमें अपने गेम से मतलब है और उसमें अगर भ्रष्टाचार होता है तो हम उसके खिलाफ रहेंगे।

बंगाल में दर्दनाक हादसा, हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 4 की मौत पर हंगामा

कोलकाता, 14 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में दो अलग-अलग घटनाओं में बिजली का तार की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया है। पहली घटना में बीरभूम जिले के सदाईपुर के तुलकलम बधाल में 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आने से दो मजदूरों की मौत हो गई है। इसे लेकर इलाके में बहुत ही हंगामा मचा हुआ है। दूसरी घटना, कोलकाता के इकबालपुर में करंट लगने से मां और बेटी की मौत हो गई है और दामाद गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोप है कि बीरभूम के रंगुनिग्राम में धान के खेत में करंट लगने से दो मजदूरों की मौत हो गई। रहवासियों ने शव को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग पर भी रोष जताया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कृषि भूमि पर 11 हजार वोल्ट का बिजली का तार लटका हुआ है। इसी का नतीजा है कि आज उन दोनों मजदूरों का दुखद अंत हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह दो मजदूर धान काटने की मशीन लेकर धान से जा रहे थे। 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन थी। मृतकों के नाम विष्णु तंवर (22) और विकास तंवर (24) हैं। मौत की खबर मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर जमा हो गए। खबर पाकर जब सदईपुर थाने के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे तो आक्रोशित भीड़ ने उन्हें इलाके से खदेड़ दिया। रहवासियों का दावा है कि जब तक बिजली विभाग के अधिकारी नहीं आएंगे तब तक दोनों शवों को नहीं छोड़ा जाएगा। रंगुनी गांव के एक निवासी ने कहा, "दो मजदूरों की धान काटने वाली मशीन बिजली के तार से टकरा गई। कार चालक को यह बात समझ नहीं आई। मशीन के छूते ही करंट लगने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, पुलिस आई, लेकिन जब तक बिजली विभाग के लोग नहीं आएंगे तब तक शव नहीं छोड़ा जाएगा।

मां बनी देवदूत: संतान की जिंदगी पर आई आंच तो मां ने अपना अंग देकर बचाई जान

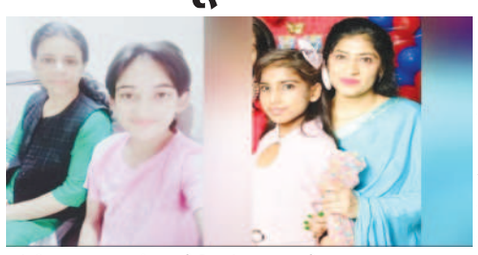

चंडीगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। उसको जब भी देखती हूं मेरी मन्नत पूरी हो जाती है, उसमें, उससे, उस पर ही मेरी दुनिया पूरी हो जाती है। यह चंद लाइनें बच्चों की जिंदगी में उनकी मां के महत्व को बयां करने के लिए काफी हैं। बच्चों को दुनिया में लाने के साथ ही उन पर आने वाले हर एक मुसीबत के सामने ढाल बनकर खड़ी होने वाली मां यह कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती कि उसकी आंखों के सामने उसका बच्चा हर पल मौत के करीब जाए। इसके लिए भले ही उसे अपने जीवन का बलिदान देना पड़े, लेकिन वे अपने बच्चे की जिंदगी बचाने के लिए हर हद को पार करने के लिए तैयार रहती है। इस मदर्स डे ऐसे ही माताओं की कहानी हम पेश कर रहे हैं जिन्होंने अपनी बच्चे की जिंदगी पर आंच आने पर अपने जीवन की परवाह किए बिना अंग का दान कर मिसाल कायम की है। अपनी माताओं के अंगों को पाकर दूसरा जीवन मिलने पर वे बच्चे अपनी मां में ईश्वर की प्रतिमूर्ति को देखते हैं। उनका कहना है कि उसको नहीं देखा हमने कभी पर इसकी जरूरत क्या होगी, ए मां तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। मोहाली निवासी 42 वर्षीय अंजू को 2020 में पता चला कि उनकी बेटी अक्षरा की दोनों किडनी खराब हो चुकी है। 19 साल की बेटी के जिंदगी में अचानक आए इस तूफान ने जैसे अंजू को तोड़कर रख दिया। लेकिन मां होने के नाते उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। बीमारी का पता चलते ही बिना कुछ सोचे अंजू ने तय कर लिया कि वह अपनी बेटी की जान बचाने के लिए अपनी किडनी उसे देंगी। कोविड-19 के कारण दो साल तक किडनी प्रत्यारोपण नहीं हो पाया। इस दौरान इलाज के लिए अंजू और उनके पति अमित कुमार देश के अलग-अलग कोनों में अक्षरा को लेकर गए। लेकिन सफलता नहीं मिली। अंत में किडनी ट्रांसप्लांट करा चुके ऋषि ने उन्हें पीजीआई के बारे में बताया। उनकी मदद से वे पीजीआई के नेफ्रोलॉजी विभाग में पहुंचे। वहां डॉ। एचएस कोहली की देखरेख में उनकी टीम ने अंजू की किडनी को अक्षरा में प्रत्यारोपित किया। किडनी प्रत्यारोपण 2022 अगस्त में हुआ। अब अंजू और अक्षरा बिल्कुल ठीक हैं। भावुक अक्षरा ने कहा कि मेरी मां ने मुझे एक नहीं दो जन्म दिया है। एक बार इस दुनिया में लाकर और दूसरी बार किडनी खोने पर अपनी किडनी दान कर।

शिमला निवासी शिक्षा बोलीं- किडनी बचाकर क्या करती, जब बेटी को ही नहीं बचा पाती

मेरे लिए बेटी को तील-तील कर मरना देखना किसी सजा से कम नहीं था। यह कहना है शिमला निवासी शिक्षा का, जिनकी बेटी स्वाति बचपन से ही किडनी के मर्ज से ग्रस्त थी। लेकिन दो साल पहले अचानक स्थिति खराब हुई तो जिंदगी बचाने के लिए पीजीआई के डॉक्टरों ने किडनी प्रत्यारोपण करने का एकमात्र विकल्प बताया। जिस पर शिक्षा ने बिना कुछ सोचे अपनी एक किडनी बेटी को देने का निर्णय लिया। ऐसा तथा जब शिक्षा के कंधों पर अपनी दूसरी बेटी की भी जिम्मेदारी थी। स्वाति के पिता हार्ट अटैक के कारण बचपन में ही दुनिया छोड़ चुके थे। ऐसे में अपने दम पर दोनों बेटियों को पालने वाली शिक्षा के लिए अंगदान का निर्णय लेना आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अपनी बेटी की जिंदगी बचाने के लिए किडनी देने में एक पल की भी देरी नहीं लगाई। शिक्षा का कहना है कि किडनी बचाकर मैं क्या करती, जब अपनी बेटी को ही नहीं बचा पाती। एक-एक किडनी के बल पर हम दोनों जी सकते हैं।

धौलाकुआं में अवैध झुग्गियों पर चला बुलडोजर, सैकड़ों लोग हुए बेघर; खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में एक बार फिर दिल्ली सरकार का बुलडोजर चला है। सुबह-सुबह जब धौलाकुआं की अवैध झुग्गियों में सैकड़ों परिवार सो रहे थे, तभी अचानक पीडब्ल्यूडी के बुलडोजर पहुंचे और सैकड़ों झुग्गियों को तोड़ दिया। इस दौरान मौके पर पीडब्ल्यूडी के अधिकारी और बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी की सरकार और केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार दोनों ने ये वादा किया था कि जहां झुग्गी, वहीं मकान। दिल्ली सरकार ने तो हजारों झुग्गी वालों को चुनाव के समय एक सर्टिफिकेट भी दिया था, लेकिन उसके बावजूद दिल्ली में झुग्गियों को तोड़ने का सिलसिला जारी है। धौलाकुंआ में सैकड़ों झुग्गियों को तोड़ा दिया गया, जिससे सैकड़ों लोग बेघर हो गए। ये एक सरकारी जमीन थी, जिस पर करीब 20 से 25 सालों से लोग अवैध झुग्गियां बनाकर रह रहे थे। ये सभी दिहाड़ी मजदूर या छोटे मोटे काम करके रोटी कमाने वाले गरीब लोग थे। यहां के लोगों का कहना है कि इसके पहले भी कई बार झुग्गी तोड़ने का नोटिस यहां लगाया गया था, तब मीडिया ने उस खबर को दिखाया था तो उस समय के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मीडिया से जानकारी का हवाला देते हुए पीडब्ल्यूडी को झुग्गी नहीं तोड़ने का आदेश दिया था, लेकिन सुबह-सुबह पीडब्ल्यूडी का बुलडोजर और भारी पुलिस बल के यहां पर आ गया और झुग्गियों को तोड़ना शुरू कर दिया। लोगों का कहना है कि उन्हें सामान तक झुग्गियों से बाहर निकालने का मौका नहीं दिया गया। कुछ लोग सामान निकाल पाए और कुछ सामान नहीं निकाल पाए। यहां के लोगों का कहना है कि चुनाव के समय आम आदमी पार्टी ने कहा था कि जहां झुग्गी वहीं मकान देंगे। हम लोग उन पर विश्वास कर आम आदमी पार्टी को वोट दिया और फिर से दिल्ली कि सत्ता पर बिठाया, लेकिन आज सरकार ने उन्हें मकान तो नहीं दिया, लेकिन उनके जो छोटे-छोटे आशियाने थे, उसको तोड़ दिया। डेढ़ महीने के बच्चे से लेकर नौजवान और बुजुर्ग तक अब अपनी रातों को खुले आसमान के नीचे गुजारने के लिए मजबूर हैं। जलती दोपहरी में बच्चे पेड़ के नीचे सोने के लिए मजबूर हैं। बेघर हुए लोगों का कहना है कि उनके घर में कल से चूल्हा तक नहीं जला,क्योंकि सारा सामान तोड़ दिया गया। उनके पास खाना बनाने की जगह भी नहीं और बच्चे भूखे हैं। डेढ़ महीने के बच्चों को पेड़ के नीचे सुलाती उनकी मां परेशान हैं कि उनके बच्चे इस जलती धूप से कैसे बचेंगे। लोगों का कहना है कि पक्के मकान देने का वादा कर वोट ले लिए और अब उन्हें सड़क पर ले आए, वह कहां जाएंगे। झुग्गियां तोड़ने के बाद सामने के पार्क में इन्होंने अपना बचा हुआ सामान रखा और पेड़ों की छांव में छोटे बच्चों को सुलाया। इन लोगों के मन में काफी गुस्सा है, तकलीफ है, आंख में आंसू हैं और उम्मीद है कि कोई उनकी मदद को आगे आए। यहां झुग्गी में रहने वाले लोग दिहाड़ी मजदूर हैं और रोजाना कमाकर ही पेट पालते हैं। ऐसे मे ये लोग रोजी-रोटी के लिए सोचें या फिर आशियाने के लिए। ये इनके सामने सबसे बड़ी मुश्किल है।

दिल्ली: रोहिणी के नाले से 19 साल की लड़की का शव मिलने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रोहिणी से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां के अमन विहार थाना क्षेत्र में एक नाले से 19 साल की लड़की का शव बरामद किया गया है। इस लड़की की 3-4 दिन पहले गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच चल रही है। ये जानकारी दिल्ली पुलिस ने दी है। दिल्ली में बीते हफ्ते ही दिल्ली में एक महिला का कंकाल मिला था।

दिल्ली के द्वारका के बाबा हरिदास नगर में महिला का कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया था। पुलिस सूत्रों की मानें तो महिला के शरीर पर सर्दियों के कपड़ों के कुछ टुकड़े मिले थे, जिससे संकेत मिला था कि उसकी मौत काफी पहले हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक, रविवार सुबह करीब 11 बजे पीसीआर को कंकाल के संबंध में कॉल आई थी। पुलिस ने बताया था, 'फोन करने वाले ने बताया कि उनके खेत में एक ड्रम में कुछ फेंका गया था, जो एक ट्यूबवेल से जुड़ा हुआ था। उसमें से बदबू आ रही है।' जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी सरकारी अस्पताल में पहुंचाया।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 15 मई- 2023

खेल महासंघों में विशाखा कानून नहीं

विश्वस्तर पर नाम कमा चुकी पहलवान लडकियां यौन उत्पीडन को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन चला रही है। जिस पर कोई सुनवाई न होने की वजह से यह मामला तूल पकडता हुआ आज पूरे देश का मामला बन गया है। अब इसी आंदोलन के बाच यह चिंताजनक खुलासा हुआ है कि तीस में से पंद्रह खेल महासंघों में व्यवस्थित आंतरिक शिकायत समिति ही नहीं है। इसमें भी कुश्ती महासंघ समेत पांच खेल महासंघों में आंतरिक शिकायत समिति गठित ही नहीं की गई है। जिन खेल संघों में समिति है उनमें कोई योग्य सदस्य ही नहीं है। कई संघों में कोई बाहरी सदस्य नहीं है। इससे कई बार कठोर निर्णय लेने में कोताही भी बरते जाने की गुंजाइश बन रहती है। इसी बात पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने खेल संघों से जवाब मांगा है। देखा जाए तो यौन उत्पीड़न कानून के तहत हर संस्थान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य माना गया है। इसे विशाखा कानून कहा जाता है। यह प्रावधान इसलिए किया गया था कि अगर किसी संस्थान में किसी महिला के यौन उत्पीड़न का प्रयास किया जाता है, तो वह उस समिति के पास अपनी शिकायत दर्ज करा सके। उस समिति को अधिकार दिए गए हैं कि वह दोषी व्यक्ति के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई कर सकता है। इस व्यवस्था की वजह से संस्थानों, निजी कंपनियों आदि में महिलाओं के साथ पुरुषों के व्यवहार में सुखद बदलाव भी देखा गया है। कई मामलों में दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई भी की जा चुकी है। यहां तक कि कइयों को अपनी नौकरी तक गंवानी पड़ी है। देखने में आ रहा है कि अपने देश में संस्थानों का स्वरूप भी अपने समाज की तरह का पुरुष प्रधान ही है, इसलिए वहां भी पुरुष मानसिकता आड़े आती है। खेल महासंघों में आंतरिक शिकायत समिति गठित न किए जाने के पीछे भी शायद यही मानसिकता काम करती देखी गई होगी। इन समितियों में संस्थान के भीतर के कुछ ऐसे कर्मचारियों को सदस्य बनाया जाता है, जो यौन उत्पीड़न को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं। उनमें भी महिला कर्मचारियों को तरजीह दी जाती है। विशाखा कानून में यह भी प्रावधान किया गया है कि आंतरिक समितियों में कुछ योग्य बाहरी लोगों को भी सदस्य बनाया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए कि संस्थानों के भीतर किसी प्रकार के पक्षपात आदि के चलते शिकायतकर्ता को अन्याय का शिकार न होना पड़े। अक्सर देखने में यही आता है कि इन नियमों का पूरी तरह पालन करना तो दूर, कई संस्थान आंतरिक समिति गठित करने की अनिवार्यता को ही नजरंदाज कर देते हैं। इसके पीछे का मकसद साफ है कि न समिति रहेगी, न कोई महिला शिकायत दर्ज कराएगी। फिर यह बात भी जगजाहिर है कि आफिस में अपने खिलाफ होने वाले दुर्व्यवहार की शिकायत लेकर महिलाएं अदालत का रुख करने से तो रहीं। वे ऐसे कदम उठाने से भी हिचकती हैं। जिन संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया भी गया है तो उनमें से बहुतों में पक्षपात की शिकायतें भी मिलती रहती हैं। वजह साफ है कि समिति में उसी संस्थान के कर्मचारी सदस्य होते हैं, इसलिए उनमें किसी एक के प्रति झुकाव स्वाभाविक है। फिर ये समितियां समझा-बुझा कर दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास करती हैं न कि दंडात्मक कार्रवाई। इस तरह मामला दबा तो दिया जाता है लेकिन ऐसी प्रवृत्ति नहीं खत्म हो पाती। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि आंतरिक शिकायत समिति होने से कर्मचारियों पर एक मनोवैज्ञानिक दबाव काम करता रहता है। अगर कुश्ती महासंघ में सशक्त आंतरिक शिकायत समिति गठित होती, तो महिला खिलाड़ियों को शायद इस तरह अपने उत्पीड़न की पीड़ा को लेकर देश की राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर सिसकना नहीं पडता। उन्हें अपने प्रति हुए दुर्व्यवहार की शिकायत लेकर सड़क पर उतरने की जरूरत ही नहीं पडती। वह समिति मामले को कानूनी ढंग से निपटाने का प्रयास करती। देखने की बात है कि खेल महासंघ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सवाल पर क्या जवाब देते और इस मसले पर कितनी गंभीरता दिखाते हैं?

कर्नाटक नतीजे क्या नई दिशा तय करेंगे?

ऋतुपर्ण दवे

कर्नाटक विधान चुनाव में कांग्रेस की बम्पर और ऐतिहासिक जीत ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि देश में लोकतंत्र न केवल मजबूत है बल्कि जनता के मूल मुद्दों से इतर ध्रुवीकरण की कोशिशों नाकाम होंगी। कांग्रेस के बहुमत की उम्मीद तो थी, लेकिन नतीजा ऐसा चौंकाने वाला आएगा ये हैरान करता है। शायद भाजपा और खुद प्रधानमंत्री मोदी भी ऐसे नतीजों से असहज हों। हर वक्त चुनावी मोड में रहने वाली भाजपा ने मोदी मैजिक को भंजाने के लिए सारे दांव-पेंच चले। सारी चुनावी बिसातें को बिछाकर एक-एक कार्यकर्ताओं को साधने की जुगत में महारत के बावजूद ऐसे नतीजों से ना उम्मीद होगी बल्कि अब आगे सतर्क भी रहेगी क्योंकि 2024 के आम चुनाव दूर नहीं हैं। निश्चित रूप से कर्नाटक का चुनाव कांग्रेस के लिए संजीवनी तो भाजपा को दूसरी बार झटका है। अपने मैजिक के आगे दूसरों के मैजिक को नकारने की गलती पर भी मंथन मजबरी होगी। इसके पहले हिमाचल प्रदेश में भी भाजपा को उम्मीद से इतर नतीजों ने हैरान किया था। वहां भी प्रधानमंत्री मोदी को प्रमुख चुनावी चेहरा बनाकर चुनावी वैतरणी में भाजपा ने गोता लगाया था। कमोवेश उससे बड़ी रणनीति बनाकर प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में बड़े-बड़े रोड शो किए और जनमानस को लुभाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। जबकि हिमाचल में कांग्रेस ने राहुल की यात्रा के बीच प्रियंका को सामने रख चुनाव लड़ा था। वहीं कर्नाटक में राहुल, प्रियंका, खरगे सहित पूरी पार्टी एकजुटता के साथ मैदान में डटी रही और भाजपा की हर बिसातों को मात दी। ऐसा लगता है कि देश की जनता को अब लोक लुभावन वायदों, जातीय और धार्मिक ध्रुवीकरण से आगे की चिन्ता होने लगी है जो ठीक भी है। कर्नाटक में जिस तरह से धर्म और जाति के आधार पर मतदाताओं की संख्या और आंकड़ों का गणित लगाया गया इससे इतर नतीजों ने बता दिया कि वहां का मतदाता अलग सोच रखता है। कर्नाटक में भाजपा के मुख्यमंत्री बदलने के फॉर्मूले से भी अलग संदेश गया जिसको शायद भाजपा नहीं समझ पाई? जब कर्नाटक की जनता वहां के मुख्य मुद्दे मंहगाई, बेरोजगारी के साथ-साथ गैस सिलेण्डर जैसे आम जरूरतों पर नफा-नुकसान को चिंतित थी तब भाजपा बजरंग बली को भांजने और लिंगायत मतदाताओं को लुभाने सक्रिय थी। जबकि कांग्रेस स्थानीय मुद्दों, मंहगाई और भ्रष्टाचार पर केन्द्रित रही।

वहां चुनाव में बजरंग बली और टीपू सुल्तान की गूंज खूब सुनाई दी। लेकिन जिस खामोशी से कर्नाटक के मतदाताओं ने नतीजे दिए उससे यही लगता है कि नेताओं से ज्यादा परिपक्व भारत का मतदाता है। सच भी है ये पब्लिक है, सब जानती है। कर्नाटक में जिस तरह से भाजपा के तमाम तुरुप पत्तों समान ढ़ह गए, कई मंत्री और दिग्गज तो हारे ही लेकिन जिन मुद्दों को चुनावी एजेण्डा बनाया गया उसे भी जनता ने नकार दिया। साल की आखिरी तिमाही में फिर विधानसभा चुनावों की सरगर्मियां बढ़ेंगी जब मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना राज्यों में चुनाव प्रक्रिया होगी। संभव है इसी समय केंद्र शाषित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भी चुनाव हो जाएं।

संसद में बहस का गिरता स्तर

रघु ठाकुर

देश का सत्ता पक्ष-प्रतिपक्ष भी आम तौर पर संविधान सभा की कल्पना के अनुकूल और बाबा साहब की परंपरा के अनुकूल भूमिका अदा नहीं कर रहा है। भले ही संविधान में यह प्रावधान किया गया हो कि संसद के दो सत्रों के मध्य 6 माह से अधिक का समय नहीं होगा। याने 06 माह में एक बार संसद का सत्र बुलाना संविधानिक अनिवार्यता है, इसलिये संसद के सत्र आमंत्रित किये जाते हैं। परन्तु क्या इन संसद के सत्रों का प्रयोग समाज के लिये कुछ उपयोगी हो पा रहा है? कई बार तो ऐसा लगता है कि सत्ता और प्रतिपक्ष के बीच में अलिखित समझौता या समझ विकसित हो गई कि सामान्य से सवाल को लेकर संसद में हंगामा हो, बहिष्कार हो, और बहिष्कार में ही संसद समाप्त हो जाये। सत्ता पक्ष के लिये जो प्रस्ताव पारित कराना अपरिहार्य है। उन्हें वह पारित कर ले और प्रतिपक्ष बहिष्कार, धरना आदि कर अपने कर्तव्य की इति श्री कर ले। बाबा साहब अम्बेडकर का विश्वास तर्क में था। उन्होंने संविधान सभा के ड्राफ्टिंग समिति के सभापति के रूप में जो भूमिका अदा की वह अनुकरणीय है और इसी प्रकार संसद सदस्य रहते हुये भी उन्होंने संसद के मंच का प्रयोग तार्किक बहस के लिये किया है। जब संविधान सभा में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के ऊपर बहस हो रही थी तो वह बहस पठनीय और लोकतांत्रिक परंपराओं व मूल्यों के लिये अनुकरणीय है। स्व. शिब्बन लाल सक्सेना जो कांग्रेस समाजवादी थे ने चुनाव आयुक्त को नियुक्त करने की प्रस्तावित प्रक्रिया और दलीय चुनाव आयुक्तों के नियुक्ति के खतरों के बारे में कहा तथा उनका समर्थन स्व. हृदय नाथ कुंजुरू ने किया तो इसका उत्तर देते हुये बाबा साहब ने स्व. शिब्बन लाल सक्सेना के तर्कों का समर्थन करते हुये चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया को सर्वोच्च न्यायालय के जज के समान बताया कि जिस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को संसद में महाभियोग के द्वारा ही हटाया जा सकता है वही सुरक्षा कवच चुनाव आयुक्त को भी है जिससे वह निष्पक्ष आचरण कर सकते हैं। इस पर स्व. शिब्बन लाल सक्सेना का तर्क था कि हटाने के भय से सुरक्षा योग्य व्यक्ति को या निष्पक्ष व्यक्ति को नियुक्त करने का माध्यम नहीं होता। अगर कोई सरकार अपने बहुमत के आधार पर किसी अयोग्य व्यक्ति को (उन्होंने तो मूर्ख शब्द का प्रयोग किया था) नियुक्त कर देगी तो सुरक्षा भी अयोग्यों को मिल जायेगी। यानि अयोग्य व्यक्ति भी नहीं हट पायेगा। इसलिये वह चाहते थे कि योग्य व निष्पक्ष व्यक्ति का ही चयन हो और उन्होंने प्रस्ताव भी किया था कि, राष्ट्रपति जी चुनाव आयोग का नाम प्रस्तावित करें। जाहिर है कि, यह नाम शासन की सिफारिश पर ही होंगे और संसद इस पर दो तिहाई बहुमत से सहमति दे तभी नियुक्ति की जाए। स्व. शिब्बन लाल जी ने तो सामान्य बहुमत को भी प्रस्तावित नहीं किया था क्योंकि उनका कहना था कि जिनकी सरकार होगी वह सामान्य बहुमत से मुहर लगा देगी। इसलिये दो तिहाई बहुमत से संसद से स्वीकृति हो या मनोनयन हो। उन्होंने यह भी कहा कि इससे सरकारों के ऊपर अन्य दलों की सहमति की लाचारी होगी और एक बेहतर प्रस्ताव सामने आयेगा। बाबा साहब ने उनके इस तर्क को स्वीकार किया और कहा कि आपकी बात सही है। यद्यपि संविधान सभा ने उस समय प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। बहस, तर्क, सत्ता और विपक्ष के लोकतांत्रिक व्यवहार की यह बहस आदर्श उदाहरण है। परन्तु आज कल प्रतिपक्ष कोई बहस नहीं कर रहा। यहां तक कि जो तर्क या जुमले बाहर के मंचों पर करते हैं वह भी संसद की चर्चा में नहीं लाते। बिहार विधानसभा ने तो और भी कमाल किया है। वहां भा.ज.पा. प्रतिपक्ष में है और जनगणना के सवाल को लेकर कुछ आपत्तियां दर्ज कराते हुये उसने पहले बहिष्कार किया फिर बहिष्कार को स्वतः त्याग कर वापिस विधान सभा में आये और वहां हनुमान चालीसा का पाठ शुरू कर दिया। व्यक्ति की किसी भी ईश्वर में या देवी देवताओं में या महापुरूषों में श्रद्धा हो सकती है और यह उसका अपना अधिकार है परन्तु क्या विधानसभा का मंच पूजा पाठ के लिये है? इतना ही नहीं चलती हुई विधानसभा के बीच में भा.ज.पा. के विधायक बेल में बैठ गये और उन्होंने अपना समानात्तर सत्र शुरू कर दिया। यह क्या सम्पूर्ण विधानसभा को और लोकतंत्र को हास्यापद बनाना नहीं है? यह घटना 17 मार्च 2023 की है। यहां भारत के सत्ता पक्ष से याने भा.ज.पा. के नेतृत्व से भी पूंछा जा सकता है कि आप संसद में तो लोकतांत्रिक मर्यादा चाहते हैं परन्तु आपकी ही पार्टी बिहार विधानसभा या अन्य सूबों में क्या उन मर्यादाओं का पालन कर रही है।मुझे याद है कि लगभग 20 वर्ष पूर्व भा.ज.पा. ने अपने अधिवेशन में सांसदों, विधायकों के लिये एक आचार संहिता स्वीकृत की थी और उसका प्रचार कर खुद को देश में एक लोकतांत्रिक और मर्यादित प्रतिपक्ष होने का ढोंग किया था। परन्तु अब देश का, सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों के चेहरे से लोकतंत्र की नकाब उतर चुकी है। भारतीय लोकतंत्र अब एक प्रकार के घात-प्रतिघात और हिंसा प्रतिहिंसा के खेल में बदल गया है। पिछले कुछ दिनों से जिस प्रकार ई.डी., सी.बी.आई. या अन्य जांच एजेंसियों का प्रयोग हो रहा है उससे इस धारणा को बल मिला है। यह ठीक है कि वे किसी भी प्रकार के अपराध आर्थिक या गैर आर्थिक की निष्पक्ष जांच करें व तुरन्त कार्यवाही करें। परन्तु अनुभव यही है कि जिस प्रकार कांग्रेस सरकार के जमाने में यह जांच एजेंसियां तत्कालीन सत्ता के इशारे पर नाचती थी अब वर्तमान सत्ता के इशारे पर नाच रही है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार सी.बी.आई. को तोता कहा था जो सत्ता का कहा हुआ दोहराता है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय की इस टिप्पणी को मैं अपूर्ण मानता हूँ क्योंकि तोता तो वह दोहराता है जो उसे सुनाया व सिखाया जाता है परन्तु जांच एजेंसियां तो मालिक के शब्दों के निकले बिना ही उनकी नीयत व इशारे को समझती है एवं उनके अनुकूल चलना शुरू कर देती है? यानि यहाँ स्थिति तोते से भी खराब है। इस स्थिति को और बल मिलता है जब सत्ता पक्ष के दो शीर्ष नेताओं के बयानों से हिंसा या आक्रामक (शारीरिक नहीं वरन अन्य प्रकार के) बयानात आते हैं। कुछ दिनों पूर्व अमित शाह ने कहा कि जब वह गुजरात के ग्रह मंत्री थे तो उनके ऊपर दबाव डाला गया था कि वह तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ बोले और उन्हें फंसायें। उन्होंने यद्यपि यह नहीं कहा पर जो कहा उसके दो निष्कर्ष है एक चूंकि उन्होंने तत्कालीन जांच एजेंसी के दबाव में आकर अपने मुख्यमंत्री के खिलाफ नहीं बोला। इस बफादारी का इनाम उन्हें पहले भा.ज.पा. के अध्यक्ष व बाद में देश के गृहमंत्री के रूप में मिला और दूसरा यह कि उनके साथ हुआ वह वैसा ही कर रहे हैं मेरी राय में यह दोनों ही लोकतंत्र के लिये घातक और नकारात्मक प्रवृत्तियां या विचार है। दूसरी घटना यह है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने सी.बी.आई. के राष्ट्रीय सम्मेलन में कहा कि लोग खूब कार्यवाही करें जमकर करें। जाहिर है कि उनका इशारा प्रतिपक्षीय नेताओं की तरफ है। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि प्रतिपक्षीय नेता सभी दूध के धुले या वेदाग है। निसंदेह दागदारों के खिलाफ कार्यवाही होना चाहिये परन्तु कितना अच्छा होता कि प्रधानमंत्री जी यह कहते है कि कोई भी अपराधी हो, किसी भी दल का हो कितने ही बड़े पद पर हो चाहे मेरे खुद के दल का हो आप सभी के विरूद्ध तत्परता के साथ कार्यवाही करें ताकि देश में भ्रष्टाचार व अपराध मिट सकें। परन्तु उन्होंने तो एक प्रकार से अपने पक्ष को बचाकर प्रतिपक्ष की ओर जांच एजेंसी की तोपें मोड़ दी। भविष्य में इसके क्या परिणाम होंगे यह भविष्य के गर्भ में है परन्तु कुछ चिंतायें उभरती है। एक कहीं जांच एजेंसियां देश में प्रतिपक्ष को समाप्त करने की अलिखित कार्यवाही का माध्यम तो नहीं बन जायेगी। दूसरा-भयभीत भारत क्या लोकतंत्र का कब्रिस्तान तो नहीं बन जायेगा। तीसरा- क्या देश में अभिव्यक्ति व विरोध के मुंह पर तालाबंदी, इस अलिखित, अघोषित प्रतिबंध जो एक प्रकार से भयादोहन होगा की प्रतिक्रिया के स्वरूप देश में हिंसा की राजनीति को जन्म तो नहीं देगा? चौथा - मान लें कि कल कोई राजनीतिक बदलाव हुआ तो क्या वह सरकार दमन हिंसा और अलोकतांत्रिक परिपाटी का प्रयोग और अधिक नहीं करेगी।

बचाओ - बचाओ भेड़िया आया !

विनीत नारायण

भारत की सनातन वैदिक संस्कृति अनेक अर्थों में विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है। क्योंकि ये व्यक्ति, पर्यावरण व समाज के बीच संतुलन पर आधारित जीवन मूल्यों की स्थापना करती है। भारत विश्व गुरु था इसके तमाम ऐतिहासिक प्रमाण हैं जिन्हें हज़ारों वर्षों से भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों ने अपने लेखन में उल्लेख किया है। विसंगतियां भी हर समाज में होती हैं। भारत इसका अपवाद नहीं है। यह भी सही है कि अंग्रेज इतिहासकारों और आज़ादी के बाद वामपंथी इतिहासकारों ने ऐतिहासिक तथ्यों को अपनी विचारधारा के अनुरूप तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। इसलिए सनातनी मानसिकता के लोगों के मन में ये बात हमेशा से बैठी रही कि उनके इतिहास के साथ न्याय नहीं हुआ। अचानक 2014 से ये दबी भावनाएँ अब मुखर हो गईं हैं। अपने धर्म, संस्कृति और इतिहास की श्रेष्ठता को बताना और स्थापित करने में कोई बुराई नहीं है। ये किया ही जाना चाहिए। पर ऐसा करते समय उत्साह के अतिरेक में अगर हम तथ्यों से छेड़छाड़ करेंगे, अपने विपक्षियों के ऊपर हमला करते समय उनकी उपलब्धियों को वैसे ही छिपाएँगे जैसे वे करते आए हैं और उन पर झूठे आरोप मढ़ कर या उन्हें बदनाम करने की दृष्टि से उन पर हमला करेंगे, तो हमारी ये क़वायद सफल नहीं होगी। हम उपहास के पात्र बनेंगे। हमारे दावों की पुष्टि न हो पाने पर हम झूठे सिद्ध हो जाएँगे और फिर हमारी सही बात भी ग़लत कही जाएगी। आज के दौर में सूचना तकनीकी का इतना विस्तार हो गया है कि दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति किसी भी दावे की वैधता को क्षणों में चुनौती दे सकता है, अगर वो दावा सत्य नहीं है। ट्विटर पर पोस्टों को खंगालते समय मेरी निगाह 'सनातनी पूर्णिमा' की इस पोस्ट पर अटक गई, जिसमें लिखा था, वियतनाम विश्व का एक छोटा सा देश है जिसने अमेरिका जैसे बड़े बलशाली देश को झुका दिया। लगभग बीस वर्षों तक चले युद्ध में अमेरिका पराजित हुआ। अमेरिका पर विजय के बाद वियतनाम के राष्ट्राध्यक्ष से एक पत्रकार ने एक सवाल पूछा... आप युद्ध कैसे जीते या अमेरिका को कैसे झुका दिया? उत्तर सुनकर आप हैरान रह जायेंगे और आपका सीना भी गर्व से भर जायेगा। उत्तर था, "सभी देशों में सबसे शक्ति शाली देश अमेरिका को हराने के लिए मैंने एक महान व श्रेष्ठ भारतीय राजा का चरित्र पढ़ा और उस जीवनी से मिली प्रेरणा व युद्धनीति का प्रयोग कर हमने सरलता से विजय प्राप्त की"। आगे पत्रकार ने पूछा, कौन थे वो महान राजा? वियतनाम के राष्ट्राध्यक्ष ने खड़े होकर जवाब दिया, "वो थे भारत के राजस्थान में मेवाड़ के महाराजा महाराणा प्रताप सिंह" (ये सिंह कबसे जुड़ गया?)। महाराणा प्रताप का नाम लेते समय उनकी आँखों में एक वीरता भरी चमक थी, आगे उन्होंने कहा, "अगर ऐसे राजा ने हमारे देश में जन्म लिया होता तो हमने सारे विश्व पर राज किया होता।" कुछ वर्षों के बाद उस राष्ट्राध्यक्ष की मृत्यु हुई तो जानिए उसने अपनी समाधि पर क्या लिखवाया, "यह महाराणा प्रताप के एक शिष्य की समाधि है"। कालांतर में वियतनाम के विदेशमंत्री भारत के दौरे पर आए थे। पूर्व नियोजित कार्य क्रमानुसार उन्हें पहले लाल किला व बाद में गांधीजी की समाधि दिखलाई गई। ये सब दिखलाते हुए उन्होंने पूछा "मेवाड़ के महाराजा महाराणा प्रताप की समाधि कहाँ है?" तब भारत सरकार के अधिकारी चकित रह गए, और उन्होंने वहाँ उदयपुर का उल्लेख किया। वियतनाम के विदेशमंत्री उदयपुर गये, वहाँ उन्होंने महाराणा प्रताप की समाधि के दर्शन किये। समाधि के दर्शन करने के बाद उन्होंने समाधि के पास की मिट्टी उठाई और उसे अपने बैग में भर लिया। इस पर पत्रकार ने मिट्टी रखने का कारण पूछा। उन विदेशमंत्री महोदय ने कहा "ये मिट्टी शूरवीरों की है इस मिट्टी में एक महान् राजा ने जन्म लिया ये मिट्टी मैं अपने देश की मिट्टी में मिला दूंगा ताकि मेरे देश में भी ऐसे ही वीर पैदा हों। मेरा यह राजा केवल भारत का गर्व न होकर सम्पूर्ण विश्व का गर्व होना चाहिए"। इस पोस्ट को पढ़ कर उत्साही लोगों ने बढ़-चढ़ कर हर्ष और गर्व अभिव्यक्त करना शुरू कर दिया। उत्सुकतावश मैंने भी गूगल पर जा कर जब खोज की तो पता चला कि जो सूचना दी गयी है उसमें वियतनाम के ऐसे किसी राष्ट्रपति का ज़िक्र नहीं है जो महाराणा प्रताप से प्रेरित रहा हो या उनका विदेश मंत्री उदयपुर गया हो। तब मैंने इस दावे के प्रमाण की माँग करते हुए अपनी प्रतिक्रिया लिखी। कुछ और खोज करने पर पता चला कि पिछले वर्ष ऐसा ही दावा छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में भी किया गया था। उसमें भी प्रमाण माँगने पर दावा करने वाला प्रमाण नहीं दे पाया। वियतनाम घूम कर आए एक व्यक्ति ने तो साफ़ लिखा कि वियतनाम में ऐसी किसी घटना की कोई जानकारी नहीं है। एक और व्यक्ति ने लिखा की वियतनाम के संघर्ष के नेता और लंबे समय तक वहाँ के प्रधान मंत्री रहे हो चि मिन्ह धुर वामपंथी थे और उनके किसी लेख या भाषण में महाराणा प्रताप या शिवाजी का कोई उल्लेख नहीं है। इससे तो यही सिद्ध होता है कि ये 'व्हाट्सऐप विश्वविद्यालय' की ही खोज है जिसका तथ्यों से कोई लेना- देना नहीं है। वियतनाम का तो ये एक उदाहरण है। अपने राजनैतिक विरोधियों की छवि नष्ट करने के लिए और उनकी उपलब्धियों को नकारने के लिए ऐसी पोस्ट सारा दिन दर्जनों की तादाद में आती रहती हैं। बिना उनकी सत्यता परखे समाज का एक हिस्सा उन्हें फॉरवर्ड करने में जुट जाता है। जिससे कुछ समय बाद झूठ सच लगने लगता है। पर जब कोई ऐसे मूर्खतापूर्ण व द्वेषपूर्ण दावों की पड़ताल करता है और उन्हें झूठा सिद्ध कर देता है तो सामने की तरफ़ सन्नाटा छ जाता है। न उत्तर दिया जाता है और न ही अपने अपराध के लिए क्षमा माँगी जाती है। ये सिलसिला यूँ ही चलता जा रहा है। समझ में नहीं आता कि सैंकड़ों करोड़ रुपये खर्च करके आईटी सेल चलाने वाले राजनैतिक संगठन या दल ऐसा झूठ फैला कर क्या हासिल करना चाहते हैं? इससे उनकी विश्वसनीयता तेज़ी से घटती जा रही है। वो दिन दूर नहीं जब ऐसा भ्रम फैलाने वालों की भी वही गति होगी जो उस भेड़ चराने वाले लड़के की हुई थी जो बार-बार झूठा शोर मचाता था, "बचाओ-बचाओ भेड़िया आया"।

नादान सवाल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वह मलीन बस्ती है। रेतीले पैर नमकीली चमड़ी वाले चेहरों पर हल्की मुस्कान के सिवाय कुछ नहीं है। उनके पास न शहर की चकाचौंध है न बनावटी रिश्ते। न दिखावा है न गिरते मूल्यों की सड़ांध। जो कुछ है सब उनकी कुटिया है। उनके पास कहने को रुपया-पैसा बिल्कुल नहीं है। इसके लिए न उन्हें स्विज बैंक की जरूरत पड़ती है न बिनामी लोगों की। अपने नाम से जीते हैं और अपने नाम से मरते हैं। गरीबी की पहचान को सीने से लगाए जिंदगी भर तिल-तिलकर जीते हैं। इनका जो कुछ है वह सब कुछ समुद्र है। इनके सारे रिश्ते नाते समुद्र से होते हैं। यहीं जीते और यहीं मरते हैं। ऐसे ही किसी समुद्री तट वाली बस्ती में एक छोटे से नाले का मुँह बंद करने के लिए गीले सिमेंट का लेप बनाया जा रहा है। एक सात साल की लड़की तख्ती लेकर वहीं बैठी है। वह लकड़ी की तिलिया लेकर गीले सिमेंट पर कुछ लिखकर चली गयी। मानो किसी यक्ष ने कोई प्रश्न लिख दिया हो। क्या लिखा होगा उस पर?! दो अक्षरों का सवाल 'कब'।

कुछ देर पहले तक गीला सिमेंट मात्र सिमेंट भर था। अब वह शर्म से गीला-गीला हो चुका था। मानो उस लड़की ने निर्जीव सिमेंट पर 'कब' लिखकर उसे जीता-जागता आईना बना दिया हो। दिखने में मात्र दो अक्षरों का सवाल 'कब' था लेकिन परोक्ष रूप से कई सवालों के प्रतिबिंब के रूप में चीख-चीखकर हमसे, आपसे और सबसे कुछ जवाब मांग रहे थे।

मुस्कानों को गाड़कर कब्रस्तान बनाने वाले चेहरे पर खुशियाँ कब लौटेंगी? चुपचाप जलने वाली चिताओं की आग को बुझाने वाली साँस रूपी हवा में लंबी उम्र का तरल जल कब लौटकर आएगा? वे मछुआरे जो बहुत जल्द लौटकर आने का वादा करके गए थे, वे कब लौटेंगे?

उनकी राह जोहती आँखों को सुकून कब मिलेगा? अपने प्यारों की चिंता में पल-पल घुट-घुटकर मरने वालों को उनके लौटने की खुशखबरी कब मिलेगी? कुछ बाहें माँ-बाप से लिपटकर ऐसे बिछुड़े जो कि अब तक उसी स्पर्श की याद में रो-रोकर अधमरे हो चुके हैं।

न जाने वे कब तक लौटेंगे? दूध के लिए बिलखते बच्चों को दूध का वादा करके टोकरी कमर पर लटकाए घर से निकली माँ अब तक नहीं लौटी है। न जाने वह किस तूफान में गुम हो गयी है। न जाने कब दूधमुँहे बच्चों का दूध लौटेगा? जब-जब इन सवालों का जवाब भी ढूँढ़ने की कोशिश की जाती है तब-तब 'कब' शब्द उलटकर बक-बक करने लगता है।

कर्नाटक परिणाम भाजपा के लिए सबक के साथ अवसर भी है

कीर्ति राणा

कर्नाटक के परिणाम उन सबके लिए चौंकाने वाले हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की रिपोर्ट को ही अंतिम सत्य मान रहे थे। समर्थकों के लिए भी यह झटका है कि कंधे पर बैठाकर प्रधानमंत्री हर सभा मंच पर जिन बजरंगबली का जयकारा लगवा रहे थे, उन्हें तो मुहब्बत की दुकान पसंद आ गई। कर्नाटक चुनाव में नफरत की दुकानें कहीं हिजाब, तो कहीं हलाल और कहीं बजरंगबली के नाम पर धड़ाधड़ खुल गई थीं, लेकिन परिणाम का संदेश यही आया है कि यहां के मतदाताओं ने स्थानीय मुद्दों पर बात करने वालों पर अधिक भरोसा किया है। रही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की बात तो उसे कर्नाटक के परिणाम से कटी अपनी नाक का दर्द भुलाने के लिए उत्तरप्रदेश में निकाय चुनाव के परिणाम वाला खिलौना हाथ लग गया था।

कर्नाटक की अपार सफलता ने बूढ़ी कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपने गृह जवान बना दिया है। कांग्रेस के लिए तो यहां मिली ऐतिहासिक जीत का श्रेय खरगे से अधिक राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को भी जाता है। इस परिणाम ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश के बाद एक राज्य और हारने का दंश दे दिया है। इस राज्य में भाजपा को फिर से सत्ता में लाने के लिए बजरंग बली को कंधे पर बैठाकर खूब रोड-शो किए प्रधानमंत्री ने, लेकिन उनका आशीर्वाद कांग्रेस को मिल गया। सबक तो कांग्रेस को भी लेना चाहिए, बजरंग दल पर बेन लगाने की घोषित जिद को अमलीजामा पहनाने की अपेक्षा वह कर्नाटक ही नहीं अपने दल वाली राज्य सरकारों में भी कानून व्यवस्था में इतनी सख्ती लाए कि लव जिहाद से लेकर बेवजह अल्पसंख्यकों के लिए तनाव के हालात पैदा करने वाले संगठनों को सिर उठाने का मौका नहीं मिले। 'द केरला स्टोरी' का कर्नाटक चुनाव में भाजपा को फायदा नहीं मिला। नेताओं को इस सच से यह कहकर आंखें नहीं चुराना चाहिए कि फिल्म में सच कुछ नहीं है। कर्नाटक की जनता ने अपने स्थानीय मुद्दों को नहीं छोड़ा... यह उसकी समझदारी है, लेकिन धार्मिक कट्टरता और नफरत भड़काने वाले व्यक्तियों, संगठन... फिर वो किसी भी समाज के हों, उन्हें सख्ती से दबाने का काम चुनी हुई सरकारों को ही करना है। कर्नाटक के चुनाव परिणाम का संदेश यह भी है कि यदि यहां हिजाब और हलाल वाली उकसाने की राजनीति को नकारा गया है तो बजरंग बली को बेमतलब चुनाव में घसीटना भी लोगों ने पसंद नहीं किया है। कर्नाटक के इस नतीजे से यह मान लेना भी भूल होगी कि भाजपा की उलटी गिनती शुरू हो गई है। इस राज्य में 'आपरेशन लोटस' भाजपा ने ही चलाया था। भाजपा को आम मतदाताओं ने नकारा है, लेकिन पिछले डेढ़ दशक में पार्टी ने चाल-चरित्र और चेहरे की जो नई परिभाषा लिखी है, उसके मुताबिक भाजपा के विधायक भले ही कम जीते हैं, लेकिन जेडीएस को अपने साथ मिलाकर उसे कांग्रेस के 20-22 विधायकों पर ही तो अपना जादू चलाना है। जिस दिन वह ठान लेगी... इस अभियान को अंजाम देकर फिर से मेघालय की याद दिला सकती है। अब जिन बाकी राज्यों में विधानसभा चुनाव होना हैं, उनमें राजस्थान में ज्योतिरादित्य सिंधिया के दोस्त सचिन पायलट कांग्रेस की जमीन खोखली करने में लंबे समय से इसलिए लगे हुए हैं कि कांग्रेस आलाकमान ने उनकी आवाज सुनना ही बंद कर दी है, यानि मप्र जैसी पटकथा के काफी अध्याय लिखे जा चुके हैं। राजस्थान में राजनीतिक भूचाल कभी भी उठ सकता है! ऑपरेशन लोटस वाले सारे मास्टर माइंड कर्नाटक की हार के सदमे में डूबे रहेंगे... यह सोचना कांग्रेस की भूल होगी। भाजपा न सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं को काम में लगाए रखती है, उसके नेता भी 24 घंटे कांग्रेसमुक्त भारत का सपना पूरा करने और राजनीति के तालाब को लोटस वैली बनाने में भिड़े रहते हैं। कर्नाटक में अपना काम पूरा करने के बाद ईडी सहित अन्य एजेंसियों ने छत्तीसगढ़ की तरफ रुख कर ही दिया है, 2 हजार करोड़ के शराब घोटाले की लपटें भूपेंद्र बघेल को कभी भी चपेट में ले सकती हैं।

कांग्रेस को मिली सफलता का मतलब भाजपा की उलटी गिनती शुरू होना मान लेना भी जल्दबाजी ही होगी, किंतु कर्नाटक में सारे हथकंडे फेल होने के बाद भाजपा विरोधी दलों में एकजुट होने की हिम्मत तो आएगी ही। कांग्रेस कर्नाटक की जीत में इतनी भी बेगाफिल न हो जाए कि विपक्षी एकता के मंसूबों पर पानी फिर जाए।

अपरा एकादशी के दिन करें इन मंत्रों का जाप

अपरा एकादशी पर करें इन मंत्रों का जाप
विष्णु मूल मंत्र
ॐ नमोः नारायणाय॥
भगवते वासुदेवाय मंत्र
ॐ नमोः भगवते वासुदेवाय॥
विष्णु गायत्री मंत्र
ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात॥

श्री विष्णु मंत्र
मंगलम भगवान विष्णुः, मंगलम गरुणध्वजः।
मंगलम पुण्डरी काक्षः
मंगलाय तनो हरिः॥

विष्णु स्तुति
शान्ताकारं भुजंगशयनं पद्मनाभं सुरेशं
विश्वाधारं गगन सदृशं मेघवर्ण शुभांगम्।
लक्ष्मीकांत कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं
वन्दे विष्णु भवभयहरं सर्व लौकेक नाथम्॥
यं ब्रह्मा वरुणैन्द्रु रुद्रमरुतः स्तुन्वानि दिव्यै स्तवैवेदैः।
सांग पदक्रमोपनिषदै गार्यन्ति यं सामगाः।
ध्यानावस्थित तद्गतेन मनसा पश्यति यं योगिनो
यस्यातं न विदुः सुरासुरगणा दैवाय तस्मै नमः॥

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व होता है। सभी एकादशी तिथियों में अपरा एकादशी का विशेष महत्व होता है। ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी, अपरा एकादशी कहलाती है। इस एकादशी को अचला एकादशी भी कहते है।

इस बार अपरा एकादशी 15 मई, सोमवार के दिन मनाई जाएगी। यह एकादशी अपार सिद्धिदायक गुणों से भरी होती है। अपरा एकादशी के दिन कुछ मंत्रों के जाप से विष्णु भगवान शीघ्र प्रसन्न होते हैं और अपनी कृपा बरसाते हैं।

भगवान विष्णु के मंत्र जाप के लाभ

अपरा एकादशी के दिन विष्णु स्तुति करने और इनके मंत्रों का जाप करने से विशेष लाभ मिलता है। भगवान विष्णु के ये सभी मंत्र बहुत चमत्कारी माने जाते हैं। माना जाता है कि इन मंत्रों के जाप से घर में भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी भी स्थायी रूप से निवास करती हैं। इस दिन भगवान विष्णु के मंत्रों के जाप से घर में कभी भी आर्थिक तंगी जैसी समस्याएं नहीं आती हैं। इन मंत्रों के जाप से परिवार में हमेशा प्रेम बना रहता है और घर में खुशहाली आती है।

क्या था भगवान राम के धनुष का नाम

श्रीराम की कथा जब भी चलती है और राम-रावण का जिक्र होता है तो उनके धनुष कौशल का भी जिक्र होता है। कहा जाता है कि राम के पास जो धनुष था वो चमत्कारिक धनुष था, क्या आपको इसका नाम मालूम है और ये पता है कि ये किस तरह से बना था।

राम और उनके तीन भाइयों को धनुष बाण के साथ अन्य शस्त्रों को चलाने की शिक्षा गुरु वशिष्ठ ने दी थी। तब ये शिक्षा गुरुकुल में दी जाती थी। आमतौर पर सारे धनुर्धर अपने धनुष खुद बनाते थे। बाण भी खुद बनाकर इसे अभिमंत्रित करते थे। धनुष को बनाने की भी अपनी कला थी।

ये खास तरीके से बनाना आसान नहीं होता था।

हर बड़ा धनुर्धर जो अपने साथ धनुष रखता था, उसकी कुछ खासियतें भी होती थीं। उसका एक खास नाम भी होता था। प्राचीन काल में धनुर्धर हमेशा अपने धनुष बाण को साथ रखते थे।

ये था राम के धनुष का नाम

भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था। ये बहुत प्रसिद्ध धनुष था। इसीलिए श्रीराम को कोदंड भी कहा जाता था। 'कोदंड' का अर्थ होता है बांस से बना हुआ। कोदंड एक चमत्कारिक धनुष था जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता था, इसे तरह तरह अभिमंत्रित किया गया था।

श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता था। वो जिस धनुष को इस्तेमाल करते थे, वह औसत मनुष्य की लंबाई से ज्यादा लंबा था। कहते हैं कि इसे उन्होंने खुद ही बनाया था।

कोदंड एक ऐसा धनुष था, जिसका छोड़ा गया बाण लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। पौराणिक कथा के अनुसार एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के लिए अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया। ये कौवा सीताजी को पैर में चोंच मारकर खून बहाकर भागने लगा।

इसके बाद जब इस कौवे को मारने के लिए राम ने धनुष पर तीर चढ़कर छोड़ा तो इंद्र का बेटा जयंत डर गया। उसे जब कोई भी नहीं बचा पाया तो वो वापस राम की ही शरण में गया और माफी मांगने लगा। राम ने उसे माफ कर दिया। श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता है। हालांकि उन्होंने अपने धनुष और बाण का उपयोग बहुत मुश्किल वक्त में ही किया।

अपने समय के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर थे

भगवान राम ने इसी धनुष की मदद से लंका जाने के लिए समुद्र पर तीर छोड़े और उसके पानी को सुखा दिया था। इसी धनुष बाण से उन्होंने वनवास में रहते हुए कई राक्षसों का भी वध किया। इसी की मदद से उन्होंने रावण की सेना का संहार किया। राम अपने समय के जाने माने धनुर्धर थे। उनका धनुष उनके अलावा कोई छू भी नहीं सकता था।

धनुष स्थैतिक ऊर्जा को गतिज ऊर्जा में बदल देता है

वैसे अगर वैज्ञानिक तौर पर देखें तो धनुष मनुष्य का ऐसा पहला आविष्कार है जो ऊर्जा को संचित करके उससे काम लेता था। ये बाण की स्थितिक ऊर्जा को गतिज उर्जा में बदलकर जबरदस्त गति देता था। इससे पास ले लेकर दूर तक मार की जाती थी। अब भी बहुत से देशों में आधुनिक तीर धनुष का हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

हजारों साल पहले आविष्कार

धनुष का आविष्कार हजारों साल पहले हो चुका था। माना जाता है कि इसका आविष्कार पहले भारत में हुआ और फिर ईरान के रास्ते बाहर दूसरे देशों में गया। प्राचीन समय में सैन्य विज्ञान का नाम ही धनुर्वेद था, जिससे जाहिर होता है कि उन दिनों युद्ध में धनुष बाण का कितना महत्व था। ये माना जाता है कि अच्छा धनुर्धर 200 से 250 गज तक अपने धनुष से बाण चला सकता था। प्राचीन भारत में धर्नु विद्या पर बहुत काम हुआ था। इस पर शोध करके कई किताबें लिखी गईं। चाणक्य समेत कई विद्वानों ने अपनी किताबों और ग्रंथों में विस्तार से धनुष के प्रकारों और इसके बनने की प्रक्रिया और इससे संबंधित बातों को लिखा है।

किससे बनते थे तब धनुष

आमतौर पर धनुष लोहे, सींग या लकड़ी का बना होता है। अब इसे कार्बन का इस्तेमाल करके काफी हल्की बनाया जाता है। धनुष की डोरी बांस या अन्य वृक्षों के तंतुओं से बनी होती थी। लकड़ी के धनुष का दंड छह फुट रखा जाता था। छोटे आकार का धनुष करीब साढ़े 04 फुट का होता था। मूठ पर मोटे पदार्थ लपेटे जाते थे जिससे मजबूत और स्थिर रहे। पकड़ने में भी सहूलित हो।

धनुष का दंड बनाने में भैंस, गैंडा या शरभ के सींग तथा चंदन, साल, बेंत, ककुभ या धवल की लकड़ी प्रयुक्त होती थी। इसमें लचीलेपन के कारण बांस को बेहतरीन समझा जाता था।

प्राचीन भारत में धनुष और बाण का पूरा एक विज्ञान था। इसके प्रकारों के बारे में चाणक्य से लेकर कई ग्रंथों में लिखा गया है। कोदंडमंडन नामक ग्रंथ में डोरी के भारी या हल्की होने के अनुसार 18 प्रकार के धनुषों का उल्लेख है। उनके विभिन्न भार और मापें भी दी गई हैं।

अर्जुन के प्रसिद्ध धनुष का क्या नाम था

अर्जुन का सुप्रसिद्ध गांडीव धनुष बांस का ही बना था। वहीं कर्ण के धनुष का नाम विजय था। भगवान परशुराम ने कर्ण को अपना विजय नामक धनुष दिया था।

कृष्ण कैसे धनुष का इस्तेमाल करते थे

श्रीकृष्ण के धनुष का नाम 'शारंग' था। शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर। कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना था। हालांकि कुछ मानते हैं कि यह वही सारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था।

आटा गूंथते समय रखें इन बातों का ध्यान घर की बरकत रहेगी बरकरार

घर की गृहणी का अधिकतर समय रसोई में ही व्यतीत होता है। ऐसे में उन्हें रसोई घर से जुड़े हर एक वास्तु नियम का ध्यान जरूर रखना चाहिए। अगर काम करते समय इन नियमों का ध्यान न रखा जाए तो जीवन में कठिनाइओं का सामना करना पड़ता है, जिसकी वजह से घर की सुख-शांति भंग हो जाती है।

आटा गूंथने के नियम

घर की गृहणी को ये बात हमेशा ध्यान में रखनी चाहिए कि आटा हमेशा स्नान करने के बाद ही गूंथे और आटे के लिए पानी तांबे के बर्तन में ही लें। तांबे के बर्तन में रखे हुए जल को शुद्ध व पवित्र माना जाता है। भोजन का भोग पहले भगवान को लगाया जाता है इस वजह से ऐसा करना शुभ होता है। घर में बरकत के साथ स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है।

आटा गूंथते समय न करें ये गलती

आटा हमेशा उतना ही गूंथे जितनी जरूरत हो। कई बार लोग जरूरत से ज्यादा आटा गूंथते है और बचे हुए को फ्रिज में रख देते हैं। वास्तु के मुताबिक ऐसा करने से वास्तु दोष उत्पन्न होता है। बासी आटे से बनी रोटी का असर तो सेहत पर पड़ता ही है, इसके साथ इससे घर में दरिद्रता भी आती है।

पितृ दोष से बचने के उपाय

घर में चल रही परेशानियों का मुख्य कारण पितृ दोष भी हो सकता है। इससे छुटकारा पाने के लिए आटे का गोला बनाएं तो उसमें अपनी उंगलियों से निशान जरूर बना दें। इसके पीछे ऐसा माना जाता है कि गोला पूर्वजों को पिंडदान करते समय उपयोग किया जाता है, ऐसा करने से पितृ दोष पैदा होता है।

ध्यान रखने योग्य बातें

आटा गूंथने के बाद बचे हुए पानी को व्यर्थ न फेंके बल्कि इस पानी को पेड़-पौधों में डालें, ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार अधिक समय तक आटा गूंथकर कभी नहीं रखना चाहिए क्योंकि ज्यादा देर तक रखे हुए आटे में कीटाणु आने शुरू हो जाते हैं और घर में नकारात्मकता बढ़ने लगती है। आटा गूंथने के बाद उसे ढक कर रख दें। खुले में गूंथा आटा रखने से नकारात्मक शक्ति का वास होता है

दूध के ये आसान टोटके दूर करेंगे हर संकट

ज्योतिषशास्त्र में दूध के कई ऐसे उपाय व टोटके बताए गए हैं जिन्हें करने से व्यक्ति हर समस्या से निजात पा सकता है तो आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा दूध के अचूक व असरदार उपाय बता रहे हैं तो आइए जानते हैं। दूध के आसान उपाय— अगर आपको आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा हैं या फिर धन की बचत नहीं हो पा रही हैं तो ऐसे में आप रविवार की रात एक गिलास दूध अपने सिर के पास रखकर सोएं। इसके बाद अगले दिन सुबह उठकर बिना कुछ कहे इस दूध को बबूल के पेड़ की जड़ में चढ़ा दें। ऐसा हर रविवार करने से आर्थिक परेशानियों से छुटकारा मिल जाता हैं और करियर व कारोबार में तरक्की मिलती हैं। अगर आपकी कुंडली में राहु दोष है जिसके कारण अशुभ परिणाम झेलना पड़ रहा हैं तो ऐसे में सांप को दूध पिलाएं। इसके साथ ही दूध में काले तिल मिलाकर शिव जी को अर्पित करें ऐसा करने से संकट टल जाता है। अगर आप मानसिक रूप से परेशान रहते हैं या फिर जीवन में तनाव अधिक हैं तो ऐसे में आप चंद्र देव को दूध अर्पित करें ऐसा करने से जीवन में शांति आती हैं।

घर में लगाएं ये पौधा, चमक उठेगी परिवार की किस्मत

हिंदू धर्म और वास्तुशास्त्र में कई ऐसे पौधे हैं जिन्हें शुभ और सकारात्मकता से भरा माना जाता हैं मान्यता है कि इन पौधों को अगर घर की सही दिशा और स्थान में लगाया जाए तो जीवन में खुशियों का आगमन होता हैं और तरक्की के योग बनने लगते हैं।

इसी में एक पौधा है मोरपंखी का जिसे घर की उचित दिशा में अगर लगाया जाए तो इससे खूब लाभ मिलते हैं साथ ही साथ परिवार की तरक्की भी होने लगती हैं तो आज हम आपको मोरपंखी पौधे से जुड़ी जानकारी प्रदान कर रहे हैं तो आइए जानते हैं।

घर में लगाएं मोरपंखी—

वास्तु की मानें तो घर में मोरंपखी का पौधा लगाने से सुख शांति सदा बनी रहती हैं साथ ही बरकत भी होने लगती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मोरपंखी में माता लक्ष्मी का वास होता हैं ऐसे में इसे लगाने से आर्थिक तंगी व कर्ज से मुक्ति मिलती हैं।

अगर आपके बच्चे का मन पढ़ाई में नहीं लगता है तो भी आप इस पौधे को घर में लगा सकते हैं मान्यता है कि इसे लगाने से व्यक्ति को उच्च शिक्षा प्राप्त होती है साथ ही साथ बुद्धि भी तेज हो जाती हैं। इसके अलावा मोरपंखी को घर की उत्तर या पूर्व दिशा में लगाना बहुत शुभ होता हैं इस पौधे को अगर घर के प्रवेश द्वार पर लगाया जाए तो इससे घर की नकारात्मकता दूर हो जाती हैं और सकारात्मकता का संचार होता हैं साथ ही मन में अगर किसी तरह का भय है तो वह भी दूर हो जाता हैं।

इन लोगों को बिल्कुल भी नहीं पहनना चाहिए टाइगर स्टोन

रत्न शास्त्र के अनुसार, नवग्रह के अपने-अपने रत्न के साथ-साथ उपरत्न होते हैं। हर एक रत्न का अलग-अलग सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इन्हें रत्नों में से एक है टाइगर स्टोन। इस रत्न में टाइगर के समान पीली और काली धारियां होती है। इसी के कारण इसे टाइगर स्टोन के नाम से जाना जाता है। जानिए इसके लाभ और किन्हें पहनना चाहिए और किन्हें नहीं।

टाइगर रत्न पहनने के लाभ

टाइगर रत्न आपको केंद्रित रहने और नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने में मदद कर सकता है। इसके अलावा ये स्टोन आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ाने में भी सहायक हो सकता है। टाइगर स्टोन के बारे में एक बात और कही जाती है कि इसमें शक्तिशाली आध्यात्मिक ऊर्जा होती है, जो तीसरा नेत्र चक्र खोलने में मदद करता है, जिससे अंतर्ज्ञान और मानसिक क्षमताएं बढ़ सकती है। यह जादुई रत्न मन, शरीर और आत्मा के लिए कई प्रकार के लाभ प्रदान करता है।

शारीरिक परेशानियों में लाभकारी

शरीर के दर्द को दूर करने के साथ-साथ पाचन तंत्र में सुधार और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करता है।

नकारात्मक ऊर्जा से बचाएं

टाइगर स्टोन को बुरी आत्माओं और नकारात्मक ऊर्जाओं से अपना रक्षक कह सकते हैं। ये रत्न किसी भी समय मानसिक या नकारात्मक ऊर्जा के आक्रमण को रोक सकता है। इसके साथ ही शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है।

बढ़ाएं आत्मविश्वास

टाइगर स्टोन में ऐसी शक्ति होती है। अगर कोई व्यक्ति इसे धारण करता है, तो उसका आत्मविश्वास हमेशा बना रहता है। ऐसे में वह निडर हो जाता है और हर चुनौती को आसानी से पार कर लेता है।

ये राशियां पहने टाइगर स्टोन

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मकर और सिंह राशि के जातकों को टाइगर स्टोन पहनना लाभकारी हो सकता है। सिंह और मकर राशि के जातक इस रत्न को धारण करते हैं, तो भाग्य का पूरा साथ मिलता है और लीडरशिप करने की भावना मजबूत होती है। इसके अलावा मेष, मिथुन, कर्क राशि के जातक भी इस रत्न को धारण कर सकते हैं।

इस राशि के जातक न पहनें टाइगर स्टोन

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, टाइगर स्टोन पहनने से गुड लक और सुख-समृद्धि आती है, लेकिन कई राशियों को इस रत्न को पहनने से बचना चाहिए, क्योंकि इसे पहनने से दुर्भाग्य और अपशकुन के द्वार खुल सकता है। जो लोग अनिद्रा से पीड़ित हैं या जिनकी राशियां वृषभ, तुला, कन्या और मकर हैं, तो वह लोग टाइगर स्टोन को न पहनें।

ज्योतिष से जान सकते हैं व्यक्ति का चरित्र

किसी भी व्यक्ति के जीवन में उसके चरित्र का बड़ा महत्व होता है। वैदिक ज्योतिष के कुछ ग्रंथों में ऐसे नियम बताए गए हैं जिनके द्वारा व्यक्ति के चरित्र का बोध होता है। आइये जानते हैं कुछ नियम...

कौन से ग्रह होते हैं जिम्मेदार ?

1 – सूर्य-शनि, चंद्र-शनि या सूर्य-चन्द्रमा की युति वाले जातक कुछ अधीर होते हैं। ये अपने रिश्तों को मजबूती से नहीं संभाल पाते हैं। हालांकि इस युति में अगर गुरु भी शामिल हो तो जातक एक रिश्ते में टिक जाता है।

2 – अगर किसी कुंडली में गुरु शनि या गुरु शुक्र की युति हो या आपस में एक दूसरे को देख रहे हों तो जातक का मन अच्छा होता है। वह अपने प्रेमी को धोखा नहीं देगा।

3 – अगर लग्न और सप्तम भाव में मंगल शुक्र विराजमान हैं तो जातक एक व्यक्ति से संतुष्ट नहीं होगा। इस युति में अगर गुरु शामिल हो तो यह युति अच्छी होगी वरना इस युति के फल अशुभ ही है।

4 – मंगल शुक्र राहु अगर सप्तम या अष्टम भाव में हो तो निश्चित रूप से जातक के अनेक स्त्रियों से संबंध होंगे। स्त्री की कुंडली हो तो अधिक मित्रों वाली होगी।

5 – विद्वानों का कहना है कि अगर किसी कुंडली में गुरु शुक्र शनि की युति हो तो जातक का चरित्र बेहद बलवान होता है।

6 – सूर्य चंद्र शुक्र की युति हो या चन्द्र मंगल बुध की युति हो तो जातक तेजस्वी होने के बावजूद पर स्त्री में रूचि रखता है।

7 – किसी कुंडली में बुध चंद्र शुक्र सप्तम में और लग्न में राहु हो तो जातक का चरित्र अच्छा नहीं होता है। ऐसा व्यक्ति अपनी पत्नी को भी गलत काम करने के लिए प्रेरित कर सकता है।

8 – यदि लग्न का स्वामी, दूसरे और छठे भाव के स्वामी के साथ सप्तम भाव में पाप ग्रह के साथ हो तो ऐसा जातक निश्चित रूप से एक रिश्ते में नहीं रुक सकता है।

9 – यही बुध शुक्र लग्न में विराजमान हो और सप्तम भाव से मंगल उस पर दृष्टि दे रहे है तो भी जातक का चरित्र संदेहपूर्ण होगा।

10 – अगर सप्तम भाव में शुक्र दूसरे भाव के स्वामी के साथ विराजमान हो जाए और उस पर मंगल राहु की दृष्टि हो ऐसे पुरुष की कई स्त्रियों से घनिष्ट मित्रता होती है ,वह कामातुर रहता है।

दीपिका पादुकोण की 'कॉपी' कर मानुषी छिल्लर ने किया बॉलीवुड डेब्यू, खुद सुनाया पूरा किस्सा

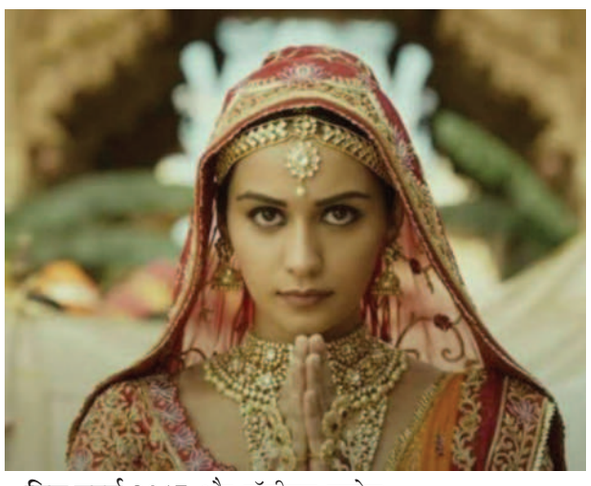

मिस वर्ल्ड 2017 और बॉलीवुड एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर अपना जन्मदिन मना चुकी हैं. दुनियाभर में भारत का नाम रोशन करने वाली मानुषी को किसी इंट्रोडक्शन की जरूरत नहीं है. सोशल मीडिया पर अक्सर उनकी तस्वीरें और वीडियो वायरल होते रहते हैं. मानुषी का जन्म आज ही के दिन 1997 में हरियाणा के झज्जर शहर में हुआ था. बर्थडे के मौके पर उन्हें फिल्म और फैशन इंडस्ट्री के दोस्तों से ढेर सारे बधाई संदेश मिल रहे हैं. इस बीच फैंस ने भी उन्हें बर्थडे विश करने के लिए अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सहारा लिया. आइए जानते हैं मानुषी के बारे में कुछ दिलचस्प बातें.

मिस वर्ल्ड का खिताब अपने नाम करने वाली विश्व सुंदरी मानुषी छिल्लर अब बॉलीवुड में भी कदम रख चुकी हैं. पिछले साल ही अक्षय कुमार के साथ उनकी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' में नजर आई थी. मानुषी जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्में 'तेहरान', 'द ग्रेट इंडियन फैमिली' में भी काम करती बड़े पर्दे पर देखी जाएंगी. मानुषी अक्सर इंटरनेट पर अपनी बोल्ड अदाओं के लिए सुर्खियों में रहती हैं. उनका फैशन, मेकअप, डाइट और लाइफस्टाइल को लाखों फैंस फॉलो करते हैं. चाहे वेस्टर्न ड्रेस हो या ट्रेडिशनल, सभी आउटफिट में मानुषी गजब की सुंदर दिखाई देती हैं.

दीपिका का दिया गया रोल

मानुषी छिल्लर ने 3 जून, 2022 को अक्षय कुमार के साथ 'सम्राट पृथ्वीराज' से बॉलीवुड में कदम रखा. इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान मानुषी ने एक दिलचस्प किस्सा सुनाया, जिसे बहुत कम लोग ही जानते हैं. 'सम्राट पृथ्वीराज' में राजकुमारी संयोगिता की भूमिका निभाने वाली मानुषी ने कहा, 'सम्राट पृथ्वीराज चौहान के जीवन और साहस के बारे में फिल्म में मेरे डेब्यू की हर बात खास है. मुझे याद है कि फिल्म के लिए मेरा सबसे टफ और चैलेंजिंग ऑडिशन था क्योंकि मुझे एक सीन दिया गया था जिसे दीपिका पादुकोण ने 'बाजीराव मस्तानी' में शानदार तरीके से फिल्माया था. मुझे पता था कि 'पृथ्वीराज' को पाने के लिए मुझे अच्छा काम करना होगा और शुक्र है कि आदि सर, मेरे डायरेक्टर चंद्रप्रकाश, शानू शर्मा और YRF की टीम मेरी कोशिश से इंप्रेस हुई.

फ्लॉप हो गई थी पहली फिल्म

बता दें कि मानुषी से पहले भारत के लिए आखिरी बार मिस वर्ल्ड का ताज बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने जीता था. उनके 17 साल बाद मानुषी छिल्लर ने एक बार फिर 'विश्व सुंदरी' का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था.

मानुषी ने आगे बताया, 'ऑडिशन के बाद मुझसे कॉन्टैक्ट किया गया और बताया गया कि मैं सेलेक्ट हो गई हूं. मैं बहुत खुश थी.' बता दें कि फिल्म में अक्षय कुमार ने महान योद्धा की भूमिका निभाई, हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी, लेकिन क्रिटिक्स ने मानुषी की एक्टिंग की खूब तारीफ की.

राघव-परिणीति ने एक दूसरे को रिंग पहनाई

परिणीति ने तस्वीरें शेयर कीं; राघव ने लिखा- उसने हां कह दिया

आप सांसद राघव चड्ढा और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने 13 मई शनिवार की शाम एक दूसरे को रिंग पहनाई। सेरेमनी दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित कपूरथला हाउस में शाम 5 बजे शुरू हुई। लगभग 9 बजे परिणीति और राघव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सगाई की तस्वीरें शेयर कीं।

इस सेरेमनी में राजनीतिक और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी नामचीन हस्तियों ने शिरकत की। सेरेमनी में सबसे पहले परिणीति की कजिन प्रियंका चोपड़ा पहुंचीं। इसके बाद परिणीति के घर वालों का आना शुरू हुआ। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी सेरेमनी में शरीक हुए। इनके अलावा देश के पूर्व गृहमंत्री पी. चिदंबरम, कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल, शिवनेता नेता आदित्य ठाकरे और TMC सांसद डेरेक ओ ब्रायन भी पार्टी में पहुंचे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिणीति ने अपनी सगाई में पेस्टल कलर का सूट पहना। इसे फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा ने डिजाइन किया। वहीं राघव ने भी परिणीति को कॉम्प्लीमेंट देते हुए पेस्टल कलर का ही अचकन पहना।

साउथ स्टार विजय देवरकोंडा का पीछा नहीं छोड़ रही 'लाइगर'

अपने पैसे वापस मांग रहे हैं एक्जिबिटर्स

विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे स्टारर फिल्म 'लाइगर' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई और औंधे मुंह जा गिरी. 'लाइगर' से साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा ने अपने बॉलीवुड डेब्यू किया था, जो उनके लिए सबसे बुरा सपना साबित हुआ. लेकिन अब विजय और 'लाइगर' के मेकर्स की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं. फिल्म से हुए घाटे को लेकर डिस्ट्रीब्यूटर्स नाराज है, जिसके बाद वो रिफंड की मांग कर रहे हैं. 'लाइगर' के डिस्ट्रीब्यूटर वारंगल श्रीनु ने फिल्म के फ्लॉप होने पर खुलकर बात की थी. उन्होंने बताया कि इस फिल्म की वजह से उन्हें कितना भारी नुकसान उठाना पड़ा था.

पैसे वापस करने की मांग

गौरतलब है कि इस फिल्म को रिलीज हुए 1 साल से अधिक समय हो गया, लेकिन अभी भी इसको लेकर खबरों का बाजार गरम है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस फिल्म के तेलुगू एक्जिबिटर्स अपने पैसे वापस करने की मांग कर रहे हैं. वहीं एक्टर विजय की नई फिल्म 'कुशी' जल्द ही रिलीज होने वाली है, इस फिल्म में उनके साथ सामंथा रुथ प्रभु भी हैं. विजय के जन्मदिन पर 'कुशी' का गाना 'ना रोजा नुव्वे' को फैंस के बीच में रिलीज किया गया था.

क्यों विरोध कर रहे हैं एक्जिबिटर्स ?

रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को फिल्म के एक्जिबिटर्स ने हैदराबाद के फिल्म चैम्बर जुबली हिल्स में विरोध प्रदर्शन किया है. जिसमें फिल्म में लगाए गए पैसे की वापस करने की मांग कर रहे हैं. उनका कहना है कि पुरी जगन्नाथ ने उनके नुकसान के मुआवजे का वादा किया था. लेकिन इसे भुगतान करने के लिए छह महीने का समय मांगा लेकिन इसको लेकर कोई भी अभी तक प्रतिक्रिया नहीं दिखाई दे रही है. 'लाइगर' और विजय देवरकोंडा अब विरोध प्रदर्शनों के निशाने पर हैं.

विजय की प्रोफेशनल लाइफ

विजय देवरकोंडा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म को लेकर शूटिंग में व्यस्त हैं. विजय और सामंथा की अपकमिंग फिल्म 'कुशी' सितम्बर में रिलीज होने वाली है. जिसकी शूटिंग पिछले साल कश्मीर में की गई थी. ये फिल्म तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज की जाएगी.

'फर्जी' स्टार शाहिद कपूर की जोड़ी रश्मिका मंदाना के साथ बनेगी

इस धांसू निर्देशक ने किया कमाल?

साउथ फिल्म अदाकारा रश्मिका मंदाना बॉलीवुड फिल्ममेकर्स की भी पहली पसंद बन चुकी हैं। 'नेशनल क्रश' का टैग हासिल कर चुकीं अदाकारा रश्मिका मंदाना ने फिल्म पुष्पा में श्रीवल्ली का किरदार निभाकर दर्शकों को भी क्लीन बोल्ड कर दिया था। इसके साथ से ही मेकर्स एक्ट्रेस को अपनी फिल्मों के लिए अप्रोच करने लगे हैं। इस वक्त अदाकारा रश्मिका मंदाना के हाथों में कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। हालांकि अदाकारा रश्मिका मंदाना बेहद चुनकर ही फिल्में साइन कर रही हैं। अब खबर है कि अदाकारा रश्मिका मंदाना ने एक और बिग बॉलीवुड मूवी साइन कर ली है।

रश्मिका मंदाना-शाहिद कपूर को अनीस बज्मी ने किया लॉक

एक रिपोर्ट की मानें तो अदाकारा रश्मिका मंदाना जल्दी ही फिल्म स्टार शाहिद कपूर के साथ ऑन स्क्रीन नजर आने वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अदाकारा रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर ने एक कॉमेडी एक्शन ड्रामा फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। सुनने में आया है कि रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर को लेकर निर्देशक अनीस बज्मी एक फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। इस फिल्म को एकता कपूर और दिल राजू मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक क्योंकि एकता कपूर और दिल राजू पहले ही रश्मिका मंदाना संग गुडबाय और वरिसु जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। इसलिए इस फिल्म के लिए भी दोनों मेकर्स की पहली पसंद रश्मिका मंदाना ही थीं।

रश्मिका मंदाना ही थी फिल्म के लिए पहली पसंद

इस बारे में बताते हुए सूत्र ने कहा, 'रश्मिका शुरू से ही इस फिल्म के लिए पहली पसंद थीं। एकता कपूर और दिल राजू ने उनके साथ फिल्म गुडबाय और वरिसु में साथ काम किया है। दोनों को ही लगता है कि वो इस किरदार में एकदम फिट बैठती हैं। इसके अलावा शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना एक साथ पहली दफा ऑन स्क्रीन दिखेंगे तो ये एक फ्रेश जोड़ी होगी और दर्शकों की दिलचस्पी इसके लिए जगेगी।'

कॉमेडी फिल्मों के जादूगर हैं अनीस बज्मी

निर्देशक अनीस बज्मी नो एंट्री, भूल भुलैया, भूल भुलैया 2 और रेडी जैसी सुपरहिट कॉमेडी फिल्में दे चुके हैं। शाहिद कपूर और रश्मिका मंदाना जैसे जबरदस्त एक्टर के साथ निर्देशक अनीस बज्मी का आना इस फिल्म के लिए दर्शकों को और एक्साइट कर रहा है।

दि ल

'पठान' ब्लॉकबस्टर होते ही पटरी पर लौटी डॉन 3

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की हालिया रिलीज ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर करोड़ों रुपये छापे। इस फिल्म की बंपर सक्सेस के बाद किंग खान की अगली फिल्मों के इंतजार में दर्शक फिर से पलकें बिछाए बैठे हैं। पठान की सफलता निर्माता-निर्देशक फरहान अख्तर और रितेश सिद्धवानी के बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट के लिए किसी वरदान से कम नहीं रही। इस फिल्म का धाकड़ सक्सेस के बाद शाहरुख खान के साथ आई निर्माता-निर्देशक फरहान और रितेश की ब्लॉकबस्टर फिल्म डॉन सीरीज की तीसरी फिल्म में भी जान आने लगी हैं। लेटेस्ट जानकारी ये है कि इस फिल्म के तीसरे भाग यानी डॉन 3 पर काम तेजी से शुरू भी हो चुका है। इस बारे में किसी और ने नहीं बल्कि खुद फिल्म निर्माता रितेश सिद्धवानी ने पुख्ता जानकारी दी है।

डॉन 3 पर तेजी से शुरू हुआ काम

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो निर्माता-निर्देशक रितेश सिद्धवानी ने खुद इन खबरों

पर पक्की मुहर लगाई है। हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि शाहरुख खान की फिल्म डॉन 3 पर तेजी से काम चल रहा है। उनके पार्टनर फरहान अख्तर जो इस फिल्म के राइटर भी हैं। वो फिलहाल इस फिल्म की स्क्रीप्टिंग पर तेजी से काम कर रहे हैं। जैसी ही फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी होगी आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इन फिल्मों में बिजी हैं शाहरुख खान

पठान की सफलता शाहरुख खान के स्टारडम में तेज उछाल लेकर आई। इस फिल्म के बाद किंग खान के पास कई फिल्मों की लाइन लग चुकी है। फिलहाल शाहरुख खान तमिल निर्देशक एटली कुमार की फिल्म जवान को पूरा कर रहे हैं। इसके अलावा उनके पास निर्देशक राजकुमार हिरानी की फिल्म डंकी भी है। साथ ही वो सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में कैमियो भी करते दिखेंगे।

वजह ये भी है कि इसके बाद किंग खान टाइगर वर्सेज पठान नाम से बन रही यशराज बैनर की अगली स्पाई फिल्म का हिस्सा होंगे। अब इसके साथ ही डॉन 3 को लेकर भी हलचल तेज हो गई हैं। याद दिला दें कि प्रियंका चोपड़ा और शाहरुख खान स्टारर इस फिल्म फ्रेंचाइजी की 2 फिल्में रिलीज हुई थीं और दोनों ही ब्लॉकबस्टर रही थी। अब उम्मीद है कि डॉन 3 भी ऐसा ही धमाका करेगी।

'द केरल स्टोरी' के विरोध पर देवोलीना भट्टाचार्जी ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- मेरे पति एक मुस्लिम हैं

इन दिनों सुदीप्तो सेन के डायरेक्शन में बनी फिल्म द केरल स्टोरी सुर्खियों में बनी हुई है। सच्ची घटना पर आधारित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। फिल्म की कहानी दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। वहीं फिल्म पर हर दिन विवाद बढ़ता जा रहा है। भारत में हो रहे विवाद के बीच फिल्म विदेशों में भी रिलीज की जा चुकी है। फिल्म का ट्रेलर जब से सामने आया है, तब से कोई इसके पक्ष में बोल रहा है तो कोई इसका विरोध कर रहा है। वहीं कुछ राज्यों में फिल्म को बैन कर दिया गया है। कुछ लोग इस फिल्म को प्रोपेगैंडा बता कर रहे हैं। जबकि मेकर्स ने इसे काफी रिसर्च के बाद बनाया है। इसी बीच अब टीवी एक्ट्रेस देवोलीना भट्टाचार्जी ने भी इस फिल्म पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक्ट्रेस ने ट्वीट करते हुए कहा है कि उन्हें इस फिल्म में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगा है।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने ट्वीट कर क्या कहा

दरअसल एक यूजर ने ट्वीट करते हुए लिखा था कि 'मेरे साथ पढ़ने वाले की दोस्त निधि का इंटरफेथ अफेयर था। उसने अपने बॉयफ्रेंड से केरल स्टोरी देखने को कहा। उसने न केवल मना किया बल्कि उसके साथ दुर्व्यवहार भी किया और उस पर इस्लामोफोबिक होने का आरोप लगाया। वह डर गई और अपने बॉयफ्रेंड से पूछा कि वह इतना अकड़ू क्यों है और जब वह एक मुस्लिम को डेट कर रही है तो वह इस्लामोफोबिक कैसे हो सकती है। उसके बॉयफ्रेंड ने जवाब दिया कि अगर वह इस्लामोफोबिक नहीं है तो उसे इस्लाम कबूल कर लेना चाहिए और उससे शादी कर लेनी चाहिए। वह इस बात से सहमत हो गई। लेकिन, वह अभी भी फिल्म देखना चाहती थी। तो, वह मेरे दोस्त के साथ फिल्म देखने चली गई। फिल्म के ठीक बाद, उसने अपने बॉयफ्रेंड को फोन किया और ब्रेकअप कर लिया। केरल की कहानी का समाज पर यही प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए वे फिल्म पर प्रतिबंध लगाना चाहते हैं। सब जागरुक हो रहे हैं।'

इस यूजर को तगड़ा जवाब देते हुए देवोलीना भट्टाचार्जी नेलिखा कि 'यह हमेशा ऐसा नहीं होता है। मेरे पति एक मुस्लिम हैं और मेरे साथ फिल्म देखने आए और उन्होंने इसकी सराहना की। उन्होंने इसे न तो अपराध के रूप में लिया और न ही उन्हें लगा कि यह उनके धर्म के खिलाफ है। और मुझे लगता है कि हर भारतीय को ऐसा ही होना चाहिए।'

डेटिंग की खबरों के बीच फिर दिखें विजय वर्मा-तमन्ना : साथ में फिल्म देखने गए थे

इन दिनों विजय वर्मा और एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया अपने रिलेशनशिप को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों को अक्सर साथ में स्पॉट किया जाता है। अब हाल ही में तमन्ना को विजय के साथ मुंबई के एक थिएटर के बाहर देखा गया, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में दोनों पैपराजी से चेहरा छुपाते हुए नजर आ रहे हैं। दोनों ने चेहरे पर मास्क लगा हुआ था, लेकिन फैंस ने उन्हें तुरंत पहचान लिया।

न्यू ईयर पर किया गया था दोनों को स्पॉट

बता दें कि न्यू ईयर के टाइम पर तमन्ना और विजय की रिलेशनशिप की खबरों ने जोर पकड़ा था। इस दौरान दोनों की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, जहां वे एक दूसरे से काफी क्लोज दिखाई दे रहे थे। इसके बाद दोनों को एक इवेंट में साथ शिरकत करते देखा गया था।

विजय को सोनाक्षी सिन्हा ने तमन्ना के नाम पर चिढ़ाया

बता दें, सोनाक्षी सिन्हा और विजय वर्मा की वेब सीरीज 12 मई को ओट प्लेटफार्म अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई है। इससे पहले सीरीज के ट्रेलर लॉन्च के दौरान सोनाक्षी ने पूरी टीम के साथ इवेंट में विजय को तम्मन्ना के नाम से चिढ़ाया था। जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया था।

ट्रेलर लॉन्च के दौरान एक्टर गुलशन देवैया ने कहा कि उनकी बचपन से 'तमन्ना' थी कि वो स्क्रीन पर वर्दी वाले शख्स का किरदार निभाएं। जिसे सुनते ही विजय ब्लश करने लगते हैं। इन सब के बीच सोनाक्षी सिन्हा सबकी बातें सुनते हुए कहती हैं कि आज उस लड़की को काफी हिचकियां आ रही होंगी।

लस्ट स्टोरी 2 की शूटिंग के दौरान हुई थी दोस्ती

विजय वर्मा और तमन्ना भाटिया की मुलाकात वेब सीरीज, लस्ट स्टोरी 2 के शूट के दौरान हुई थी। वहीं से दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी। हालांकि दोनों ने कभी अपने रिलेशनशिप को लेकर कोई बात नहीं की है। दोनों इस मामले में बात करने से बचते भी नजर आते हैं।

डिजिटल दौर में फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है

पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका, ब्रिटेन और कुछ अन्य देशों में लोग अपने विवाह समारोह के पलों को फिल्मों के फोटो में कैद करना चाहते हैं। इससे कैमरे पर तस्वीरें खींचने वाले फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है। डिजिटल के मुकाबले फिल्म पर शूट की गई फोटो सॉफ्ट होती है।

यह धीमी और अधिक एनालॉग प्रक्रिया कई जोड़ों को पुराने जमाने के मीडियम की ओर आकर्षित कर रही है। अब कई जोड़ों को अपने विवाह के फोटो तत्काल की बजाय कुछ दिन बाद मिलते हैं। एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड में स्थित वेडिंग फोटोग्राफर अन्ना अर्बन का कहना है, पिछले एक वर्ष से फिल्म फोटोग्राफरों की मांग बढ़ी है।

वैसे,वे अब भी डिजिटल कैमरे इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने सितंबर 2022 में बढ़ती मांग के कारण अपने क्लाइंट्स को फिल्म फोटोग्राफी ऑफर करना शुरू किया है। वे एक फिल्म रोल के लिए लगभग दस हजार रुपए लेती हैं। उनके पांच फीसदी वेडिंग क्लाइंट अपने पैकेज में फिल्म फोटोग्राफी शामिल करते हैं। वे बताती हैं, लोग कुछ अलग करना चाहते हैं। लंदन की फोटोग्राफर केट हेंपसन ने मई 2022 में सभी शादियों की तस्वीरें फिल्म पर खींचना शुरू किया है। उन्होंने अपने करिअर के शुरुआती वर्षों में डिजिटल फोटोग्राफी की है। वे डिजिटल फोटो के नतीजों से खुश नहीं हैं। बैकअप के तौर पर डिजिटल कैमरा साथ रखती हैं।

सैनफ्रांसिस्को की वेडिंग फोटोग्राफर जिलियन मिशेल न्यूयॉर्क और लॉसएंजिलिस में ज्यादा काम करती हैं। उन्होंने अधिकतर शादियों को फिल्म पर शूट किया है। 2009 में वेडिंग फोटोग्राफर के रूप में काम शुरू करने वाली मिशेल सभी फोटो डिजिटल कैमरे से खींचती थीं।

लेकिन, वे जल्द ही फिल्म की तरफ मुड़ गईं। वैसे, मिशेल कम रोशनी वाले फोटो डिजिटल कैमरे से लेती हैं। उनका कहना है, डिजिटल इमेज की तुलना में फिल्म की फोटो ज्यादा खूबसूरत लगती है। कुछ फोटोग्राफर फिल्म फोटो का लुक डिजिटल फार्मेट जैसा बनाना चाहते हैं।

आर्टिस्टिक तस्वीरें

एक फोटोग्राफर कहती हैं, फिल्म के फोटो डिजिटल से बेहतर नजर आते हैं। वे फिल्म पर फोटो उतारने की तुलना आयल पेंटिंग से करती हैं। फिल्म से अच्छी आर्टिस्टिक तस्वीरें बनती हैं।

इंडियन रेलवे में निकली वैकेंसी : 31 मई तक करें अप्लाई

रेलवे में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए शानदार मौका है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन में सिविल इंजीनियर्स और मैनेजर समेत 64 पदों पर वैकेंसी निकली है। इसके लिए 45 साल तक की उम्र के उम्मीदवार 31 मई तक नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन की ऑफिशियल वेबसाइट nhsrcl.in पर ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। इसके बाद उम्मीदवारों को कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा में शामिल होना होगा। इसमें शार्टलिस्ट उम्मीदवार का इंटरव्यू के आधार पर होगा सिलेक्शन किया जाएगा।

आयु सीमा

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन में निकली भर्ती में 20 से 45 साल तक की उम्र के उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन में इंजीनियर और मैनेजर के कुल 64 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। इसमें टेक्निशियन के 08 पद भरे जाएंगे। इसके अलावा, जूनियर इंजीनियर के 08 पद, जूनियर मैनेजर सिविल के 12 पद, जूनियर इंजीनियर, इलेक्ट्रिकल के 21 पद, असिस्टेंट मैनेजर के 11 और असिस्टेंट मैनेजर प्लानिंग के 02 पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

मप्र प्री एग्रीकल्चर टेस्ट के लिए नोटिफिकेशन जारी

26 मई से आवेदन शुरू, 9 जून लास्ट डेट, 11 और 12 जुलाई को एग्जाम

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने प्री एग्रीकल्चर टेस्ट 2023 के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। नोटिफिकेशन के अनुसार, एमपी पैट 2023 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 26 मई से शुरू होकर 9 जून 2023 तक जारी रहेगी। जो उम्मीदवार इस प्रवेश परीक्षा में भाग लेना चाहते हैं वे एमपी ऑनलाइन की ऑफिशियल वेबसाइट www.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

बीएससी (ऑनर्स) कृषि, बीएससी (ऑनर्स) उद्यानिकी, बीएससी (ऑनर्स) वानिकी कोर्स में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को भौतिकी रसायन के साथ गणित, जीव विज्ञान, कृषि में से कोई एक सब्जेक्ट के साथ 12वीं पास होना जरूरी है।

बीटेक (कृषि अभियांत्रिकी) कोर्स के लिए फिजक्स, केमेस्टी, मैथ्स और इंग्लिश के साथ 12वीं परीक्षा पास होना जरूरी है।

एग्जाम डेट

एमपीपीईबी पैट 2023 के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन 11 और 12 जुलाई 2023 को किया जाएगा। परीक्षा दो शिफ्टों में आयोजित की जायेगी। पहली शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9 से 12 बजे तक और दूसरी शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा में उम्मीदवारों के लिए रिपोर्टिंग का समय पहली शिफ्ट में सुबह 7 से 8 बजे तक और दूसरी शिफ्ट का दोपहर 12 से 1 बजे तक तय है। परीक्षा केंद्र पर उम्मीदवार एडमिट कार्ड और वैलिड पहचान पत्र साथ लेकर जाएं।

इस परीक्षा का महत्व

एमपी पैट एग्जाम के द्वारा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों/संस्थानों में उम्मीदवारों को चार वर्षीय बीटेक (एग्रीकल्चर), बीएससी एग्रीकल्चर, बीएससी फॉरेस्ट्री एवं बीएससी हॉर्टिकल्चर जैसे कोर्स में एडमिशन दिया जाता है।

यूजीसी नेट जून 2023 के लिए आवेदन शुरू

30 मई तक करें अप्लाई, 13 जून से होगी एग्जाम

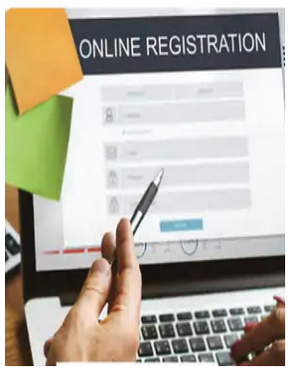

यूनिवर्सिटी और कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए यूजीसी नेट परीक्षा में शामिल होना है तो जून 2023 सेशन के लिए तारीखें जारी हो गई हैं। इस संबंध में यूजीसी चैयरमेन एम जगदीश कुमार ने ट्वीट करके जानकारी दी है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आज यानि 10 मई 2023 से शुरू हुई है।

यूजीसी नेट एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 30 मई 2023 तक चलेगी। रजिस्ट्रेशन करने वाले कैंडिडेट्स को कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा में शामिल होना होगा। परीक्षा का आयोजन 13 से 22 जून तक होगा।

एप्लीकेशन फीस

जनरल : 1100 रुपये

ईडब्ल्यूएस और ओबीसी : 550 रुपये

एससी, एसटी और दिव्यांग : 275 रुपये

ऐसे करें रजिस्ट्रेशन

ऑफिशियल वेबसाइट ugcnet.nta.nic.in पर जाएं।

वेबसाइट के होम पेज पर Latest News के लिंक पर क्लिक करें।

इसके बाद UGC NET June 2023 Registration के लिंक पर क्लिक करें।

अगले पेज पर Online Application के लिंक पर जाएं।

रजिस्ट्रेशन के लिए मांगी गई डिटेल्स फीड करके अप्लाई करें।

रजिस्ट्रेशन होने के बाद प्रिंट ले लें।

नौकरी मिलने की उम्मीद बढ़ाएं ये टिप्स

नौकरी पाने की जल्दी में अक्सर लोग रिजेक्ट हो जाते हैं। ये उपाय जॉब मिलने की संभावना को काफी हद तक बढ़ा देंगे।

ड्रीम जॉब नहीं होता

यदि आपका मैनेजर वैसा नहीं है, जैसा आप चाहते थे, साथ देने वाले और प्रोत्साहित करने वाले कुलीग्स नहीं हैं या ऑफिस का वर्क-कल्चर आपकी उम्मीद से जुदा है, तो ऐसी जगह पर काम करके आप खुश और संतुष्ट नहीं रहेंगे। जिसे ड्रीम जॉब मान रहे हैं, वो सबसे खराब भी साबित हो सकता है।

हर बात को सही ना मानें

कई बार नौकरी के लिए दिए गए जॉब डिसक्रिप्शन बेहद खराब तरीके से लिखे होते हैं। अक्सर इन्हें पांच से दस साल में अपडेट किया जाता है। इस दौरान जो बदलाव होते हैं, उनकी जानकारी नहीं दी जाती है। किसी भी नौकरी के विवरण पर आंख बंद करके भरोसा नहीं करें। केवल गाइड की तरह ही देखना चाहिए।

उपलब्धि हाईलाइट करें

अमूमन कोई भी रिक्रूटर एक एप्लिकेशन पर लगभग सात सेकंड या उससे भी कम समय के लिए रुकता है। इसके बाद वो उसे या तो फेंक देता है या संभाल कर रख लेता है। अपना रिज्यूमे सबसे अलग दिखाना चाहते हैं तो इसे कंपनी और अपने नेचर ऑफ जॉब के अनुसार तैयार करें। खास उपलब्धियों को हाईलाइट करें।

कवर लेटर जरूरी है

कवर लेटर ऐसा होना चाहिए, जो बताता हो कि कैसे आपकी स्किल्स की कंपनी को जरूरत है। कवर लेटर पर आपके किए गए किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के नतीजों का पूरा विवरण भी होना चाहिए। इस संस्थान में आपकी रुचि किसलिए पैदा हुई, इसकी वजह भी कवर लेटर पर स्पष्ट रूप से लिखी जा सकती है।

12वीं पास युवाओं के लिए बंपर भर्तियां

8 जून तक कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। स्टाफ सिलेक्शन कमीशन(SSC) ने 1600 पदों पर बंपर भर्तियां निकाली हैं। इसके लिए 12वीं पास उम्मीदवार SSC की ऑफिशल वेबसाइट ssc.nic.in पर जाकर 8 जून तक ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। उम्मीदवारों को सिलेक्शन रिटन टेस्ट के आधार पर किया जाएगा। सिलेक्ट होने पर उन्हें हर महीने 19 हजार 900 रुपए से लेकर 81 हजार 100 रुपए तक सैलरी दी जाएगी।

आवेदन शुल्क : भर्ती प्रक्रिया में आवेदन करने के लिए कैंडिडेट्स को 100 रुपए आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं, महिला उम्मीदवारों, अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), विकलांग व्यक्तियों (PwD), और पूर्व सैनिकों (ESM) को किसी तरह का आवेदन शुल्क नहीं देना होगा। इन्हें छूट दी गई है।

आयु सीमा : उम्मीदवार की आयु कम से कम 18 साल और अधिक से अधिक 27 साल होनी चाहिए। वहीं, रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवार को सरकारी नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट दी गई है। इनमें एससी/एसटी कैटेगरी के उम्मीदवार को 5 साल की छूट दी गई है। ओबीसी उम्मीदवार को 3 साल की छूट मिलेगी।

सैलरी : उम्मीदवारों को सिलेक्शन पर हर महीने 19 हजार 900 रुपए से लेकर 81 हजार 100 रुपए तक सैलरी दी जाएगी।

इस तरह करें अप्लाई : उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन करने के लिए आधिकारिक वेबसाइट (https://ssc.nic.in.) पर जा सकते हैं क्योंकि आवेदन का कोई दूसरा तरीका स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यहां रजिस्टर पर क्लिक www.ssc.nic.in करें।

सभी आवश्यक डिटेल्स दर्ज करें।

एक बार 100 रुपए फीस का भुगतान करें। फिर सभी आवेदन प्रक्रियाओं की जांच लें कि आपने सही तरीके से आवेदन किया है या नहीं। शुल्क का भुगतान भीम यूपीआई, नेट बैंकिंग, वीजा, मास्टरकार्ड, मेस्ट्रो, रुपे कार्ड या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके ऑनलाइन किया जा सकता है।

गर्मियों में फ्लोरल प्रिंट्स से महकाएं खुद को

मौसम के हिसाब से फैशन में बदलाव होने लगा है, ऐसे में पहली पसंद फ्लोरल प्रिंट बन गया है। फ्लोरल यानि खूबसूरत रंग-बिरंगे फूलों वाला प्रिंट एक रिफ्रेशिंग लुक देता है। वैसे तो फ्लोरल प्रिंट का दौर बहुत पुराना है लेकिन यह हर बार एक नए लुक के साथ आता है। कॉटन, शिफॉन, रियॉन, जोर्जेट, लिनेन, सूती साटन फैब्रिक में फ्लोरल प्रिंट्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप कंफर्टेबल कपड़ों की तलाश में है तो आपके लिए फ्लोरल प्रिंट से जुड़े कुछ फैशन टिप्स लेकर आए हैं, जो गर्मियों के हिसाब से बिल्कुल परफेक्ट रहेंगे।

फ्लोरल ड्रेस

इन दिनों कोई ना कोई सेलेब फ्लोरल प्रिंट में नजर आ ही जाता है। यह प्रिंट मूड को फ्रेश तो रखता ही है साथ ही हमारे लुक को अट्रैक्टिव भी बनाता है। फ्लोरल शॉर्ट या लॉन्ग ड्रेस को आप कैरी करके किसी भी मौके पर अलग लुक अपना सकते हैं। इसमें पिंक, येलो, ऑरेंज, लैवेंडर, ऑलिव ग्रीन, जैसे पेस्टल कलर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

फ्लोरल स्कर्ट

फ्लोरल की खासियत यह भी है कि ये हर स्किन टोन पर खिलते हैं। फ्लोरल स्कर्ट भी लड़कियों की फेवरेट क्लोदिंग आइटम बन चुकी है। इस बेसिक टीज़ और टॉप से लेकर क्लासिक शर्ट के साथ आसानी से पेयर किया जा सकता है। गर्मी में यह बहुत ही ज्यादा कंफर्टेबल रहती है, बस ध्यान रखें कि अधिक भारी शरीर वाली महिलाओं पर ये उतनी अच्छी नहीं लगेगी।

फ्लोरल लहंगा

सिर्फ वेस्टर्न ही नहीं ट्रेडिशनल आउटफिट में भी फ्लोरल का बोलबाला है। अगर आप वेडिंग फंक्शन के लिए बेहतरीन ड्रेस की तलाश में हैं तो इस बार फ्लोरल लहंगा ट्राई करें। इसके लिए आप करिश्मा कपूर के इस लुक से इंस्पिरेशन ले सकती हैं। इस प्रिंट का आउटफिट भारी भरकम लहंगे के मुकाबले आरामदायक और मॉडर्न लुक देता है।

फ्लोरल ब्लाउज

आप एथनिक वियर के रूप में फ्लोरल ब्लाउज को कैरी कर सकती हैं। अगर आप इस तरह के ब्लाउज को प्लेन साड़ी के साथ पहन रही हैं तो कोशिश करें कि स्लीव्स में फ्लोरल प्रिंट विजिबल हो। साथ ही मेकअप व एक्सेसरीज को बेहद ही मिनिमल रखें। लहंगे के साथ फ्लोरल ब्लाउज पहनना है तो इसे इंडो-वेस्टर्न लुक में डिजाइन करें ताकि आपका लुक औरों से अलग और यूनिक दिखे।

फ्लोरल साड़ी

समर सीजन में फ्लोरल साड़ियां का चलन काफी बढ़ जाता है। गर्मी के दिनों में हल्के रंग और हल्की साड़ियां ही पसंद की जाती हैं, कुछ हटकर दिखने के लिए कंट्रास्ट कलर का ब्लाउज भी ट्राई कर सकते हैं। आप चाहें तो फ्लोरल प्रिंट में लीफ पैटर्न को भी मिक्स एंड मैच कर सकते हैं। इसे आप रेगुलर यूज साथ किसी का पार्टीज में आसानी से पहन सकती हैं।

फ्लोरल दुपट्टा

अगर आप किसी गेट टू गेदर या हाउसहोल्ड पार्टी में एक एलीगेंट व ग्रेसफुल लुक कैरी करने की सोच रही हैं तो फ्लोरल दुपट्टा आपके काम आ सकता है। इसे स्टाइल करने के भी कई ऑप्शन मौजूद हैं, ताकि आप हर बार एक अलग लुक कैरी कर सकें। कैजुअल में एक स्मार्ट लुक देने के लिए प्लेन व्हाइट सूट के साथ प्रिंटेड फ्लोरल दुपट्टे को पेयर किया जा सकता है। फ्लोरल दुपट्टा सिर्फ सूट के साथ ही लहंगे के साथ भी काफी जचता है।

28 साल के इस शख्स ने फोर्ब्स में खरीद ली 82 फीसदी हिस्सेदारी, 80 करोड़ डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। 28 साल के एक अरबपति ने फोर्ब्स मैग्जीन में एक बड़ी हिस्सेदारी खरीदी है।ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी कंपनी लुमिनार टेक्नोलॉजीज ने फोर्ब्स ग्लोबल मीडिया होल्डिंग्स में 82 फीसदी हिस्से को हासिल किया है।

मीडिया हाउस कंपनी की डील 800 मिलियन डॉलर में हुई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्टिन रसेल नाम के इस अरबपति के हिस्सेदारी में उनके परिवार के स्वामित्व वाली

कंपनी का शेष हिस्सा शामिल है, जिसने 2014 में कंपनी का 95 फीसदी हांगकांग स्थित निवेशक समूह इंटीग्रेटेड व्हेल मीडिया इंवेस्टमेंट को बेच दिया था।

रसेल की फोर्ब्स को लेकर बड़ी योजना

कंपनी के बयान के मुताबिक, रसेल फोर्ब्स ब्रांड के लिए एक दूरदर्शी के रूप में काम करने की योजना बना रहे हैं और दिन-प्रतिदिन के संचालन में शामिल नहीं होंगे।फोर्ब्स अमेरिकी मीडिया टेक्नोलॉजी और एआई एक्सपर्ट्स से मिलकर एक नया बोर्ड नियुक्त करने की योजना बना रहे हैं।इंटीग्रेटेड व्हेल एक बोर्ड सीट भी रखेगी।

लुमिनर टेक्नोलॉजीज के बारे में

रसेल बीसी फोर्ब्स की ओर से 1917 में स्थापित फोर्ब्स में हर दिन के संचालन में शामिल नहीं होंगे, और प्रकाशन की अमेरिकी मीडिया, टेक्नोलॉजी और एआई एक्सपर्ट के साथ एक नया बोर्ड नियुक्त करेंगे।बता दें कि रसेल की कंपनी लुमिनार टेक्नोलॉजीज के पास मौजूदा समय में 2.1 अरब डॉलर का मार्केट कैप है।पिछले एक दशक से लुमिनार ने अपने 50 से ज्यादा भागीदारों को सक्षम करने के लिए एक उन्नत हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म का निर्माण किया है।

अदाणी ट्रांसमिशन को बोर्ड ने दी बाजार से एक अरब डॉलर जुटाने की मंजूरी

इक्विटी शेयर बेचने की योजना

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। अदाणी समूह की ट्रांसमिशन कंपनी को इसके बोर्ड ने बाजार से एक अरब डॉलर (85 अरब रुपये) जुटाने की मंजूरी दी है।

इस संबंध में कंपनी ने शनिवार को कहा, अदाणी ट्रांसमिशन योग्य संस्थागत क्रेताओं (क्यूआईबी) व दूसरे मान्य तरीकों से इक्विटी शेयर बेचकर धन जुटाने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. और इसकी नवीकरणीय-ऊर्जा शाखा अदाणी ग्रीन एनर्जी लि. को भी धन जुटाने के प्रस्तावों पर विचार करने के लिए शनिवार को बोर्ड की बैठक आयोजित करनी थी, लेकिन ये बैठकें फिलहाल 24 मई तक स्थगित कर दी गई हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक तीनों कंपनियों के जरिये अदाणी समूह कुल 5 अरब डॉलर जुटाना चाहता है। जनवरी में अदाणी समूह के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग ने कई तरह के आरोप लगाए थे, जिसके बाद समूह की तमाम कंपनियों के शेयरों के मूल्यों में भारी गिरावट आई थी। अदाणी समूह ने हिंडनबर्ग के सभी आरोपों को खारिज कर मुकदमा दायर करने की चेतावनी दी थी। फिलहाल, इस मामले में जहां बाजार नियामक सेबी जांच कर रहा है, वहीं सुप्रीम कोर्ट ने भी एक विशेषज्ञ समूह को जांच का आदेश दिया है। इस सबके बीच अदाणी समूह के लिए मॉरिशस से अच्छी खबर यह आई कि वहां के वित्त मंत्री महेन कुमार सीरुत्तन ने अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए आरोपों को खारिज कर दिया।

संतरे के लिए अब नागपुर ही नहीं हिमाचल का भी नाम आएगा जुबां पर

1800 हेक्टेयर में होगी खेती

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ने हिमाचल प्रदेश उपोष्णकटिबंधीय बागवानी, सिंचाई और मूल्यवर्धन (शिवा) परियोजना के तहत संतरे के उत्पादन के लिए राज्य में 1,800 हेक्टेयर भूमि में खेती करने का प्रस्ताव किया है। यहां शनिवार को जारी बयान में बताया गया कि राज्य के बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने संतरे की खेती में माइक्रो-ग्राफ्टिंग तकनीक का अवलोकन करने के साथ साइट्रस पैथोलॉजी कार्यक्रम और राष्ट्रीय साइट्रस रिपॉजिटरी कार्यक्रम पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल इस समय परियोजना के हिस्से के रूप में ऑस्ट्रेलिया के छह दिवसीय दौरे पर है। हिमाचल प्रदेश शिवा परियोजना को एशियाई विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित किया गया है।खट्टे फल राज्य के मैदानी इलाकों में उगाए जाते हैं जहां अधिकतम तापमान 30 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की यह एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया से तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने और इस क्षेत्र में सुधार के मकसद से स्थानीय बागवानों का मार्गदर्शन करने के लिए इसका उपयोग किया जाएगा। इससे राज्य में उच्च गुणवत्ता वाले संतरे के पौधे तैयार करने में मदद मिलेगी। सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश कृषि-जलवायु परिस्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला से संपन्न है, जो बड़ी संख्या में सेब, खट्टे फल, आम, खुबानी जैसे फलों की फसलों के लिए वरदान साबित हुआ है। किसानों की आय के साथ ही पौधों की उत्तरजीविता दर बढ़ाने के लिए नई तकनीकों को अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी यात्रा के दौरान ऑस्ट्रेलिया में पादप स्वास्थ्य प्रबंधन के क्षेत्र में अपनाई जा रही स्क्रीनिंग, परीक्षण, सफाई और रखरखाव की आधुनिक तकनीकों का अवलोकन किया और उनका अध्ययन किया।

ट्विटर सीईओ: कंपनी को नई उंचाई पर ले जाएंगी नई सीईओ लिंडा याकारिनो!

ट्विटर 2.0 प्लान का किया खुलासा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। ट्विटर की नई सीईओ लिंडा याकारिनो के नाम का एलान हो चुका है। उन्होंने एलन मस्क को इस पोस्ट के लिए रिप्लेस किया है। ट्विटर का सीईओ बनने के बाद उन्होंने माइक्रो ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म को आगे बढ़ाने और बिजनेस को और मजबूत करने के लिए अपना प्लान शेयर किया है।लिंडा याकारिनो ने कहा कि एलन मस्क के फैसलों से वे इंस्पायर हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बदलने के लिए उत्साहित हैं।उन्होंने कहा कि एलन मस्क से ट्विटर की सीईओ पद के लिए पहले से बातचीत चल रही थी।वह एलन मस्क के विजन से प्रेरित हैं। लिंडा ने कहा कि इस विजन को ट्विटर पर लाने और इस व्यवसाय को एक साथ बदलने में मदद करने के लिए उत्साहित हूं!

ट्विटर को बढ़ाने के लिए मांगे सुझाव

लिंडा ने आगे कहा कि मेरे कुछ नए अनुयायी हैं। उन्होंने कहा कि ट्विटर के फ्यूचर को लेकर प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा किसी भी समस्या के लिए मैं उपलब्ध हूं।आइए बातचीत करते हैं और ट्विटर 2.0 को एक साथ बनाएं।उन्होंने लोगों से ट्विटर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिक्रिया मांगी है।

कई साल एनबीसीयूनिवर्सल से जुड़ी रहीं याकारिनो

याकारिनो एनबीसीयूनिवर्सल के एडवरटिजमेंट हेड के रूप में एड बिजनेस को आधुनिक बनाने में कई साल बिताए।याकिरिनो ने इसके कारोबार को नई मंजिल दी है।

याकारिनो यहां पर कई पोस्ट पर काम कर चुकी है।एलन मस्क ने गुरुवार को एलान किया था कि ट्विटर की नई सीईओ लिंडा याकारिनो होंगी।

एलन मस्क के ट्विटर खरीदने के बाद लिंडा याकारिनो दूसरी सीईओ हैं।

ट्विटर को विज्ञापन राजस्व में भारी नुकसान

मस्क के अधिग्रहण के बाद ट्विटर के राजस्व में भारी गिरावट हुई है, जिस कारण बड़ी संख्या में कर्मचारियों को निकाला गया है। 80 फीसदी कर्मचारियों के निकाले जाने के बाद ट्विटर की हालत और खराब हो चुकी है। रॉयटर्स के मुताबिक, पिछले वित्त वर्ष में ट्विटर विज्ञापन राजस्व में भारी नुकसान हुआ था।

देश में 6जी लाने की तैयारी हो गई शुरू

प्रधानमंत्री मोदी ने सिस्को को जिम्मेदारी सौंपी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। देश में 5जी के बढ़ते कवरेज के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6जी की कवायद शुरू कर दी है। उन्होंने नेटवर्किंग की विश्व स्तरीय कंपनी सिस्को से अगली पीढ़ी की दूरसंचार प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) शुरू करने के लिए कहा है ताकि लाखों लोगों को और सशक्त बनाया जा सके। कंपनी की मुख्य संचालन अधिकारी मारिया मार्टिनेज ने यह जानकारी दी। मार्टिनेज ने उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी तथा कंपनी के अन्य शीर्ष अधिकारियों की बातचीत का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि कैसे ये प्रौद्योगिकियां नवाचार और निर्माण में देश की मदद कर सकती हैं।

मार्टिनेज ने कहा, विभिन्न प्रौद्योगिकियों के लिए भारत को वैश्विक विनिर्माण और निर्यात केंद्र बनाने की उनकी महान प्रतिबद्धता को देखने के लिए प्रधानमंत्री और अन्य शीर्ष नेताओं से मिलना बहुत रोमांचक था। 5जी हमारे लिए और अधिक करने का एक बड़ा अवसर है-न केवल निजी के लिए क्षेत्र बल्कि बड़े पैमाने पर सभी आकार के उद्यमों के लिए भी। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने उनसे 6जी पर काम करने के लिए कहा क्योंकि 5जी के बाद प्रधानमंत्री पहले से ही इसका खाका तैयार कर रहे हैं।मार्टिनेज ने बताया, हमने 6जी को लेकर भी संयुक्त आरएंडडी के बारे में बात की। हम भारत सहित विश्व स्तर पर 5जी रोल-आउट देखकर बहुत उत्साहित हैं। हम 6जी को लेकर भी बहुत उत्साहित हैं। पीएम मोदी पहले ही इस बात पर जोर दे चुके हैं कि 6जी पहल इनोवेटर्स, इंडस्ट्रीज और स्टार्टअप्स के लिए नए अवसर पैदा करेगी। मार्च में उन्होंने एक विजन डॉक्यूमेंट जारी किया था जिसमें कुछ वर्षों में 6जी दूरसंचार सेवाओं को विकसित करने और लॉन्च करने की भारत की योजनाओं का विवरण दिया गया है।सिस्को सेवा मॉडल के रूप में निजी 5जी उपयोग मामलों के मौद्रीकरण के लिए भारत में दूरसंचार ऑपरेटरों के साथ भी काम कर रहा है। कंपनी 5जी के तेज विस्तार को देख रही है। दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो इन्फोकॉम और भारती एयरटेल तेजी से शहरों और कस्बों में 5जी रोलआउट कर रही हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष--	04-04 बजे
चंद्र-	मीन में	वृष--	05-48 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन..	07-48 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	10-02 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	12-14 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	14-20 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	16-25 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	18-36 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	20-49 बजे
		मकर..	22-56 बजे
		कुंभ...	00-46 बजे
		मीन ..	02-23 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-48** सूर्य अस्त- **18-37**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल .. पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - **01 -03** तक उपरान्त द्वादशी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष , सोमवार **May 15**
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद - **09- 08** - तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - विष्कुंभ - **01 - 28** - तक उप - प्रीति
करण- बव - **13 -53** - तक उप- बालव
विशेष:- अपरा एकादशी व्रत,स्मार्त वैष्णव
व्रत -त्योहार - सूर्य वृष मे **-11-45** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:22 से 08:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05:48 - 07:22 शुभ	चंचल.	18:37 - 20:03 शुभ
काल	07:22 - 08:59 अशुभ	रोग.	20:03 - 21:26 अशुभ
शुभ	08:59 - 10:36 शुभ	काल.	21:26 - 22:49 अशुभ
रोग	10:36 - 12:13 अशुभ	लाभ.	22:49 - 00:12 शुभ
उत्पात	12:13 - 13:49 अशुभ	उत्पात	00:12 - 01:36 अशुभ
चंचल	13:49 - 15:26 शुभ	शुभ	01:36 - 02:59 शुभ
लाभ	15:26 - 17:03 शुभ	अमृत.	02:59 - 04:22 शुभ
अमृत	17:03 - 18:37 शुभ	चंचल.	04:22 - 05:48 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

स्वास्थ्य अच्छा बना रहता है। आज कोई लेनदार आपके पास आ सकता है और आपसे कर्ज चुकाने के लिए कह सकता है। हालाँकि आप राशि चुका देंगे, लेकिन यह जीवन में आर्थिक तंगी पैदा कर सकता है। इसलिए आपको उधार लेने से बचने की सलाह दी जाती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

दांत दर्द या पेट खराब होना आपके लिए कुछ परेशानी खड़ी कर सकता है। तुरंत राहत पाने के लिए चिकित्सक की सलाह लें। जो व्यापारी काम के सिलसिले में घर से बाहर निकल रहे हैं उन्हें आज अपना धन किसी सुरक्षित स्थान पर जमा करके रखना चाहिए, चोरी होने की संभावना है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)

आप अपने आस-पास के लोगों को अत्यधिक मांग करने वाले पाएंगे- जितना आप कर सकते हैं उससे अधिक का वादा न करें- और केवल दूसरों को खुश करने के लिए खुद को थकाने के लिए तनाव न दें। आज के दिन आपको पैसों से जुड़ी समस्या आ सकती है और अपने पिता या पिता तुल्य व्यक्ति से सुझाव मांग सकते हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

लंबे समय से जीवन में चल रहे तनाव और तनाव से आपको राहत मिलेगी। उन्हें स्थायी रूप से दूर रखने के लिए अपनी जीवन शैली को बदलने का सही समय है। इस राशि के कुछ जातकों को आज संतान के माध्यम से आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व होगा।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा इसलिए अपने अच्छे स्वास्थ्य के लिए टहलने के लिए बाहर निकलें। आज आप पैसे जमा करने और बचाने का हुनर सीख सकते हैं और उसका सही इस्तेमाल कर सकते हैं। आपके बच्चे के पुरस्कार समारोह में निमंत्रण खुशी का स्रोत होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

समय-समय पर टूटने से आपको कुछ परेशानी हो सकती है। अपने तंत्रिका तंत्र को क्रियाशील रखने के लिए पूरा आराम करें। परिवार के छोटे सदस्यों का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, जिससे आपको स्थिति को संभालना होगा और काफी धन खर्च करना होगा। गृह-सुधार परियोजनाओं पर विचार किया जाना चाहिए।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपका बच्चों जैसा स्वभाव सामने आएगा और आप चंचलता के मूड में रहेंगे। अप्रत्याशित बिल आर्थिक बोझ बढ़ाएंगे। परिजनों के बीच पैसों के मामले में विवाद होने की संभावना है। आपको परिवार के सभी सदस्यों को वित्त और नकदी प्रवाह के बारे में स्पष्ट रहने की सलाह देनी चाहिए।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

आपकी जबरदस्त बौद्धिक क्षमता आपको विकलांगता से लड़ने में मदद करेगी। सकारात्मक विचार रखकर ही आप इस समस्या से लड़ सकते हैं। संयुक्त उद्यमों और संदिग्ध वित्तीय योजनाओं में निवेश न करें। पुराने संपर्कों और संबंधों को पुनर्जीवित करने के लिए दिन अच्छा है।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

कुछ अपरिहार्य परिस्थितियां आपको कुछ बेचैनी दे सकती हैं। लेकिन आपको अपना संतुलन बनाए रखने की कोशिश करनी चाहिए और स्थिति से निपटने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए। आज आपके सामने कई नई आर्थिक योजनाएँ आएंगी- कोई भी वादा करने से पहले अच्छे-बुरे पर विचार कर लें।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

तनाव दूर करने के लिए कोई सुखदायक संगीत सुनें। अगर आपको लगता है कि आपका पैसा बिना किसी अच्छे कारण के खर्च हो रहा है तो आज आपको एक सही और प्रभावी बजट योजना बनाने की जरूरत है। आपका कोई करीबी बेहद अप्रत्याशित मूड में रहेगा।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

जैसे-जैसे आप दूसरों के साथ खुशी के पल साझा करेंगे, आपका स्वास्थ्य भी खिलेगा। लेकिन सावधान रहें क्योंकि इसे नज़रअंदाज करना बाद में आपको परेशान कर सकता है। जैसा कि आपने अतीत में बहुत खर्च किया है, आपको अपने वर्तमान में इसके परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

मोतियाबिंद के रोगियों को प्रदूषित वातावरण में जाने से बचना चाहिए क्योंकि धूम्रपान आपकी आँखों को और नुकसान पहुँचा सकता है। हो सके तो धूप के ज्यादा संपर्क में आने से बचें। यदि आपने अपने परिवार के किसी सदस्य से कुछ धन उधार लिया था तो उसे आज ही लौटा देना उत्तम होगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

जी-7 : वित्तीय नेतृत्व का मुद्रास्फीति नियंत्रण व आपूर्ति श्रृंखला पर जोर, चीन का खुलेतौर पर जिक्र नहीं

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। निगातादुनिया के अमीर देशों के समूह जी-7 के शीर्ष वित्तीय नेतृत्व ने शनिवार को यूक्रेन के समर्थन व रूसी हमलों के विरुद्ध उस पर प्रतिबंध लागू रखने का संकल्प लिया। हालांकि उन्होंने चीन का खुलेतौर पर जिक्र नहीं किया। इसके साथ खत्म हुई जी-7 के वित्त मंत्रियों व बैंक प्रमुखों (वित्तीय नेतृत्व) की बैठक में अमेरिकी ऋण संकट, बढ़ती महंगाई पर चिंता व मुद्रास्फीति नियंत्रण पर प्रतिबद्धता जताई गई। इस तीन दिनी वार्ता में सभी ने स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों के विकास के लिए स्थिर और विविध आपूर्ति श्रृंखलाओं के निर्माण में सहयोग के लिए विश्व स्तर पर आर्थिक लचीलापन बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी जताई।

भारतीय हवाईअड्डों पर आने वाली है पैसेंजर्स की बाढ़?

सरकार करने जा रही है ये बड़ी तैयारी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। बढ़ते किरायों के बावजूद क्या भारतीय हवाई अड्डों पर यात्रियों की बाढ़ आने जा रही है। आप अपनी अगली हवाई यात्रा की तैयारी कर रहे हैं या नहीं, लेकिन सरकार ने इसे लेकर तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली मुंबई जैसे देश के प्रमुख हवाईअड्डों पर भीड़भाड़ नहीं हो, यह सुनिश्चित करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने हवाईअड्डा संचालकों से कहा कि वे परेशानी मुक्त बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए अपने क्षमता और स्थान की जरूरतों का गहन आंतरिक विश्लेषण करें। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राष्ट्रीय राजधानी में हवाईअड्डे और एयरलाइन ऑपरेटरों के साथ बैठक के दौरान पीक यात्रा अवधि के दौरान हवाई अड्डों पर भीड़भाड़ से संबंधित मुद्दों और आवश्यक उपायों पर चर्चा की। सूत्रों ने कहा कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के कदमों, विशेष रूप से हवाईअड्डों पर पीक ऑवर ट्रैफिक से निपटने के साथ-साथ क्षमता विस्तार के कदमों पर भी विचार-विमर्श किया गया। हवाई अड्डे के संचालकों को अन्य कारकों के साथ-साथ यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि वे अपने थ्रूपुट और स्थान की आवश्यकताओं का गहन आंतरिक विश्लेषण करें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी बिंदु पर कोई रुकावट न हो। हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि अनुमानों को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे और प्रक्रियाओं के लिए एक रोडमैप पर विचार-विमर्श करने के लिए एयरलाइन और हवाई अड्डे के ऑपरेटरों के साथ मुलाकात की। सिंधिया ने एक ट्वीट में कहा, पूरे सरकार के दृष्टिकोण के साथ, हम भारत के प्रमुख मेट्रो हवाई अड्डों पर त्वरित और सुचारू प्रोसेसिंग की सुविधा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

सूत्रों ने यह भी कहा कि यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि पीक आवर्स के दौरान भी एयरलाइंस अपनी अधिकतम क्षमता से परिचालन कर सकें। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है।

एसबीआई समेत इन बैंकों के पास बेशुमार दौलत जानिए भारत के 10 बैंकों की कुल संपत्ति

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। वहीं प्राइवेट सेक्टर बैंक एचडीएफसी के पास 2,122,934 करोड़ रुपये की कुल दौलत है।एचडीएफसी बैंक के पास पूरे देश में 30 जून 2022 तक 6,378 ब्रांचेज हैं कुल एटीएम 16,087 हैं।बैंक ऑफ बड़ौदा के पास कुल संपत्ति 11.55 लाख करोड़ रुपये है।इसके ब्रांच भारत में 2020 के आंकड़े के मुताबिक 8,214 है और एटीएम 10,033 है। बैंक ऑफ इंडिया के पास 2021 के डाटा के मुताबिक, 725,856.45 करोड़ रुपये है।देश में इसके ब्रांच 5,430 मार्च 2021 में था और एटीएम 5,551 थे। वहीं पंजाब नेशनल बैंक के पास कुल दौलत 1,279,725 करोड़ रुपये है और देश में ब्रांच 2021 के अुनसार 10,530 है।एटीएम पूरे देश में 13,506 है।साल 2022 में आईसीआईसीआई बैंक के पास कुल संपत्ति 17.53 लाख करोड़ रुपये थी। इस बैंक के पास 5,275 ब्रांच और पूरे देश में 13463 एटीएम है।एक्सिस बैंक का एटीएम पूरे देश में 10,990 और ब्रांच 4,096 है।वहीं दौलत 11,75,178 करोड़ रुपये है।कोटक महिंद्रा बैंक के पास कुल संपत्ति 4.79 लाख करोड़ रुपये है। इसकी देश में 1700 ब्रांच और 2705 एटीएम मशीन हैं।

सातवें आसमान से लुढ़का सोना

दिल्ली-मुंबई-कोलकाता से इंदौर तक रेट गिरे

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। अगर आप भी सोना, चांदी या फिर इसके गहने खरीदना चाहते हैं तो आपके लिए बहुत अच्छी और जरूरी खबर है। सोने और चांदी के दाम में एकबार फिर बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस कारोबारी हफ्ते के पांचवे और आखिरी दिन शुक्रवार को 600 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2600 रुपये प्रति किलो की दर से भी ज्यादा सस्ती हुई। इससे खरीददार काफी खुश नजर आ रहे हैं। शनिवार और रविवार को छुट्टी के कारण सोने-चांदी का नया रेट सोमवार को जारी होगा। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोशिएशन (आईबीजेए) की बेवसाइट के अनुसार शुक्रवार (12 मई 2023) को सोना 621 रुपये प्रति दस ग्राम की दर से सस्ता होकर 60964 रुपये प्रति दस ग्राम के स्तर पर कारोबार कर बंद हुआ। जबकि पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को सोना 90 रुपये महंगा होकर 61585 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था। शुक्रवार को सोने के साथ-साथ चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को चांदी 2695 रुपये की सस्ता होकर 72040 रुपये प्रति किलो के स्तर पर कारोबार कर बंद हुई। जबकि पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को चांदी 1466 रुपये सस्ता होकर 74795 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।इस गिरावट के बाद सोना अपने ऑलटाइम हाई से करीब 682 रुपये प्रति 10 ग्राम रुपये सस्ता बिक रहा है। गौरतलब है कि सोने ने अपना ऑलटाइम हाई 61646 रुपये प्रति दस ग्राम 4 मई 2023 को बनाया था। वहीं चांदी 7940 रुपये प्रति किलो की दर से सस्ता मिल रहा है। चांदी का अबतक का उच्चतम स्तर 79980 रुपये प्रति किलो है।

विदेशी निवेशकों की दिवानगी शेयर बाजार को लेकर बढ़ी

मई में अब तक 23,152 करोड़ निवेश किए

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के प्रति विदेशी निवेशकों का आकर्षण लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका असर उनके निवेश पर दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों में दिलचस्पी दिखाते हुए 23,152 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में और वृद्धि की गुंजाइश घटने, मजबूत वृहद आर्थिक परिदृश्य और कंपनियों के तिमाही नतीजे बेहतर रहने के बीच विदेशी निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार की तरफ आकर्षण बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इसके साथ ही एफपीआई 2023 में 8,572 करोड़ रुपये के साथ शुद्ध लिवाल बन गए हैं। सैंक्टम वेल्थ के उत्पाद एवं समाधान सह-प्रमुख मनीष जेलोका ने कहा, ''आगे चलकर शेष माह में भी एफपीआई प्रवाह मजबूत रहने की उम्मीद है, क्योंकि अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े उम्मीद के अनुरूप रहे हैं।'' जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''रुपया मजबूत बना हुआ है और निकट भविष्य में डॉलर में गिरावट की संभावना है। ऐसे में एफपीआई भारत में लिवाली जारी रखेंगे। भारत के वृहद संकेतकों में सुधार से भी यहां प्रवाह बढ़ेगा।''

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने दो-12 मई के दौरान भारतीय शेयर बाजार में 23,152 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। इससे पहले अप्रैल में उन्होंने शेयरों में 11,630 करोड़ रुपये और मार्च में 7,936 करोड़ रुपये डॉले थे।

जेडीएस के 5% वोट से कांग्रेस ने बाजी पलट दी

1. कांग्रेस ने 80 नई सीटें जीतीं, इनमें 75 सीटें बीजेपी-जेडीएस से छीनी

2. कर्नाटक के 6 में से 4 रीजन में कांग्रेस अव्वल, 2 में बीजेपी

3. कर्नाटक को राजनीतिक रूप से 6 भागों में बांटा जाता है

बैंगलूरू, 14 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कर्नाटक चुनाव में बजरंगबली बीजेपी के काम तो न आ सके, लेकिन कांग्रेस को बहुमत दिला गए। कर्नाटक की 224 विधानसभा सीटों में कांग्रेस ने 135 सीटें जीतीं। बीजेपी 66 और जेडीएस 19 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस ने 2018 के मुकाबले 2023 में 80 नई सीटें जीती हैं। कर्नाटक चुनाव नतीजों को लेकर पडताल..?

बेंगलुरु कर्नाटक में बीजेपी की 6 सीटें बढ़ीः ये बेंगलुरु और आस-पास का इलाका है। यहां बीजेपी, कांग्रेस और जेडीएस तीनों पार्टियां जीतती रही हैं। 2023 के नतीजों में इस इलाके में जेडीएस को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। यहां से जेडीएस की 6 सीटें कम हो गईं, वहीं बीजेपी की 6 सीटें बढ़ गईं।

बाम्बे कर्नाटक में बीजेपी को 14 सीटों का नुकसानः लिंगायत बहुल ये इलाका बीजेपी का गढ़ माना जाता है। 2023 के नतीजों में बीजेपी को यहां 14 सीटों का नुकसान हुआ है, वहीं कांग्रेस को 16 सीटों का फायदा हुआ है।

सेंट्रल कर्नाटक में बीजेपी को 17 सीटों का नुकसानः 2018 में बीजेपी यहां सबसे ज्यादा सीटें जीती थी, लेकिन 2023 के चुनाव में बीजेपी को यहां से सबसे ज्यादा 17 सीटों का नुकसान हुआ। कांग्रेस ने 2018 के मुकाबले दोगुनी से ज्यादा सीटें जीतीं।

कोस्टल कर्नाटक में बीजेपी को 5 सीटों का नुकसानः इस इलाके में भी बीजेपी को 5 सीटों का नुकसान हुआ है और कांग्रेस को 5 सीटों का फायदा।

हैदराबाद कर्नाटक में कांग्रेस को बढ़तः इस इलाके में बीजेपी की सीटें 12 से घटकर 9 रह गई हैं और कांग्रेस की सीटें 15 से बढ़कर 19 हो गई हैं।

ओल्ड मैसूरु में जेडीएस को 11 सीटों का नुकसानः वोक्कालिगा बहुल ये इलाका जेडीएस का गढ़ रहा है। 2023 के नतीजों में यहां से जेडी (एस) को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। उसकी सीटें 24 से घटकर महज 13 रह गई हैं। यहां कांग्रेस को सबसे ज्यादा फायदा मिला। इसी इलाके में राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा की थी।

बीजेपी ने 224 विधानसभा सीटों पर 72 नए चेहरे उतारे। 6 मंत्री-पूर्व मंत्री के साथ ही 21 विधायकों के टिकट काट दिए गए। इसमें पूर्व सीएम और डिप्टी सीएम के नाम भी शामिल थे। यह सब कुछ एंटी इनकम्बेंसी कम करने के लिए किया गया था, लेकिन नतीजे बता रहे हैं कि इतने नए चेहरे उतारने के बाद भी एंटी इनकम्बेंसी का असर कम नहीं हुआ।

पार्टी ने एक फैमिली से एक ही व्यक्ति को टिकट का फॉर्मूला भी लागू किया। ये भी बेअसर रहा। बीजेपी में टिकट बंटवारे में सिर्फ एक-दो लोगों की सुनी गई। इसमें बीएल संतोष और प्रहलाद जोशी शामिल थे। येदियुरप्पा को साइडलाइन कर दिया गया था। वहीं, कांग्रेस में बीजेपी समेत अन्य दलों से आए 23 में से 16 प्रत्याशी चुनाव जीत गए।

राहुल की भारत जोड़ो यात्रा कर्नाटक में 21 दिन चली, 7 जिलों से गुजरी। इन जिलों में 51 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 37 सीटें कांग्रेस ने जीत ली है। यानी 72% का स्ट्राइक रेट। ये 2018 से दोगुने से भी अधिक है। 2018 के विधानसभा चुनाव में यहां कांग्रेस 15 सीटें जीत पाई थी। बीजेपी ने 17, जेडीएस ने 14 और बाकी बची 2 सीट अन्य के पास थी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने जिन 20 जिलों में रैलियां और जनसभाएं की, वहां कुल 164 विधानसभा सीटें हैं। 2023 चुनाव में बीजेपी ने यहां 55 सीटें जीती। यानी स्ट्राइक रेट करीब 33% है। यहां की 19 सीटों पर जेडीएस और 90 सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली है।

बीजेपी कम्युनिटी को साध नहीं पाई, लिंगायत बंट गए

तीन दशकों से बीजेपी को वोट दे रहे लिंगायत वोट इस बार बीजेपी-कांग्रेस में बंट गए। करीब 50% लिंगायत वोट कांग्रेस की तरफ जाते दिख रहे हैं। एससी-एसटी के तो 80% से ज्यादा वोट कांग्रेस को गए हैं। इसकी एक बड़ी वजह बोम्मई सरकार की रिजर्वेशन पॉलिसी का फेल होना रहा।

राज्य सरकार ने शेड्यूल कास्ट को मिलने वाले आरक्षण को इस वर्ग की अलग-अलग जातियों में बांट दिया। जिसका बंजारा और भोवी समुदाय ने विरोध किया था। मुस्लिमों का आरक्षण खत्म कर लिंगायत-वोक्कालिगा को दिया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। नतीजों में अलग-अलग कम्युनिटी के लोगों की नाराजगी साफ दिख रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी पर बयान देते हुए कहा, 'मोदी एक जहरीले सांप की तरह हैं। आप इसे जहर समझें या न समझें लेकिन अगर आप इसे चखेंगे तो मर जाएंगे।' बीजेपी नेता तेजस्वी सूर्या ने भी इसे कर्नाटक चुनाव का महत्वपूर्ण मोड़ बताया, लेकिन यह मुद्दा 24 से 48 घंटों तक ही सुर्खियों में रहा।

हिजाब बैन का पूरे चुनाव में कोई असर नहीं दिखा। पीएम ने यह भी कहा कि 91 बार कांग्रेस ने मुझे तरह-तरह की गालियां दीं, लेकिन बयान का इम्पैक्ट नजर नहीं आया। 'लोग महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से इतना परेशान थे कि इन बयानों का उन पर कोई असर नहीं हुआ। बोम्मई गवर्नमेंट के खिलाफ जो गुस्सा था, उसके सामने हिंदुत्व की राजनीति फेल साबित हुई।'

मुंबई कर्नाटक में आने वाले बेलगावी के ठेकेदार संतोष पाटिल की मौत के बाद अप्रैल 2022 में 40% कमीशन विवाद शुरू हुआ। पाटिल ने अपने सुसाइड नोट में बीजेपी नेता केएस ईश्वरप्पा पर एक सरकारी योजना के लिए 40% कमीशन की मांग करने का आरोप लगाया था। कर्नाटक कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने भी आरोप लगाया था कि ज्यादा कमीशन देना मजबूरी हो गया है।

उन्होंने पीएम मोदी को लेटर भी लिखा था, लेकिन बीजेपी इस पर कोई एक्शन लेते नहीं दिखी और कांग्रेस हमलावर हो गई। सितंबर 2022 में कांग्रेस ने पेसीएम कैंपेन शुरू कर दिया। सीएम बोम्मई के चेहरे के साथ क्यूआर कोड लगाकर फोटो चस्पा की गई। कैंपेन के आखिरी दिन तक कांग्रेस ने इस मुद्दे को छोड़ा नहीं।

बसवराज बोम्मई ने सीएम बनने के बाद एक भी स्ट्रिक्ट एक्शन नहीं लिया। करप्शन की तमाम शिकायतें उन तक पहुंचाई गईं, लेकिन उन्होंने हमेशा यही कहा कि इसकी जांच करवाएंगे। चंदारगी कहते हैं- कांग्रेस नेता सिद्धारमैया तक के खिलाफ करप्शन की शिकायत हुई थी, लेकिन बोम्मई ने कोई एक्शन नहीं लिया।

कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन की शिकायत पीएम मोदी तक पहुंच गई, फिर भी कुछ नहीं हुआ। एडमिनिस्ट्रेशन एक तरह से गिर चुका था। हर जगह करप्शन का खेल चल रहा था। इसी ने बीजेपी को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया।

राज्यः फिलहाल देश में 30 विधानसभाएं हैं। इनमें 2 केंद्र शासित प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी भी हैं। कर्नाटक के नतीजों के बाद बीजेपी अब 15 प्रदेशों में सत्ता में हैं। इनमें भी अपने बूते पर सिर्फ 9 प्रदेशों की सत्ता में हैं। बाकी 6 प्रदेशों में गठबंधन साथियों के साथ। इनमें से कोई भी दक्षिण भारत का राज्य नहीं।

कर्नाटक की हार के बाद दक्षिण के 5 में से किसी राज्य में बीजेपी सरकार नहीं। दक्षिण भारत के 5 राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश से कुल 130 लोकसभा सांसद आते हैं। इनमें बीजेपी के केवल 29 सांसद है। इनमें भी 25 सांसद कर्नाटक से और 4 तेलंगाना से हैं।

दक्षिण भारत के इन राज्यों की विधानसभाओं में कुल 923 विधायक हैं। कर्नाटक चुनाव से पहले तक इनमें से भी बीजेपी के पास कुल 135 विधायक थे। कर्नाटक में बीजेपी के 40 विधायक कम होने के बाद यह आंकड़ा भी घटकर 95 का बचा है।

2018-19 में राजनीतिक तौर पर बीजेपी ने चरम छुआ था, तब 21 राज्यों में बीजेपी या सहयोगी पार्टियों की सरकार थी। पिछले चुनाव में 303 सीटें हासिल करने वाली बीजेपी 14 राज्यों में अधिकतम सीटें हासिल करने की स्थिति में पहुंच चुकी है।

इन राज्यों में गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल, त्रिपुरा और हरियाणा की सभी सीटें बीजेपी के पास हैं। जबकि कर्नाटक में 28 में 25, मध्य प्रदेश में 29 में 28, बिहार में गठबंधन में 40 में 39, महाराष्ट्र में गठबंधन में 48 में से 41 सीटें जीती थीं। यूपी में 80 में 64, झारखंड में 14 में 12 और छत्तीसगढ़ में 11 में 9 सीटें बीजेपी के पास हैं। मतलब इन राज्यों में पार्टी अधिकतम प्रदर्शन कर चुकी है। कुल मिलाकर आगे नुकसान को देखते हुए बीजेपी को बंगाल, बिहार, तेलंगाना, कर्नाटक और ओडिशा में अपनी सीटें बढ़ने की उम्मीद थी।

अब कर्नाटक में हार से पार्टी को झटका लगा है, जबकि ओडिशा में नवीन पटनायक अब तक अपराजेय हैं। जदयू के अलग होने से बिहार में पुराना प्रदर्शन दोहराना संभव नहीं है। पिछले चुनाव में बंगाल में बीजेपी 18 और तेलंगाना में 4 सीटें जीती थी। अगर ममता कांग्रेस के साथ जाती हैं, तो वहां भी बीजेपी को मुश्किल होगी। कुल मिलाकर आगे इन 5 राज्यों में बीजेपी के सामने बड़ी चुनौती है।

एयरपोर्ट में हुई बैठक में जमकर हंगामा

भाजपा नेता सलीम राज ने विधायक सत्यनारायण शर्मा की ओर फेंकी फाइल, सांसद सुनील सोनी भी रहे मौजूद

रायपुर, 14 मई (एजेंसियां)। शनिवार को रायपुर एयरपोर्ट में सलाहकार समिति की बैठक हुई। इस बैठक में बीजेपी के नेता और कांग्रेस विधायक आपस में भिड़ गए। सांसद सुनील सोनी के सामने ऐसा हंगामा हुआ कि हर कोई दंग रह गया।

विवाद, सलाहकार समिति के सदस्य भाजपा नेता डॉक्टर सलीम राज और कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण शर्मा के बीच हुआ। जिस वक्त हंगामा हुआ बैठक में एयरपोर्ट अथॉरिटी, अलग-अलग एयरलाइंस के अधिकारी, रायपुर के एसएसपी प्रशांत अग्रवाल भी बैठक में मौजूद थे।

किस पर हुआ जमकर हंगामा

भाजपा नेता सलीम राज ने पार्किंग ठेकेदार की मनमानी और अवैध वसूली का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट आने वाले यात्रियों को गाड़ी पार्क करने सामान उतारने और अपने किसी परिजन को छोड़ते हुए 2 से 3 मिनट लगते हैं। इतने से समय का भी पार्किंग ठेकेदार पैसे वसूलने लगता है। जबकि इससे पहले हुई बैठक में तय किया जा चुका था कि 5 मिनट तक के समय का कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, मगर इसके बावजूद वसूली की जा रही है और इस पर किसी का नियंत्रण नहीं है।

नाराजगी भरे लहजे में जब सलीम राज यह बातें कहने लगे तो विधायक सत्यनारायण शर्मा कहने लगे धीरे बात करिए यह सुनकर सलीम नाराज हो गए उन्होंने कहा मेरी आवाज ही ऐसी है। सलीम राज ने कहा कि बैठक में सीआईएसएफ के अधिकारी नहीं पहुंचे हैं , उन्होंने भाटिया सरनेम के शराब कारोबारी का जिक्र करते हुए कहा कि जब यह शराब ठेकेदार एयरपोर्ट पर आता है तो सीआईएसएफ के लोग उसे गार्ड करते हुए अंदर बाहर ले जाते हैं। उसका सामान उठाते हैं आखिर यह किस प्रोटोकॉल के तहत होता है।

सत्यनारायण शर्मा के द्वारा टोके जाने पर सलीम राज भड़क उठे उन्होंने कहा कि जब जनता से जुड़े मुद्दों पर इस बैठक में चर्चा नहीं हो सकती तो मुझे सलाहकार समिति का सदस्य नहीं बनना, उन्होंने फाइल उठाकर सतनारायण शर्मा की ओर फेंक दी पानी का गिलास भी गिर गया। बैठक में मौजूद सभी लोग हैरान रह गए । सलीम राज ने कहा कि मैं इस समिति से इस्तीफा देता हूं और वह हॉल से बाहर निकल गए। सांसद सुनील सोनी और बैठक में मौजूद अन्य लोग सलीम राज को रोकने का प्रयास करते रहें मगर वह नहीं रुके।

बैठक में तय एजेंडों का पालन एयरपोर्ट में नहीं किया जाता। जिसकी वजह से यात्रियों को असुविधा होती है। एयरपोर्ट में एंट्री के लिए सिर्फ एक गेट खोला गया है। इसी में वीआईपी मूवमेंट भी होता है और सुबह के वक्त जब भीड़ ज्यादा होती है तब लंबी लाइन एंट्री के लिए लगी होती है। लेकिन दूसरा गेट नहीं खोला जाता। इस तरह के मुद्दों पर मैंने बैठक में कई बार उठाया मगर इन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। इस वजह से मैंने सदस्यता छोड़ने का फैसला किया है।

नई उड़ानों को लेकर चर्चा

हंगामे के कुछ देर बाद बैठक में सामान्य चर्चा भी हुई। एयरलाइन से जुड़े अधिकारी पहुंचे और एयरपोर्ट अथॉरिटी के अफसरों की मौजूदगी में नई उड़ानों को लेकर चर्चा भी हुई , हालांकि रायपुर के कलेक्टर और सीआईएसएफ के प्रमुख अधिकारियों के इस बैठक में न होने की वजह से कोई फैसला नहीं हो सका। इस बात पर भी भाजपा नेता सलीम ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि जब जिम्मेदार अधिकारी इस बैठक में आते ही नहीं और इस बैठक में कोई फैसला ही नहीं लिया जा सकता तो इस बैठक का कोई औचित्य नहीं। हालांकि सांसद सुनील सोनी इस बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में चर्चा के दौरान तय किया गया कि मौजूदा पार्किंग विवाद को सुलझाने ठेकेदार को निर्देश दिए जाएंगे, 5 मिनट तक एयरपोर्ट में आने वालों से कोई भी वसूली नहीं होगी। नियमों का पालन न करने पर ठेकेदार को ब्लैक लिस्ट किया जाएगा।

इंडिगो एयरलाइंस के अफसरों ने बैठक में बताया कि लखनऊ की 24 मई तक बंद उड़ान को जल्द ही शुरू किया जाएगा। समिति की अध्यक्षता कर रहे सांसद सुनील सोनी ने इंटरनेशनल उड़ानों के लिए रनवे के निरीक्षण की बात बताई। उन्होंने कहा कि 24 मई के बाद केंद्र के अफसर इसकी जांच के लिए आ सकते हैं। इस रनवे से रायपुर में इंटरनेशनल उड़ानें शुरू करने की भी तैयारी है।

सावित्रीबाई फुले किशोरी योजना में भारी घपला

नाम लाभुक का और खाता नंबर अपना देकर अफसरों ने हड़पे छात्राओं के पैसे

रांची, 14 मई (एजेंसियां)। आईएएस अधिकारी छवि रंजन के समाज कल्याण निदेशक रहते सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में करोड़ों रुपए का घपला हुआ है। प्रारंभिक जांच में साहिबगंज जिले के बड़हरवा, पतना, बरहेट, राजमहल और मंडरो प्रखंड में ही 65 लाख रुपए की गड़बड़ी पकड़ी गई है। यह गड़बड़ियां 829 खातों में हुई हैं। बाल विकास परियोजना कार्यालय पतना की पर्यवेक्षिका तनु पंडा के बैंक खाते की जांच से पता चला कि उन्होंने खुद लाभुक बनकर अपने खाते में दर्जनों बार पैसे डलवाए। ऐसे ही समाज कल्याण विभाग के कई अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी बच्चियों के पैसे अपने रिश्तेदारों के खाते में ट्रांसफर कर दिए।

समाज कल्याण निदेशालय के एक वरीय अधिकारी ने बताया कि लगभग हर जिलों में ऐसी गड़बड़ियां हुई हैं। साहिबगंज के अलावा पाकुड़, दुमका, गोड्डा, देवघर, गढ़वा, गिरिडीह आदि जिलों से भी ऐसी शिकायतें मिली हैं। इसके पीछे एक बड़ा सिंडिकेट काम कर रहा है। अगर, ईमानदारी से जांच हो तो यह घोटाला करोड़ों का निकल सकता है।

जिला समाज कल्याण के अधिकारी खुद लाभुक बन गए। उन्होंने अपने खाते में ही पैसे ट्रांसफर करा लिए। 2. अधिकारियों के अपने रिश्तेदारों को लाभुक बनाकर उनके खाते में पैसे ट्रांसफर करवा दिए। 3. नाम तो बच्चियों के दिए, पर खाता नंबर खुद का दे दिया। 4. पहले बच्चियों के खातों में 2 से 4 बार रुपए भेज दिए गए। फिर यह कहकर उनसे पैसे ले लिए कि गलती से खाते में पैसे चले गए हैं। ये पैसे अधिकारियों ने खुद ले लिए।डिकेट काम कर रहा है। अगर, ईमानदारी से जांच हो तो यह घोटाला करोड़ों का निकल सकता है।

38 लाख की रिकवरी, पर्यवेक्षिका पर केस दर्ज

साहिबगंज के डीसी रामनिवास यादव ने कहा- जिले के पांच प्रखंडों में 65 लाख रुपए की गड़बड़ी मिली है। इनमें से 38 लाख रुपए की रिकवरी हो चुकी है। महिला पर्यवेक्षिका के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। उनके खिलाफ सोमवार को विभाग को रिपोर्ट भेजी जाएगी। सूत्रों का कहना है कि केस दर्ज होने के बाद योजना से जुड़े अधिकारियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

अब सभी जिलों में होगी जांच : सचिव

समाज कल्याण सचिव केएन झा ने कहा-साहिबगंज में गड़बड़ी पकड़ी गई है। अन्य जिलों में भी जिलों में भी जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारियों से कहा है कि लाभुकों की पहचान कर यह जांच करें कि उनके खाते में कितनी बार पैसे भेजे गए। कहीं दूसरे के खाते में तो पैसे नहीं गए। अभी यह रिपोर्ट नहीं आई है।

यात्री बस में मिला 21 किलो सोना

गांजे के जैसे पैकेट में भरकर मुंबई और जयपुर भेजा जा रहा था; पुलिस ने व्यापारियों को लौटाया

दुर्ग, 14 मई (एजेंसियां)। रायपुर से दुर्ग के लिए आ रही यात्री बस में दुर्ग पुलिस ने 21 किलो सोना जब्त किया है। पूरा सोना गांजे की तरह बंडल में पैक करके एक बैग में भरा हुआ था। सराफ एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश सांखला ने पूरा सोना रायपुर के सराफा व्यापारियों का बताया है। दुर्ग पुलिस ने बिल देखकर सोना व्यापारियों के हवाले कर दिया है। लेकिन पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आखिर इतनी मात्रा में सोना एक यात्री बस से इतनी लापरवाही पूर्वक कैसे ले जाया जा रहा था। दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने बताया, 13 मई को दोपहर 3 बजे नवीन ट्रेवल्स के कंडक्टर ने दुर्ग कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि, बस में गांजा सप्लाई किया जा रहा है। एक काले रंग के बैग में कई बंडल में पैकेट बनाकर उसे रखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस बस स्टैंड दुर्ग पहुंची। पुलिस ने बस में रखे बैग

को चेक किया तो वो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उस बैग में लगभग 15 करोड़ रुपए कीमत का 21 किलो सोना रखा हुआ था। पुलिस ने तुरंत पूरे सोने को जब्त किया और थाने ले आई। इसके बाद सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश सांखला थाने पहुंचे। उनके साथ रायपुर के सन एन सन ज्वेलर्स और गोल्छा ब्रदर्स के संचालक भी वहां पहुंचे। उन्होंने पूरे सोने का बिल दिखाया और बताया कि ये सोना मुंबई और जयपुर जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने सोना उनके हवाले कर दिया। पुलिस बता रही अलग-अलग सरफा व्यापारियों का सोना

दुर्ग पुलिस के मुताबिक बस में रखे बैग में 7 अलग - अलग पार्सल में सोना पाया गया। 2 पार्सल खुले थे। इन पैकेट में सोने के जेवरात और कच्चा सोना भरा हुआ था। तौल करने पर कुल सोने का वजन 21.6 किलोग्राम पाया गया। पूछताछ करने पर पूरा सोना रायपुर और राजनांदगांव के अलग-अलग सराफा व्यापारियों का बताया गया। जिनकी मुंबई, सूरत, कोलकाता और जयपुर में डिलीवरी होनी थी। दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने इस बड़ी लापरवाही बताया है। रायपुर के सराफा व्यापारियों को सलाह दी गई है कि इतनी महंगी धातु को इतनी बड़ी मात्रा में बस के द्वारा कूरियर को आगे न भेजा जाए नहीं तो चोरी होने के साथ और भी बड़े अपराध हो सकते हैं।

सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश सांखला ने बताया कि रिप्लेसमेंट वाला सोना बांम्बे जा रहा था। पूरे सोने का बिल बाउचर था। नवीन ट्रांसपोर्ट के जरिए उसे भेजा जा रहा था। पुलिस ने उसे पकड़ा और बिल से वेरीफाई करके उसे छोड़ दिया है। कूरियर के दौरान पैकेट के अंदर बिल भी था और उसमें वैल्यू लिखा था। कूरियल के दौरान किसी को यह नहीं बताया जाता है कि सोने का सामान है। नहीं तो अपराध भी हो सकता है।कार्गो वाले अभी माल ले नहीं जा रहे हैं। कूरियल फ्लाइट बंद होने के चलते मजबूरी में बस से सोना भेजा जा रहा था।

दो साल पहले हुई थी छापेमारी

दो साल पहले भी डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस की टीम ने दुर्ग में छापेमारी की थी और सराफा कारोबारी को रायपुर की कोर्ट में पेश करके मध्य प्रदेश के सागर ले गई थी।

जमशेदपुर में भाजपा और सरयू आमने - सामने

सरयू का आरोप भाजपा जिलाध्यक्ष कर रहे हैं दंबगई, जिलाध्यक्ष बोले आरोप बेबुनियाद

जमशेदपुर, 14 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर में पेयजल परियोजना और पूजा स्थल को लेकर भारतीय जनता पार्टी और निर्दलीय विधायक सरयू राय आमने सामने हैं। आज सरयू राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा के जमशेदपुर जिलाध्यक्ष के ऊपर गंभीर आरोप लगाया। इस मामले पर हमने भाजपा के जिलाध्यक्ष गुंजन यादव से भी बातचीत कर उनका पक्ष जाना है।

सरयू राय की तरफ से जारी की गयी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि पेयजल परियोजना का कार्य भाजपा जमशेदपुर के महानगर अध्यक्ष ने दबंगई दिखाकर कार्य रोकवा रहे हैं, मेरी डेढ़ साल की कड़ी मेहनत और प्रयास के बाद यह योजना स्वीकृत हुई है। टाटा स्टील से भूईयांडीह, बाबूडीह, छाईबस्ती, लालभट्ठा के पिछड़े इलाकों के लोगों के लिए कंपनी ने आवश्यक निधि भी स्वीकृत कर दिया है। योजना स्थल के चाहरदिवारी का काम भी शुरू हो गया है। अचानक कल खबर आई

कि भाजपा के जमशेदपुर जिलाध्यक्ष ने योजना स्थल पर जाकर काम कर रहे मजदूरों के साथ मारपीट किया और उन्हें वहाँ से भगा दिया। जमशेदपुर महानगर जिला भाजपा के अध्यक्ष के बारे में कहा जाता है कि वे जमशेदपुर के निवासी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का इशारा हुए बिना खाँसते-छींकते भी नहीं है।

सरयू राय ने कहा, भाजपा जिलाध्यक्ष के द्वारा द्वारा पेयजल परियोजना का काम दबंगई दिखाकर रूकवाने के पीछे भी ऐसा संकेत हो सकता है। भाजपा के जमशेदपुर महानगर जिलाध्यक्ष को कोई समस्या थी तो भले ही वे मुझसे नहीं संवाद करते, परंतु टाटा स्टील पेयजल विभाग के अधिकारियों और जिला प्रसाशन के अधिकारियों से इस विषय पर संवाद स्थापित कर ही सकते थे। परंतु उन्होंने ऐसा नहीं किया और सीधे योजना-स्थल पर जाकर दबंगई दिखाकर, मारपीट और ढ़ेला-पत्थर चलवाकर उन्होंने कार्यरत मजदूरों को भगा दिया। इस पूरे मामले पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा, मुझ पर लगे आरोप बेबुनियाद हैं। मैंने किसी मजदूरों के साथ मारपीट नहीं की। जहां तक बात रही पेयजल परियोजना की तो रघुवर सरकार के कार्यकाल में ही इस इलाके में सर्वे हुआ था। भाजपा शुरू से ही इस योजना के पक्ष में है। इन इलाकों में रहने वालों की समस्या है कि यहां बड़े से मैदान का अतिक्रमण किया जा रहा है। मैदान का इलाका जहां कई सालों से दुर्गा पूजा होता रहा है। इस मैदान को ऑक्सीजन मैदान के नाम से जाना जाता है। इस पूरे इलाके में लगभग 20 हजार की आबादी है। उसी स्थान पर दुर्गा पूजा होता है, उसी स्थान पर रामकथा, भागवत कथा होता है। गोवर्धन पूजा सहित कई पूजा आयोजन होते हैं। किसी के घर में कोई आयोजन, शादी, जनेऊ या कोई और कार्यक्रम होता है तो यहीं पडाल लगता है। यही एक जगह है जिससे बस्ती वालों की आस्था जुड़ी है। हमने कभी किसी का विरोध नहीं किया यह मांग बस्ती वालों की है और इस इलाके में बने ग्रुप के बैनर तले ही बैठक हुई थी जिसमें टाटा कंपनी ने भी कहा था कि हम एक पूजा स्थल बनाकर देंगे।

पाक सूफी ने कहा- 'हम आपस में कुत्तों की तरह लड़ते हैं

ऐसे कश्मीर हासिल नहीं कर पाएंगे

इस्लामाबाद, 14 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर हमेशा से ही एक गंभीर मुद्दा रहा है। पाकिस्तान हर संभव मंचों पर कश्मीर राग अलापने से बाज नहीं आता है। वहीं, भारत हमेशा से ही इस प्रोपेगेंडा के खिलाफ कड़ा रूख अपनाता है। इन सबके बीच पाकिस्तान के एक सूफी संत सुलेमान मिस्बाही ने अपने ही देश के रहने वालों पर सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश के लोग आपस में ही कुत्ते की तरह लड़ते रहते है। इस तरह से वो कभी भी कश्मीर को हासिल नहीं कर पाएंगे। पाकिस्तानी

सूफी संत सुलेमान मिस्बाही ने एक वीडियो में कार्यक्रम के दौरान कहा कि हमने आज तक जितना आपस में मिलकर किया है, उसे अच्छा तो हम पर छत आकर गिर जाए। हमलोग इस तरह से लड़ रहे हैं, जैसे आपस में कुत्ते लड़ते हैं। किसी को हया नहीं है कि हम कहां खड़े हैं।

मस्जिदों में ही लड़ने लग जाते हैं- सुलेमान मिस्बाही

सुलेमान मिस्बाही ने एक कार्यक्रम के दौरान किसी घटना का जिक्र करते हुए इस्लाम धर्म को मानने वालों पर ही सवाल उठा दिए। उन्होंने कहा कि बेशर्मों की तरह कुछ लोग मस्जिदों में ही लड़ने लग जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि इतना ही लड़ने का शौक है तो कश्मीर के बॉर्डर पर जाकर लड़े। ये सारे लोग एक-दूसरे के साथ ही लड़ेंगे। इनमें अगर इस तरह आपस में लड़ने की आदत नहीं होती तो कश्मीर हम लोग आजाद करवा लेते। कश्मीर से हट चुका है आर्टिकल 370 भारत ने जब से कश्मीर के ऊपर से आर्टिकल 370 और 35ए हटाया है, उसके बाद से पाकिस्तान में बौखलाहट बढ़ गई है। पाकिस्तानी सरकार ने कई मौकों पर कश्मीर से आर्टिकल 370 और 35ए हटाने वाले मुद्दे को बार-बार उठाया है और उसे हर बार मुंह की खाई है। इस बार भी जब भारत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन में भाग लेने पाक विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो आए थे, उन्होंने कश्मीर के मुद्दे को उठाया था।

एक बार फिर भूकंप से थर्रा उठा काबुल

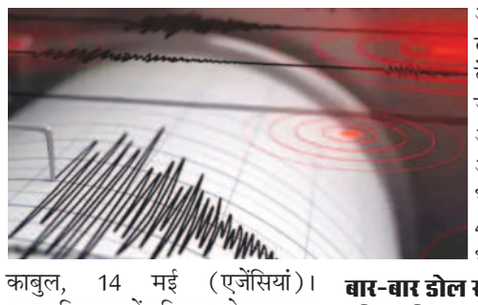

काबुल, 14 मई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में रविवार को एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.3 दर्ज की गई। जबकि भूकंप की गहराई 60 किलोमीटर थी। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप के झटके राजधानी काबुल से कुछ दूरी पर आज सुबह 8.14 बजे लगे। अब तक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। आपको बता दें कि अभी तीन दिनों पहले भी अफगानिस्तान में 4.3 तीव्रता का ही भूकंप आया था।

बार-बार डोल रही अफगानिस्तान की धरती

अफगानिस्तान की धरती बार-बार भूकंप के झटकों से डोल रही है। राहत की बात यह रही कि भूकंप की तीव्रता 4.3 के आसपास ही रह रही है। एक के बाद एक आ रहे भूकंप के झटकों से स्थानीय लोगों की दहशत बढ़ रही है। उल्लेखनीय है कि 22 मार्च को अफगानिस्तान में 6.8 तीव्रता का भीषण भूकंप आया था। इससे भारी नुकसान हुआ था। इस भूकंप से अफगानिस्तान और पाकिस्तान में कम से कम 12 लोग मारे गए थे, जबकि लगभग 250 लोग घायल हो गए थे।

पाकिस्तान में भी दिखा था असर

22 मार्च को आए भूकंप का असर पाकिस्तान में भी देखने को मिला। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पाकिस्तान में भूकंप के कारण 9 लोगों की मौत हुई, जबकि 160 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। लाहौर, इस्लामाबाद, रावलपिंडी, पेशावर, कोहाट और अन्य इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

अमेरिकी सीनेट ने गीता गुप्ता को किया

'एंबेसडर एट लार्ज' नियुक्त, बाइडेन प्रशासन में एक और 'भारतीय' शामिल

वाशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी सीनेट ने भारतीय-अमेरिकी गीता राव गुप्ता को विदेश मंत्रालय में महिलाओं से संबंधित वैश्विक मुद्दों के लिए 'एंबेसडर एट लार्ज' नियुक्त करने पर मुहर लगा दी है। मंत्रालय ने शुक्रवार को ट्वीट किया कि वह अमेरिकी विदेश नीति के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को बढ़ावा देने के गुप्ता के प्रयासों से काफी प्रभावित है। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी सीनेट में हुए मतदान में 51-47 मतों से गीता राव गुप्ता के नाम की पुष्टि की गई। गीता राव गुप्ता के अनुसार, दुनिया भर में ऐसी कई असमानताएं और तिरस्कार हैं, जिन्हें महिलाएं झेल रही हैं और ये उन्हें अर्थव्यवस्था में पूरी तरह भागीदार बनने से रोकती हैं। उन्होंने पिछले साल कहा था कि 'वे अपनी सुरक्षा से संबंधित खतरों का सामना कर रही हैं।।उन्हें रोजाना हिंसा का डर भी सताता है। राष्ट्रपति जो बिडेन ने इस भूमिका के लिए गुप्ता को नामांकित किया और उन्हें इस सप्ताह के शुरू में 51 से 47 मतों के साथ जीत मिली। गुप्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लैंगिक समानता और महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा देने वाले नेता के रूप में जाना जाता है और अमेरिकी विदेश विभाग ने उनकी नियुक्ति का स्वागत किया है। विदेश विभाग ने शुक्रवार को ट्वीट किया जिसमें उन्होंने लिखा कि अमेरिकी विदेश नीति के माध्यम से महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के लिए तत्पर है। गुप्ता ने विभिन्न संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एजेंसियों और कार्यक्रमों के साथ मिलकर काम किया है।

तब तुम पैदा भी नहीं हुए थे ...

जब इमरान ने पाकिस्तानी सेना को दिया खुला चैलेंज

इस्लामाबाद, 14 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के चीफ इमरान खान गिरफ्तारी और टॉर्चर किए जाने के बावजूद मुखर होकर पाक सेना की आलोचना कर रहे हैं। इमरान ने अपने ताजा बयान में सेना के प्रवक्ता को खुला चैलेंज देते हुए कहा है कि अगर वह सियासत करना चाहते हैं तो अपनी सियासी पार्टी बना लें। इमरान खान ने पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग के डीजी मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी का नाम लेकर उन पर निशाना साधा। दरअसल, अहमद शरीफ चौधरी ने हाल में ही इमरान खान को अपने एक बयान में 'पाखंडी' कहा था। इस पर इमरान ने कहा, 'सुनो मिस्टर डीजी आईएसपीआर। तब आप पैदा भी नहीं हुए थे, जब मैं दुनिया में मुल्क का प्रतिनिधित्व कर रहा था और इसका नाम रोशन कर रहा था। इज्जत दिलवाई थी अपने मुल्क को। तुम्हें, मुझे पाखंडी कहने पर शर्म आनी चाहिए।'

'सियासत कर रहे हैं तो अपनी पार्टी क्यों नहीं बना लेते'

इमरान यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा, 'आप सियासत कर रहे हैं तो आप अपनी सियासी पार्टी क्यों नहीं बना लेते। आपको किसने अधिकार दिया कि आप मेरे ऊपर इस तरह के आरोप लगाएं। ऐसा बोलते हुए कुछ तो लिहाज करो।'

'बाजवा ने मेरी पीठ में छुरा घोंपा'

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के चीफ इमरान बोले, 'जब मैं पाकिस्तान का वजीर-ए-आजम (प्रधानमंत्री) था तो सेना की छवि अच्छी थी, लेकिन जब तत्कालीन आर्मी चीफ (बाजवा) ने मेरी पीठ में छुरा घोंपा और पाकिस्तान के सबसे भ्रष्ट लोगों को सत्ता में लेकर आए तो लोगों ने सेना की आलोचना करनी शुरू की। तो सुन लो। सेना की आलोचना मेरी वजह से नहीं, बल्कि एक्स आर्मी चीफ (बाजवा) की वजह से हो रही है।'

गाजा पट्टी में इजराइल और फलस्तीन में थमी लड़ाई

5 दिनों तक चले हवाई हमलों के बाद युद्धविराम लागू

गाजा सिटी, 14 मई (एजेंसियां)। इजराइल और फिलिस्तीन में पांच दिनों के सीमा पार हमलों के बाद गाजा पट्टी में और उसके आसपास युद्धविराम विराम लागू हो गया। हवाई हमलों के चलते गाजा में कम से कम 33 फिलिस्तीनियों और इजराइल में दो लोगों की मौत हुई है। युद्धविराम की घोषणा इजराइल ने की है। युद्धविराम लागू होने से 30 मिनट पहले भी गाजा से इजराइल की ओर दर्जनों रॉकेट दागे गए, जिससे दोनों देशों में नए सिरे से हवाई हमले हुए। हालांकि, गाजा के अधिकांश रॉकेटों को इजरायली वायु रक्षा प्रणाली द्वारा रोक दिया गया। इसके बाद, चीजें शांत होती दिखाई देने से पहले नए सिरे से इजराइली हमले भी हुए। जैसे-जैसे लड़ाई कम होती गई, गाजा की सड़कें जो कई दिनों से सुनसान हो गई थीं, फिलीस्तीनियों से भर गईं। कई लोगों ने लड़ाई में मारे गए लोगों के घरों पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इजराइल ने ही युद्धविराम की घोषणा की और दोनों पक्षों में समझौता हुआ कि वे नागरिकों को निशाना बनाना बंद करेंगे और हिंसा नहीं फैलाएंगे। इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने युद्धविराम के लिए इजराइल के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सिसी को धन्यवाद दिया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में कहा कि शांति का जवाब शांति से मिलेगा और अगर इजराइल पर हमला किया जाएगा या उसे जवाब दिया जाएगा। अमेरिका ने इजराइल और गाजा स्थित आतंकवादी इस्लामिक जिहाद समूह के बीच घोषित युद्धविराम का स्वागत किया। व्हाइट हाउस ने सीमा पार लड़ाई को रोकने के लिए मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए मिस्र को धन्यवाद दिया। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कारिन जीन-पियरे ने कहा अमेरिका मिस्र को धन्यवाद देता है कि उसने दो देशों में शांति के लिए कदम उठाया।

नेपाल ने भारत के लिपुलेख समेत कालापानी और लिंपियाधुरा को फिर बताया अपना, बॉर्डर पर बढ़ सकता है तनाव

काठमांडू, 14 मई (एजेंसियां)। भारत के लिपुलेख समेत कालापानी और लिंपियाधुरा को नेपाल का अभिन्न हिस्सा बताकर पूर्व राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी ने एक बार फिर बुझी चिंगारी को हवा दे दी है। इसके पहले नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ओपी शर्मा कोली भी यही हरकत कर चुके हैं, जिसके चलते भारत और नेपाल के पारंपरिक रिश्तों में काफी तनाव आ गया था। अब नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति भंडारी ने कहा कि कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा नेपाल का अभिन्न अंग हैं और इसे लेकर भारत के साथ जो भी विवाद है, उसे कूटनीतिक तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। भंडारी ने 'नेपाली टेरेटरी लिम्पियाधुरा' नामक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर यह बात कही। यह पुस्तक अच्युत गौतम और सुरेंद्र केसी ने लिखी है। उन्होंने कहा कि मित्र देशों से नेपाल के राष्ट्रीय हित और सुरक्षा में पारस्परिकता की अपेक्षा करना स्वाभाविक है। भंडारी ने कहा, '' कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा नेपाल के अभिन्न अंग हैं। नेपाल को कूटनीति के जरिए भारत के साथ सीमा विवाद का यह मसला सुलझाना चाहिए। '' गौरतलब है कि नेपाल समय-समय पर इन तीनों क्षेत्रों को अपना हिस्सा बताकर यह मामला उठाता रहा है। काठमांडू में भारतीय दूतावास ने पहले कहा है कि नेपाल के साथ अपने सीमा मुद्दे पर भारत की स्थिति "सुविदित, सुसंगत और स्पष्ट है। इसकी सूचना नेपाल सरकार को दे दी गई है। भारत से उत्तराखंड के रास्ते मानसरोवर जाने का सबसे सुगम मार्ग लिपुलेख दर्रा ही है। यह उत्तराखंड में पड़ता है। यहां से मानसरोवर की दूरी सिर्फ 90 किलोमीटर है। जबकि नेपाल के जरिये मानसरोवर जाने पर करीब 540 किलोमीटर और चीन के रास्ते मानसरोवर जाने पर 900 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। हाल ही में भारत ने लिपुलेख में 80 किलोमीटर की सड़क भी तैयार की है।

प्रदेश की एक-एक इंच भूमि का हिसाब जुटाएगी सरकार, पूरे राज्य का जीआईए मैप किया जाएगा तैयार

देहरादून, 14 मई (एजेंसियां)। लैंड जिहाद के मुद्दे पर ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू कर चुकी धामी सरकार अब प्रदेश की एक-एक इंच जमीन का हिसाब जुटाएगी। इसके लिए पहली बार आधुनिक तकनीक का सहारा लेते हुए प्रदेश की संपूर्ण भूमि का सर्वेक्षण किया जाएगा। इसके बाद पूरे प्रदेश का जीआईएस (भौगोलिक सूचना प्रणाली) से नक्शा तैयार किया जाएगा। सरकार की ओर से इसके लिए 150 करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था की गई है। उत्तराखंड राजस्व परिषद को इस काम के लिए नोडल एजेंसी बनाया गया है। प्रदेश में राज्य गठन के बाद से इस बात की जरूरत महसूस की जा रही थी कि संपूर्ण भूमि का डाटा इकट्ठा कर लिया जाए, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी यह काम आगे नहीं बढ़ पाया। प्रदेश का अधिकांश भूभाग (नौ जिले) पर्वतीय होने के कारण तमाम जमीनें गोल खातों के विवाद में उलझी हैं। सरकार कई विकास योजनाओं को भूमि की अनुपलब्धता के कारण शुरू नहीं कर पा रही है। वहीं, कई विभागों के पास अपनी ही उपलब्ध भूमि का रिकॉर्ड मौजूद नहीं है।

राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि का होगा सर्वेक्षण

इन सब समस्याओं से पार पाने के लिए सरकार ने अब संपूर्ण भूमि का सर्वे कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए मुख्य सचिव डॉ। एसएस संधु की अध्यक्षता में शासी निकाय का गठन किया गया है, जिसमें तमाम विभाग के अपने मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव व विभागाध्यक्षों को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है। उत्तराखंड राजस्व परिषद को नोडल एजेंसी बनाया गया है, जो डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम (डीआईएलआरएमपी) के तहत राजस्व अभिलेखों में दर्ज भूमि का सर्वेक्षण करेगी। इसके साथ ही सभी सरकारी विभागों की भूमि का ब्योरा भी जुटाया जाएगा।

दो साल में पूरा होगा सर्वेक्षण का काम

डिजिटल इंडिया लैंड रिकॉर्ड मॉर्डनाइजेशन प्रोग्राम के तहत प्रदेश की संपूर्ण भूमि के सर्वेक्षण का काम करीब दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य सचिव की ओर से आदेश निर्गत होने के बाद अब आरएफटी टेंडरिंग की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सर्वे का काम एरियल लिडार (लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग) तकनीक से किया जाएगा। यह सर्वे की एरियल मैपिंग तकनीक है, जो धरती की सतह से कैलिब्रेटेड लेजर रिटर्न का उपयोग करती है और ऑन-बोर्ड पोजिशनल और आईएमयू सेंसर से लैस जीपीएस-निगरानी वाले विमान के माध्यम से पूरी की जाती है।

30 करोड़ रुपये पहली किस्त के रूप में जारी

सरकार की ओर से सर्वेक्षण के काम के लिए 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। पहली किस्त के रूप में करीब 30 करोड़ रुपये शासन की ओर से जारी कर दिए गए हैं।

भूमि विवाद के मसले सुलझेंगे प्लानिंग में होगी आसानी

प्रदेश में संपूर्ण भूमि का सर्वे होने और जीआईएस मैप तैयार हो जाने के बाद भूमि विवाद से संबंधी मसलों को हल करने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही प्लानिंग के स्तर पर सरकार को निर्णय लेने में आसानी होगी। हर भूमि का भू आधार नंबर (यूएलआईपीएन) तैयार होगा।

उत्तराखंड में पार्टी को ले डूबा था मुस्लिम यूनिवर्सिटी विवाद, कर्नाटक में बजरंगबली ने लगाई नैया पार

देहरादून, 14 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में कांग्रेस को मिली जीत ने उत्तराखंड में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को उत्साह से भर दिया है। उत्तराखंड के लिए इस जीत के अलग मायने हैं। यहां विस चुनाव में मुस्लिम यूनिवर्सिटी के मुद्दे ने कांग्रेस के पूरे चुनाव प्रचार की दिशा मोड़ दी थी, लेकिन कर्नाटक में बजरंग दल व बजरंगबली मुद्दे ने कांग्रेस की नैया पार कर दी। इससे पहले पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत मिली थी, जो पार्टी के लिए एक संजीवनी की तरह था। लेकिन, कर्नाटक की जीत ने उत्तराखंड कांग्रेस नेताओं के दिल में छुपी अपनी हार के घाव पर मरहम लगाने जैसा काम किया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बयानों भी यह दर्द झलका है। उत्तराखंड विस चुनाव में एक बयान के बाद प्रचार की दिशा ही बदल गई थी। कहा गया कि मुख्यमंत्री के दावेदार रहे पूर्व सीएम हरीश रावत ने सरकार बनने के बाद प्रदेश में मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने का वादा किया है। भाजपा ने प्रचार के दौरान अपने मंचों, मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए इसे खूब प्रचारित किया, जबकि हकीकत में हरीश रावत ने ऐसा कोई बयान दिया ही नहीं था। वह जब तक इस बात को लोगों को समझाते, तब तक बहुत देर हो चुकी थी, चुनाव कांग्रेस के हाथ से निकल गया और भाजपा पुनः सत्ता में काबिज हो गई। कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने बजरंग दल से बजरंगबली को जोड़ते हुए चुनाव प्रचार में खूब जोर लगाया, लेकिन वहां वह कांग्रेस को अपने जाल में फंसाने में कामयाब नहीं हुई। नफरत की दुकान बंद, मोहब्बत की दुकान खुल गई : हरीश रावत पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में नफरत की दुकान बंद हुई और मोहब्बत की दुकान खुल गई है। वहीं प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि कर्नाटक चुनाव में भाजपा ने जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया, लेकिन वह भाजपा के झांसे में नहीं आई। जनता ने लोकतंत्र की मजबूती के पक्ष में मतदान किया है।

टीटीपी के मुद्दे पर पाकिस्तान और तालिबान के बीच समझौता कराने की कोशिश कर रहा चीन, कहीं यह खतरनाक वजह तो नहीं

इस्लामाबाद, 14 मई (एजेंसियां)। चीन प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मुद्दे को हल करने के लिए पाकिस्तान और अफगान तालिबान के बीच एक 'व्यावहारिक समाधान' की दलाली करने की कोशिश कर रहा है। योजना से परिचित आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, चीन के विदेश मंत्री और अंतरिम अफगान सरकार ने हाल ही में अफगानिस्तान में मौजूदा स्थिति पर चर्चा करने के लिए इस्लामाबाद में एक त्रिपक्षीय बैठक की।

चीन को अफगान तालिबान से बड़ी उम्मीदें

पाकिस्तान जहां टीटीपी और उसके सहयोगियों की उपस्थिति से चिंतित है, वहीं चीन चाहता है कि अफगान तालिबान ईस्ट तुर्केस्तान इस्लामिक मूवमेंट (ईटीआईएम) द्वारा उत्पन्न खतरे को बेअसर करे। इसके अलावा, इस क्षेत्र में चीन के आर्थिक हित निहित हैं।

अफगानिस्तान के साथ तेजी से बढ़ रहा चीन का व्यापार

अफगानिस्तान के साथ चीन का व्यापार तेजी से बढ़ रहा है। यह पाकिस्तान के बाद 2023 में अफगानिस्तान के साथ दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक देश बन सकता है। सूत्रों ने कहा कि गतिरोध को तोड़ने के लिए चीन दोनों पक्षों को 'व्यावहारिक समाधान' पर सहमत होने के लिए कह रहा है। अफगान तालिबान ने पहले पाकिस्तानी सीमावर्ती क्षेत्रों से टीटीपी सेनानियों के स्थानांतरण का प्रस्ताव दिया था, लेकिन पाकिस्तान को लागत वहन करने के लिए कहा। ऐसा माना जाता है कि ईटीआईएम के मुद्दे को हल करने के लिए अफगान तालिबान द्वारा चीन को इसी तरह की योजना की पेशकश की गई थी।

चीन की कोशिश, टीटीपी मुद्दे का जल्द हो समाधान

सूत्रों ने कहा कि चीन नहीं चाहता है कि टीटीपी का मुद्दा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को कमजोर करे, जो क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए हानिकारक होगा। पिछले हफ्ते एक संवाददाता सम्मेलन में चीनी विदेश मंत्री किन गैंग ने उम्मीद जताई कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखेंगे और बातचीत और परामर्श के माध्यम से उनके बीच के मुद्दों को सुलझाने की कोशिश करेंगे। अधिकारियों के मुताबिक, उनके बयान से पता चलता है कि पाकिस्तान और अफगान तालिबान को टीटीपी के मुद्दे को ऐसे बिंदु तक नहीं ले जाना चाहिए, जहां से कोई वापसी न हो।

चीनी चिंताओं को दूर करने की योजना पर काम कर रही अफगान सरकार

इस बीच, माना जाता है कि अफगान तालिबान सरकार चीनी चिंताओं को दूर करने की योजना पर काम कर रही है, क्योंकि उसने ईटीआईएम उग्रवादियों को सीमा से सैकड़ों की संख्या में स्थानांतरित कर दिया है, लेकिन टीटीपी का मुद्दा अभी भी बड़ा है। तालिबान के अधिग्रहण के बाद, पाकिस्तान को उम्मीद थी कि टीटीपी का मुद्दा हमेशा के लिए हल हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पाकिस्तान ने अनिच्छा से स्वीकार किया प्रस्ताव

जब पाकिस्तान ने टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की, तो अफगान तालिबान ने उग्रवादी संगठन के साथ सौदा करने का प्रस्ताव पेश किया। पाकिस्तान ने अनिच्छा से प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और शुरू में टीटीपी के साथ बातचीत में प्रगति हुई, जिसमें पाकिस्तान ने कुछ आतंकवादियों को मुक्त करने के बदले में संघर्ष विराम की घोषणा की। विश्वास-निर्माण के उपाय के तहत पाकिस्तान ने टीटीपी के सैकड़ों लड़ाकों को देश में बसने की अनुमति दी। हालांकि, प्रक्रिया जल्द ही मुश्किल में पड़ गई, क्योंकि लौटने वाले लड़ाकों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाना शुरू कर दिया।

टीटीपी के साथ शांति वार्ता की मांग नहीं करेगा पाकिस्तान

इसके अलावा, टीटीपी आतंकवादी हमलों में वृद्धि ने पाकिस्तान के नागरिक और सैन्य नेतृत्व को शांति प्रक्रिया छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। वर्तमान नागरिक और सैन्य नेतृत्व ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि टीटीपी के साथ शांति स्थापित करने की नीति गलत थी। सरकार ने फैसला किया कि वह अब टीटीपी के साथ शांति वार्ता की मांग नहीं करेगी।

अफगान में मिला पोलियो का इस साल का पहला मामला

काबुल, 14 मई (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में साल 2023 का पहला पोलियो वायरस का मामला सामने आया है। अफगानिस्तान के स्वास्थ्य अधिकारियों को नांगरहार प्रांत में इसका पता लगा है। स्थानीय मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी दी गई है। तालिबान शासन के तहत देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि 2023 के बाद से अफगानिस्तान में पोलियो की पहली घटना का पता चला है। रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के नांगरहार प्रांत में एक चार साल की बच्ची में पोलियो वायरस की बीमारी पाई गई है और यह पोलियो वायरस मामला दुनिया का दूसरा मामला है। अफगानिस्तान में साल 2020 में पोलियो के कुल 56 मामले सामने आए थे, जबकि 2021 में चार मामले दर्ज किए गए थे। वहीं, पिछले साल पोलियो के दो मामले सामने आए थे। हालांकि, देश में पोलियो के मामलों की संख्या में गिरावट आ रही है, लेकिन तब भी स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है पोलियो एक गंभीर संक्रामक बीमारी है, जो व्यक्ति को अक्षम भी कर देती है। आमतौर पर यह बीमारी दूषित पानी या भोजन का सेवन करने से फैलती है। खामा प्रेस के अनुसार, संक्रामक वायरस पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमावर्ती क्षेत्र में पनपा है। यहां पर आतंकवादियों ने पोलियो विरोधी टीमों पर हमला कर दिया था, जिसके कारण वे चोटिल हो गए थे। रिपोर्ट के अनुसार, तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान में काफी गरीबी और बेरोजगारी हो गई है। इस कारण वहां के स्थानीय लोगों को जीवित रहने के लिए विदेशों में भागना पड़ रहा है, ताकि वे नौकरी कर के अपनी और अपने परिवार की जिंदगी बचा सकें। देश के नागरिकों ने कहा कि वे अपने परिवारों का पेट पालने के लिए विदेशों में नौकरी खोजने के लिए पलायन करने के लिए मजबूर हैं। अगस्त, 2021 में तालिबान के अफगानिस्तान पर नियंत्रण करने के बाद से देश में मानवीय संकट कई गुना बढ़ गया है। तालिबानी शासन के तहत लोगों को कई सख्त नियमों का पालन करना पड़ रहा है, जिसके कारण वे बुरी हालत में रहने के लिए मजबूर हैं। हेरात के एक निवासी अब्दुल खालिक ने देश की खराब स्थिति और इसकी आर्थिक मंदी पर दुख जताते हुए कहा, हम कमजोर हैं और कई तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं, हमें बाहर जाने की जरूरत है।

पायलट समर्थक अभिमन्यु बनेंगे यूथ कांग्रेस अध्यक्ष!

टॉप-3 में यशवीर भी सचिन खेमे से; गहलोत खेमे के सतवीर का आरोप : ऐप से छेड़छाड़ हुई

जयपुर, , 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में चरम पर चल रही आपसी खींचतान के बीच राजस्थान में यूथ कांग्रेस के चुनाव परिणाम आ गए हैं। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के लिए 15 प्रत्याशी मैदान में थे।

इनमें से अभिमन्यु पूनिया, सुधींद्र मूंड और यशवीर सूरा टॉप-3 दावेदारों के रूप में सामने आए हैं। यूथ कांग्रेस के वोटों की गिनती में बड़ी संख्या में वोट खारिज भी हुए। इसी का असर रहा कि प्रत्याशियों को दावों के मुकाबले काफी कम वोट मिले। वोटिंग की बात करें तो सबसे ज्यादा 2,30,079 वोट अभिमन्यू पूनिया को मिले हैं। वहीं उनके बाद दूसरे नम्बर पर सुधींद्र मूंड हैं। उन्होंने 197385 वोट हासिल किए। तीसरे नम्बर पर यशवीर सूरा रहे, जिन्हें 159640 वोट मिले। इन तीनों दावेदारों के बीच से ही यूथ कांग्रेस को राजस्थान में नया अध्यक्ष मिलेगा। वोटों पर गौर करें तो अभिमन्यू पूनिया ने अन्य दावेदारों के मुकाबले अच्छी लीड हासिल की है। पूनिया के बाद दूसरे नम्बर पर वोट हासिल करने वाले सुधींद्र मूंड के बीच लगभग 33 हजार का अंतर है।

वहीं मूंड और तीसरे नम्बर पर रहे यशवीर सूरा के बीच लगभग 37 हजार वोटों का अंतर है।

लीड का अंतर ज्यादा होने से पूनिया सबसे मजबूत दावेदार

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष का फैसला इंटरव्यू के आधार पर होगा, लेकिन वोटों की रेस में अभिमन्यु सबसे आगे हो गए हैं। पूनिया ने 33 हजार से ज्यादा वोटों की लीड ली है। ऐसे में लीड का अंतर ज्यादा बड़ा होने से अब पूनिया के लिए यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बनना ज्यादा मुश्किल नजर नहीं आता है। पूनिया पहले से ही अन्य दावेदरों के मुकाबले मजबूत नजर आ रहे थे। इसकी बड़ी वजह उनका संगठनात्मक अनुभव होना था। पूनिया इससे पहले एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष भी रह चुके हैं। ऐसे में प्रदेश स्तर पर संगठन चलाने का अनुभव होने का फायदा भी पूनिया को मिलता दिख रहा है। कांग्रेस के सीनियर नेताओं का पैनल ये इंटरव्यू करता है। ऐसे में इस स्थिति में भी पूनिया काफी मजबूत नजर आ रहे हैं।

यूथ कांग्रेस चुनाव से पायलट का मजबूत होना तय

यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष कौन बनेगा ये अलग बात है, मगर इससे पायलट खेमा मजबूत होगा यह तय है। यूथ कांग्रेस के लिए तीन टॉप प्रत्याशियों में से दो प्रत्याशी अभिमन्यू पूनिया और यशवीर सूरा दोनों पायलट खेमे से आते हैं। जबकि सुधींद्र मूंड पर किसी खेमे का टैग फिलहाल नहीं लगा है। ऐसे में यह तय है कि इस चुनाव से पायलट खेमे का राजस्थान में मजबूत होना तय है। पूनिया और सूरा सचिन पायलट के विश्वास पात्र और कट्टर समर्थक हैं। इससे पहले जो परिणाम आए हैं उनमें पहले ही राकेश मीणा भी पायलट समर्थक के रूप में पैनल में आ चुके हैं।

सतवीर चौधरी ने परिणामों पर उठाए सवाल

यूथ कांग्रेस के वोटों की गिनती के परिणाम आने के बाद इसपर विवाद शुरू हो गया है। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के लिए टॉप-4 दावेदारों में रहे सतवीर चौधरी ने रिजल्ट पर सवाल खड़ा किया है। उनका कहना है कि जो चुनाव परिणाम आया है वह अप्रत्याशित है। जो वोट जमा कराए थे उसमें रिजेक्शन का प्रतिशत 70-80 प्रतिशत है। जबकि दूसरे प्रत्याशियों का रिजेक्शन 30 प्रतिशत है। इससे लगता है कि वोटों के रिजेक्शन में छेड़छाड़ हुई है। पिछले चुनाव में भी एप से छेड़छाड़ हुई थी। इसको लेकर हम चुनाव आयोग में

अपील कर रहे हैं। हमने लगभग 4 लाख वोट करवाए उसमें 75 प्रतिशत तक रिजेक्शन हो गया। वहीं दूसरी ओर जिन्होंने लगभग 3.5 लाख वोट जमा करवाए उनका रिजेक्शन 30 प्रतिशत ही है।

यूथ कांग्रेस के लिए 20 लाख से ज्यादा वोट डाले गए थे। उनमें से 7.70 लाख वोट ही काउंट किए गए हैं। यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के लिए जो दावेदार थे। उनमें से 3 प्रमुख दावेदार जाट और एक विश्नोई समाज से थे।

टॉप-3 दावेदार और उनकी मजबूती

अभिमन्यु पूनिया

अभिमन्यु पूनिया राजस्थान एनएसयूआई के प्रदेशाध्यक्ष रह चुके हैं। बिश्नोई समाज से हैं और पायलट खेमे से आते हैं। पायलट खेमे के विधायक मुकेश भाकर के बेहद करीबी हैं। वे राजस्थान यूनिवर्सिटी में एनएसयूआई महासचिव भी रह चुके हैं। चुनाव के दौरान मुकेश भाकर और रामनिवास गवाड़िया ने पूनिया को काफी सपोर्ट किया। इसके अलावा विप्र कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष महेश शर्मा भी पूनिया के समर्थन में दिखे। एनएसयूआई का पूर्व प्रदेशाध्यक्ष होना उनका बड़ा प्लस पॉइंट है। पूनिया की एनएसयूआई में मजबूत पकड़ थी। जून 2020 में हुए मानेसर एपिसोड के बाद पूनिया को एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। पूनिया ने दावा किया था कि उनके पक्ष में लगभग 6.30 लाख मेम्बर्स ने वोटिंग की है। मगर उन्हें 2.30 लाख वोट मिले।

सुधींद्र मूंड

सुधींद्र मूंड इस चुनाव में एकदम नए चेहरे के रूप में उभरे। चुनाव शुरू होने से पहले मूंड के नाम पर खास चर्चा नहीं थी। मगर चुनाव में सुधींद्र मूंड काफी सक्रिय नजर आए। उनके साथ कांग्रेस की अलग-अलग क्षेत्रों की प्रमुख लॉबी जुटी। मूंड को हरीश चौधरी, रामेश्वर डूडी, चेतन डूडी, रोहित बोहरा जैसे नेताओं ने सपोर्ट किया। इसके अलावा हरियाणा से सांसद दीपेंद्र हुड्डा का भी मूंड को सपोर्ट रहा। मूंड ने चुनाव के दौरान अच्छा मूवमेंट किया। मूंड का मजबूत पक्ष कांग्रेस की एक प्रमुख लॉबी का साथ होना और मजबूत मशीनरी होना रहा। इसके अलावा वे किसी खेमे से भी जुड़े हुए नहीं हैं। मूंड का दावा था कि उनके समर्थन में 6.78 लाख मेम्बर्स ने वोटिंग की।

यशवीर सूरा

सूरा यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष के लिए एक महत्वपूर्ण चेहरे के रूप में रहे। सूरा पायलट खेमे से आते हैं। सूरा भी इस चुनाव में एक महत्वपूर्ण जाट चेहरा हैं। वे वर्तमान में यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। जैसे-जैसे यूथ कांग्रेस का चुनाव आगे बढ़ा, वैसे वैसे यशवीर सूरा भी प्रभावी होते चले गए। पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चांदना की एक टीम का उन्हें सपोर्ट होना भी उनके लिए प्लस पॉइंट रहा। हालांकि चांदना ने इस चुनाव में किसी भी पक्ष का खुलकर समर्थन नहीं किया। सूरा को दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी क्षेत्रों से अच्छा समर्थन मिला। सूरा का दावा था कि चुनाव में उन्हें 6.5 से 7 लाख मेम्बर्स ने उनके पक्ष में वोटिंग की। मगर उन्हें 1.59 लाख वोट मिले। सतवीर चौधरी भी यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के लिए मजबूत दावेदार थे। मगर कल आए रिजल्ट में वे चौथे स्थान पर रहे। सतवीर चौधरी यूथ कांग्रेस के चुनाव की शुरुआत से ही अभिमन्यु पूनिया के सामने मजबूत दावेदारों में गिने जा रहे थे। चौधरी को धर्मेंद्र राठौड़ का समर्थन रहा। पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चांदना की एक टीम का सपोर्ट भी सतवीर को मिला। भीलवाड़ा में रामलाल जाट का समर्थन भी सतवीर को मिला। राजस्थान यूनिवर्सिटी का पूर्व अध्यक्ष रहना सतवीर चौधरी की मजबूती रही।

धर्मेंद्र राठौड़ से समर्थन मिलने के चलते गहलोत खेमे के रूप में उन्हें समर्थन मिला। जाट चेहरा होने के चलते जाट लॉबी से भी सतवीर को समर्थन मिला। सतवीर का दावा था कि उनके पक्ष में 5 लाख से ज्यादा मेम्बर्स ने वोट किया है। मगर उन्हें 71 हजार से ज्यादा वोट मिले।

पवन गोदारा बने थे पहले निर्वाचित अध्यक्ष

राजस्थान यूथ कांग्रेस में चुनाव की प्रक्रिया 2010 से शुरू हुई। राजस्थान यूथ कांग्रेस के पहले निर्वाचित अध्यक्ष पवन गोदारा बने। वे 2013 तक यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। इसे बाद फिर चुनाव हुए और वर्तमान खेलमंत्री अशोक चांदना यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बने। चांदना 2020 तक यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष बने। वे लम्बे समय तक यूथ कांग्रेस संभालने वाले नेताओं में रहे। चांदना के बाद सुमित भगासरा चुनाव जीते और अध्यक्ष बने। मगर वे 10 दिन तक ही अध्यक्ष रह सके। उनके चुनाव में विवादों के चलते उन्हें हटना पड़ा और आखिरकार लाडनूं विधायक मुकेश भाकर को यूथ कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया।

पायलट को लेकर अचानक रंधावा के सुर बदले

कहा- सचिन की यात्रा की टाइमिंग गलत, लेकिन वो मेरा छोटा भाई है

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। पेपरलीक और करप्शन को लेकर सचिन पायलट की यात्रा का आज चौथा दिन है। इस बीच कर्नाटक में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद कांग्रेस हाईकमान अब राजस्थान पर फोकस कर रहा है।

प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के तेवरों में भी सचिन पायलट को लेकर नरमी देखी जा रही है। उन्होंने पायलट को छोटा भाई बताते हुए अपने पारिवारिक रिश्ते याद दिलाए हैं।

हालांकि, प्रदेश प्रभारी ने कहा कि सचिन की यात्रा निकालने की टाइमिंग गलत है और उन्हें थोड़ा इंतजार करना चाहिए था।

वहीं, 11 मई को अजमेर से शुरू हुई पायलट की यात्रा शहर की सीमा के नजदीक पहुंच रही है। आज सुबह नौ बजे जयपुर जिले के महला से शुरू हुई यात्रा का पहला फेज करीब 11 बजे दहमीकला में पूरा हो गया है। अब दहमीकला में दिन का विश्राम होगा। यात्रा दूसरे फेज में दहमीकला से महापुरा के लिए शाम चार बजे रवाना होगी।

रंधावा बोले- गहलोत अनुभवी लीडर, उनके दिल-दिमाग में कांग्रेस

दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए राजस्थान कांग्रेस प्रभारी ने सचिन पायलट की यात्रा की टाइमिंग पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, रंधावा ने पायलट परिवार से अपने पुराने रिश्तों का जिक्र करते हुए अपने रुख में नरमी के संकेत भी दिए हैं।

उन्होंने कहा कि आप किसी से पूछ लेना मेरे फादर और सचिन के फादर बेस्ट फ्रेंड थे। हमारे पारिवारिक रिश्ते हैं। वो मेरा छोटा भाई है। मैंने पहले भी उससे फोन पर बात की है। उन्होंने कहा कि

मैं सभी को लेकर चलने कोशिश कर रहा हूं।

रंधावा चुनावी फेस को लेकर कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में एक होकर चुनाव लड़ेंगे। एक फेस से ही चुनाव लड़ेंगे, डबल फेस नहीं आएगा। उन्होंने कहा कि गहलोत बहुत पुराने लीडर हैं उनके दिलो-दिमाग में कांग्रेस है। एआईसीसी में सबसे ज्यादा उनका अनुभव है।

वहीं, सचिन की यात्रा उनकी निजी यात्रा है। हालांकि, उनकी टाइमिंग गलत है। जब कर्नाटक को वोटिंग थी तो उन्हें वेट करना चाहिए था। हम सभी को सबसे पहले कांग्रेस की बात करनी चाहिए।

'मैं देखूंगा उन्हें किसने उकसाया'

पायलट पर रंधावा ने कहा- वे थोड़े से एग्रेसिव हैं। उन्हें एंबिशियस होना चाहिए, लेकिन ओवरएंबिशियस नहीं होना चाहिए। पार्टी में उनके लिए बहुत टाइम पड़ा है। कांग्रेस बीजेपी की तरह नहीं है । हमारे जो नेता हैं उनको सोचने से ज्यादा देती है। मैं देखूंगा किसने उकसाया, मेरे प्रभारी बनने से पहले की बातों को नहीं उठाऊंगा।

गहलोत और पायलट के बीच जुबानी जंग और उकसाने वाले बयानों पर रंधावा ने कहा- मैं अभी वहां गया नहीं अभी वहां जाकर देखेंगे कि किसने उकसाने वाले बयान दिए। किसने उकसाया। अब जो मेरे आने से पहले की बातें हैं, उनको मैं नहीं उठाना चाहता।

पायलट की यात्रा के बाद सुलह फार्मूला निकालने की तैयारी

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद अब कांग्रेस हाईकमान राजस्थान के मुद्दे पर फैसला करेगा। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक हाईकमान सचिन पायलट और अशोक गहलोत को चुनावी साल में एक मंच पर लाने का मैसेज देना चाहते हैं।

इसके लिए पहले दोनों नेताओं के बीच मौजूदा कोल्ड वॉर को मिटाना जरूरी है। मल्लिकार्जुन

राजस्थान में आंधी-बारिश का अलर्ट

5 जिलों में हो सकती है बरसात

3 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है तापमान

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में चक्रवाती तूफान मोखा के कारण एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसके चलते मौसम पलट गया। शनिवार से प्रदेश में आंधी का दौर शुरू हो गया। जयपुर समेत राज्य में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई। अगले 4 दिनों तक आंधी-बारिश का दौर बना रहेगा। 30 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलने की आशंका है। तापमान में 3 डिग्री तक की गिरावट आएगी।

मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान के ऊपर एक नया पश्चिमी विक्षोभ बना है। इसके कारण सीकर और बीकानेर के मौसम में बदलाव हुआ। इसके चलते शनिवार शाम करीब 4 बजे से आंधी के साथ बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को प्रदेश में कई जगह बादल छाए

रहे। जयपुर समेत कई जिलों में आंधी चली।

जयपुर में सुबह हुई बारिश

जयपुर में शनिवार को तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। यह इस सीजन का सबसे गर्म दिन भी रहा। दोपहर में आग उगलती सूरज की किरणों और लू के थपेड़ों से लोग बेहाल रहे। पिछले 4 दिनों में ही तापमान में 4 डिग्री की बढ़ोतरी हो चुकी है। शाम को अचानक धूलभरी आंधी चलने से लोगों को गर्मी से मामूली राहत मिली। वहीं, रविवार सुबह बूंदाबांदी हुई।

मौसम विभाग के अनुसार आज नागौर, जयपुर, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर में कहीं-कहीं पर तेज बारिश के साथ धूलभरी आंधी चल सकती है। इसके साथ ही अजमेर और टोंक में भी धूलभरी आंधी और बूंदाबांदी होने की संभावना है।

मौसम विभाग की चेतावनी

मौसम विभाग ने बीकानेर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जोधपुर, नागौर, अलवर, सीकर, झुंझुनूं, चूरू, टोंक, बाड़मेर और श्रीगंगानगर सहित आसपास के क्षेत्रों में तेज रफ्तार से आंधी की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग की ओर से सलाह दी गई है कि मेघगर्जन के समय सुरक्षित स्थान पर शरण लें।

अजमेर में देर रात गैंगवार में एक की मौत

खाना खा रहे युवकों पर हमला, जवाबी फायरिंग में एक के सीने पर लगी गोली

अजमेर, 4 मई (एजेंसियां)। अजमेर में देर रात फायरिंग का मामला सामने आया है। यहां होटल में खाना खा रहे युवकों पर बोलेरो सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। दूसरी तरफ से भी गोलियां चलाई गईं। इस हमले में एक युवक की मौत हो गई। वहीं, दूसरा गंभीर घायल है। शुरुआती जांच में पुलिस पुरानी रंजिश का मामला मान रही है। पुलिस के अनुसार किशनगढ़ की होटल चामुंडा में कालानाडा के रहने वाले जतन जाट, भागचंद जाट और राजेश खाना खा रहे थे। रात 9.30 बजे के आसपास एक बोलेरो कार आकर बाहर रुकी।

अचानक उसमें से सुरेंद्र, निखिल, महेंद्र, करण सहित कुछ युवक बाहर निकले और हाथों में बंदूक लहराते हुए खाना खा रहे युवकों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी।

गोली लगने से जतन जाट घायल हो गया। इसके बाद उसके साथियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान एक गोली बोलेरो में आए करण सिंह (36) नाम के युवक को सीने पर लगी, इसके बाद उसके साथी कार में सवार होकर फरार हो गए। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई।

घटना के बाद जतन को अजमेर के जेएलएन अस्पताल भर्ती करवाया गया। वहीं, करण ने यज्ञनारायण अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मामले में पुलिस ने मौके पर मौजूद घायल युवक जतन के साथी भागचंद और राजेश से पूछताछ की तो उन्होंने कुछ युवकों के नाम बताए। मृतक के सीने पर लगी गोली

घटना की सूचना मिलते ही डीएसपी सिटी मनीष शर्मा मदनगंज थाना पुलिस, अरांई थाना पुलिस, किशनगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक सेना के जवान भागचंद व कटसूरा निवासी सुरेंद्र घासल के बीच 15-20 दिन पहले आपसी कहासुनी के बाद विवाद हो गया। इस पर भागचंद ने मामले में अरांई थाने में शिकायत दी थी। तभी से आरोपी सुरेंद्र हमले की फिराक में था। थाना प्रभारी गुमान सिंह ने बताया- होटल के बाहर दोनों तरफ से फायरिंग हुई है।

बीकानेर में बीटेक स्टूडेंट की मौत

इंजीनियरिंग कॉलेज के हॉस्टल में रहने वाले खेतड़ी के बच्चे का शव बाथरूम में मिला

बीकानेर, 4 मई (एजेंसियां)। बीकानेर इंजीनियरिंग कॉलेज के एक स्टूडेंट की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उसने सुसाइड की है या किसी अन्य कारण से उसकी मौत हो गई? ये अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। झुंझुनूं के खेतड़ी में रहने वाले अमन सिंह का शव देर रात कॉलेज हॉस्टल के बाथरूम में मिला था। बीछवाल पुलिस ने रात को ही उसका शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी पहुंचा दिया।

बीछवाल थानाधिकारी महेंद्र दत्त शर्मा ने बताया कि झुंझुनूं खेतड़ी निवासी अनूप सिंह का बेटा अमन यहां बीटेक के सेकंड इयर का स्टूडेंट है। देर रात सूचना मिली कि वो अचेत अवस्था में पड़ा है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद रविवार सुबह पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है।

क्या ये सुसाइड है? इस सवाल पर थानाधिकारी शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या ऐसा ही प्रतीत होता है कि उसने कुछ खा लिया है, जिससे उसकी मौत हो गई। वैसे अभी जांच का विषय है कि किन कारणों से युवक की जान गई है। मामले की छानबीन थानाधिकारी स्वयं कर रहे हैं।

अमन यहां कॉलेज के हॉस्टल में ही रहता था। उसने कब क्या खा लिया, इस बारे में कॉलेज स्तर पर कुछ भी जानकारी नहीं मिल पा रही है। कॉलेज प्रशासन खुद इस पूरे मामले के बाद सकते में हैं और साथी स्टूडेंट्स से अपने स्तर पर पूछताछ कर रहे हैं।

रोडवेज बस से भिड़ी जीप, 2 की मौत

श्रीमाधोपुर, 4 मई (एजेंसियां)। श्रीमाधोपुर क्षेत्र में आज रविवार दो अलग-अलग सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल हो गए। घायलों को श्रीमाधोपुर सीएचसी में उपचार के बाद गंभीर हालत होने पर जयपुर रेफर दिया। थानाधिकारी प्रकाश सिंह राठौड़ ने बताया कि रविवार सुबह करीब 10:30 बजे नांगल (नाथूसर) से सवारियों से भरी एक कमांडर जीप श्रीमाधोपुर की ओर से आ रही थी। इस दौरान जयपुर से नांगल लौट रही रोडवेज बस से जीप की की आमने-सामने की भिडंत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। इस दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

850 पुलिसकर्मियों की 170 टीमों ने दी एक साथ दबिश

चोरी, नकबजनी, लूट के आरोपियों पर कसा शिकंजा, किया गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, 4 मई (एजेंसियां)। जिला पुलिस की 170 टीमों ने रविवार को एक साथ दबिश देकर बड़ी संख्या में चोरी, नकबजनी, लूट के आरोपियों को पकड़ा। कई आरोपियों के पास से चोरी के मोटरसाइकिल भी बरामद हुए है। इनके खिलाफ मामला दर्ज करने की कार्रवाई रविवार दोपहर तक जारी थी। पुलिस ने हालांकि दोपहर तक गिरफ्तार किए गए आरोपियों की संख्या की पुष्टि नहीं की थी। पुलिस के अनुसार कार्रवाई जारी है।

अल सुबह शुरू हुई कार्रवाई

पुलिस की यह कार्रवाई रविवार अल सुबह शुरू हुई। साढ़े आठ सौ पुलिस कर्मियों की 170 टीमों को एक साथ रवाना किया गया। ये टीमें ऐसे मामलों में शामिल लोगों के ठिकानों पर पहुंची। मौके से कई मोटरसाइकिल और आरोपी पकड़े गए। कार्रवाई के दौरान लूट के एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। यह आरोपी जिला पुलिस को वांटेड था। चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ पकड़े आरोपियों से भी पूछताछ की जा रही है।

सिटी सर्किल से सुबह पच्चीस टीमें एक साथ रवाना हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात रहा। सुबह ग्रामीण इलाकों में पुलिस की दबिश होने के साथ ही आरोपियों में हड़कंप मच गया। दोपहर तक कार्रवाई की जा रही थी। सीओ सिटी अरविंद बेरड़ ने बताया कि जिले में चोरी, नकबजनी, मोटरसाइकिल चोरी, लूट जैसी वारदातें करने वालों पर शिकंजा कसा गया है। इस संबंध में दोपहर तक कार्रवाई जारी है।

राजधानी में किसान करेंगे आंदोलन: भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में 16 मई को जयपुर में किसान करेंगे सचिवालय का घेराव

जयपुर, 4 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के किसान एक बार फिर आंदोलन की राह पर है। भारतीय किसान संघ के नेतृत्व में प्रदेश भर के किसान 16 मई को विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांगो को लेकर शहीद स्मारक से रैली के रूप में आकर सचिवालय घेराव करेंगे। यह जानकारी शनिवार को पिंक सिटी प्रेस क्लब में भारतीय किसान संघ द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में दी गयी। संगठन के पदाधिकारियों ने

प्रदेश के किसानों से जयपुर कूच कर आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया है। भारतीय किसान संघ की ओर से आंदोलन संयोजक तुलछाराम सिंवर ने बताया कि किसानों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने व प्रदेश में कृषि विकास दर को बढ़ाने हेतु आवश्यक है कि किसानों को सस्ता व टैक्स मुक्त कृषि आदान मिले, हर खेत को सिंचाई हेतु नहर का पानी मिले, सिंचाई के लिए सभी किसानों को पर्याप्त, निर्बाध, गुणवत्तायुक्त, निशुल्क बिजली मिले, फसलों में नुकसान की क्षतिपूर्ति प्रमुख बिंदुओं से संबंधित मांगो को लेकर आंदोलन कर रहे है। इस अवसर पर आंदोलन प्रचार प्रमुख राजीव दीक्षित, संभाग प्रचार प्रमुख डा लोकेश कुमार चन्देल आदि मौजूद थे।

श्री श्रीयादे माता मंदिर दम्माईगुड़ा का कुंभ महोत्सव 23 से

श्री श्रीयादे माता मंदिर ट्रस्ट प्रजापति समाज का 12वीं वर्षगाठ कुंभ मोहत्सव के लिए मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी एवं उप्पल विधायक सुभाष रेड्डी को निमंत्रण पत्रिका देते हुए समाज के अध्यक्ष मीठालाल प्रजापति, सचिव मदनलाल प्रजापति, गोविंदलाल भोलाराम एवं अन्य।

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री श्रीयादे माता मंदिर दम्माईगुड़ा का 12 वी वर्षगांठ पर कुंभ महोत्सव आने वाले 23 और 24 मई को साईं बाबा नगर दम्माई गुड़ा स्थित मंदिर प्रांगण में होने जा रहा है। आज यहाँ प्रैस विज्ञप्ति में सचिव मदनलाल ब्रान्धणा एवं प्रचार मंत्री कैलाश प्रजापति ने बताया कि 23 मई को कलश शोभा यात्रा मद्दुरु स्वरुपा गार्डन्स, जीआर रेड्डी नगर, कापरा से प्रात 6:15 बजे रवाना होकर श्री श्रीयादे माता मंदिर, साई बाबा नगर, धमाई गुड़ा जायेगी।

भजन-कीर्तन अपराह्न 2 बजे से रात्रि 11 बजे तक चलेगा, जिसमें राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक हेमराज गोयल, रामचन्दर प्रजापति, आशा प्रजापति द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। 24 मई को अमर ध्वजारोहण प्रातः 6-15 बजे हवन पूजा प्रातः 7.15 बजे, समस्त बोलियों के लाभार्थियों द्वारा पूजा अर्चना प्रातः 7. 15, एवं महाप्रसादी सुबह 10 :15 बजे से रहेगी। कार्यक्रम के लिए समाज द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में गंगापुरम किशन रेड्डी (भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के पर्यटन, संस्कृति और विकास मंत्री), बी. सुभाष रेड्डी (एमएलए उप्पल), भाजपा नेता सोहन सिंह राजपुरोहित, स्वर्णराज पार्षद को निमत्रण दिया गया।

महिला ने दो बच्चों की हत्या करने के बाद किया आत्महत्या का प्रयास

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के मीरपेट में पारिवारिक मामलों को लेकर अपने पति से झगड़े के बाद एक महिला ने कथित तौर पर अपने दो बच्चों की हत्या कर दी और बाद में अपनी जीवन लीला समाप्त करने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, एन. भारती (25) की शादी श्रीनिवास (27) से 2020 में हुई थी और दंपति के दो बेटे नेनावथ लकी हैं, जिनकी उम्र लगभग आठ महीने है, और नेनावत विक्की, जिनकी उम्र लगभग 18 महीने है। परिवार मीरपेट के ललितानगर में रहता था।

मीरपेट इंस्पेक्टर एम महेंद्र रेड्डी ने कहा कि रविवार दोपहर को, भारती ने घर में पानी के टब में दो बच्चों को डुबो दिया और बाद में अपनी जान देने के इरादे से कुछ जहरीला पदार्थ खा लिया। भारती ने फिर अपने पति श्रीनिवास को फोन किया, जो घर पहुंचे और बच्चों और उनकी पत्नी को अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया, जबकि भारती को उस्मानिया जनरल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। महिला की हालत गंभीर बताई गई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि दंपति का अक्सर झगड़ा होता था और रविवार को परिवार के बुजुर्गों ने मामले को सुलझाने की कोशिश की। हालांकि, उनकी कोशिश रंग नहीं लाई और श्रीनिवास घर से बाहर चले गए। मीरपेट पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की मीटिंग संपन्न

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की मीटिंग अध्यक्ष रमेश कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में अग्रसेन गार्डन सिकंदराबाद में आयोजित की गई सर्वप्रथम अध्यक्ष द्वारा उपस्थित ट्रस्टीयों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात् दिवंगत ट्रस्टियों को श्रद्धांजलि प्रदान की गई। उनके स्थान पर महेश कुमार केडिया, सुनील कुमार तोंदावाले, अमित टीबरेवाला को ट्रस्टी मनोनीत किया गया। मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल ने रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए जानकारी दी कि अग्रसेन गार्डन कि लीज समाप्त होने के पश्चात् सूरत सिंग मल्होत्रा से वापस ट्रस्ट को प्राप्त हो चुका है जिसको आगे किस प्रकार चलाना है उसकी चर्चा हुई तथा अगली मीटिंग में और ज़्यादा विचार विमर्श कर निर्णय लेने का आश्वासन दिया गया। अग्रवाल समाज तेलंगाना से प्राप्त हुए पत्र पर चर्चा की गई तथा समाज के पदाधिकारियों के साथ विचार विमर्श करने का निर्णय लिया गया। भवन के रख रखाव हेतु एक जोड़ा माली को तथा एक सिक्योरिटी को रखने का निर्णय लिया गया। भवन में जो-जो कार्य करना है उसका अवलोकन किया गया।

कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता ने अभी तक का हिसाब प्रस्तुत किया, जिसे सर्व सम्मति से पारित किया गया। बैठक में ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष गोपाल चंद अग्रवाल, मानद मंत्री मुकुंद लाल अग्रवाल, सह मंत्री विनोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष बजरंग प्रसाद गुप्ता, मैनेजिंग ट्रस्टी प्रमोद कुमार केडिया, ट्रस्टी महेश कुमार केडिया आदि उपस्थित हुए।

प्रभु वाणी के बिना प्रवचन अधूरा : साध्वी डॉ. मंगल प्रज्ञा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बोलाराम स्तिथ तेरापंथ भवन में प्रवास के दूसरे दिन प्रवचन करते हुए साध्वीश्री मंगलप्रज्ञाजी ने कहा कि हर संप्रदाय के अपने-अपने ग्रंथ हैं। जैन संप्रदाय के प्रमुख ग्रंथ को आगम कहा जाता है। भगवान महावीर की वाणी आगम साहित्य के रूप में हमारे समक्ष विद्यमान हैं। प्रभुवाणी के बिना प्रवचन अधूरा होता है। प्राचीन संत कहा करते थे कि जो व्यक्ति भगवान वाणी सुनता है वह कभी बहरा नहीं होता है। आगम स्वाध्याय से कर्णेंद्रीय की समस्याओं का समाधान हो जाता है। परिषद को विशेष प्रबोध देते हुए साध्वीश्री ने कहा-साधु साधु साधुत्व की साधना करते है और श्रावक श्रावकत्व की।फर्क है गति है साधु- संत साधना पथ पर निरंतर गतिशील रहते हैं जबकि श्रावक की गति धीमी होती है। पर धर्म में रुकावट न हो यह सब का लक्ष्य होना चाहिए। हर व्यक्ति कर्म काटने की साधना करें। सत्य की और हमारा प्रस्थान हो रहा है या नहीं यह जरूर चिंतन करें। आज की जीवनशैली को देखकर लगता है व्यक्ति अध्यात्म के लक्ष्य को भूलता जा रहा है। व्यवसाय, रिश्ते नाते याद रहते हैं पर आत्मा के रिश्ते को भूलते जा रहे हैं। आवश्यकता है भगवान महावीर की आदर्श वाणी "विनय हमारा आधार धर्म है" इसे अपनाए। परिवार और समाज में सफलता और शांति के लिए पारस्परिक विनय वात्सल्य की परंपरा को सुरक्षित रखें। महावीर का दर्शन कोरा उपासनात्मक नहीं, आचरणत्मक है। जैन समाज सौभाग्यशाली है जिन्हें महावीर का शासन मिला। हम सौभाग्यशाली है जिन्हें भेक्षव शासन मिला। वर्तमान में महाश्रमण गुरुदेव की छत्रछाया हमे प्रतिपल आनंद और शक्ति से संपोषित कर रही है। हम सभी धर्म संघ की गरिमा में अपनी शक्ति का संयोजन करते रहे। अध्यात्म विकास करते रहें। साध्वी डॉ शौर्यप्रभा जी ने मानव जीवन की दुर्लभता का दर्शन मधुर संगान द्वारा करवाया। साध्वी सिद्धियशाजी ने महावीर वाणी का रसास्वादन करते हुए कहा कि व्यक्ति हर समस्या का समाधान खोजें, समस्याओं को बढ़ाएं नहीं

अग्रणी विवाह बंधन की हुई बैठक

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी विवाह बंधन की अध्यक्ष सुनैना नरसरिया ने उक्ताशय की जानकारी देते हुए बताया अग्रणी विवाह बंधन की बैठक हिमायतनगर स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। इस बैठक में लकभक 30 से ज्यादा रिश्ते तय किए गए। अगले माह की बैठक जल्द ही सूचित की जाएगी। बैठक में पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, राजेन्द्र दीवान, बबिता गर्ग , संगीता जाजोरिया , रूपा गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

वैभवी नारी शक्ति हैदरगुड़ा शाखा द्वारा छाछ का वितरण

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना वैभव नारी शक्ति हैदरगुड़ा शाखा द्वारा पुलिहोरा एवं छाछ और पानी का वितरण हनुमान मंदिर मलकपेट के पास किया गया। इस अवसर पर राजकुमार गुप्ता, दीपक गुप्ता, रमाकांत अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सागर गुप्ता, सौरभ गुप्ता, विजय अग्रवाल, सतवंती सराय वाला, रितु अग्रवाल, अनुपमा गुप्ता, उषा अग्रवाल, उर्मिला मोदी, किरण अग्रवाल व अन्य अग्रबंधु उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस पर माताओं का सम्मान

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस पर छावनी परिषद के वार्ड एक के न्यू बोइनापल्ली न्यू सिटी कॉलोनी में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जेपी के आवास पर आयोजित किया गया। बच्चे ऋषित ने अपनी मां लावण्या को मदर्स डे की बधाई दी। मदर्स डे के मौके पर एक छोटा सा तोहफा दिया।

इसी तरह कलोनी निवासी श्रीलता को उनकी बेटी भानु ने मातृमूर्ति दिवस पर उपहार दिया। इस मौके पर बोलते हुए जेपी ने कहा कि दुनिया में मां की ममता से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक समाज में माता-पिता अपना मूल्य खोते जा रहे हैं क्योंकि बच्चों को वृद्धाश्रम भेजा जा रहा है।

हनुमान जयंती पर न्यू बोइनपल्ली पेद्दाथोकट्टा दासंजनेया स्वामी मंदिर में विभिन्न पूजा कार्यक्रम में भाग लेते हुए बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप, नंद किशोर, करुणाकर शर्मा, संतोष व अन्य।

अग्रवाल समाज वरंगल की सर्वसाधारण बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अग्रवाल समाज वरंगल की वार्षिक सर्व साधारण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विगत वर्ष के कार्यकाल का ब्योरा प्रस्तुत किया गया। मुख्यतया राम मंदिर जीर्णोद्धार और प्राण प्रतिष्ठा तथा साथ ही इसी प्रांगण में अग्रवालों के इतने लम्बे वरंगल प्रवास के इतिहास में पहला श्री अग्रसेन भवन की नींव रखकर उसका कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया। सभा ने करतल ध्वनि से कार्यकारिणी का धन्यवाद किया। युवा मंच, महिला मण्डल तथा राम मंदिर सेवा समिति द्वारा किए कार्यों की भी सराहना की गई। अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति, तेलंगाना और विशेषकर इसके अध्यक्ष श्री अंजनी कुमार अग्रवाल को धन्यवाद किया गया। यह भी निर्णय हुआ कि भविष्य में बाकी बचे हुए सभी परिवारों को भी केंद्रीय समिति का सदस्य बनाने का प्रयास किया जायेगा। वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त हुआ और नई कार्यकारिणी के गठन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। सर्व सम्मति से अगले 2 वर्षों के लिए नई कार्यकारिणि का

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन की मौत

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर में अलग-अलग सड़क हादसों में शनिवार रात से तीन लोगों की मौत हो गई। बालापुर में, रविवार की तड़के पहाड़ीशरीफ रोड पर एक आवारा कुत्ते से बचने की कोशिश के दौरान वाहन से नीचे गिरने के बाद एक 21 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। हारून कॉलोनी बालापुर निवासी सैयद शाहनवाज एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहा था और वादी-ए-मुस्तफा जंक्शन पर पहुंचा तो उसकी बाइक के आगे एक आवारा कुत्ता आ गया. शाहनवाज़ ने कुत्ते से बचने के लिए अचानक ब्रेक लगाया और उसकी बाइक सड़क पर फिसल गई। सड़क पर गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला दर्ज है।

एक अन्य मामले में शनिवार की रात नरसिंगी में ग्रेजुएशन के एक छात्र की सड़क के मध्य में गिरने से मौत हो गयी। के तरुण कुमार (18), जो बी.कॉम प्रथम वर्ष का कोर्स कर रहा था, किसी काम से आधी रात को अपनी मोटरसाइकिल पर गया था। बृंदावन बार और रेस्तरां के पास घर लौटते समय, तरुण, जो कथित तौर पर तेज गति से गाड़ी चला रहा था, ने अपनी बाइक पर नियंत्रण खो दिया और सड़क के बीच में जा घुसा। वह सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। नरसिंगी पुलिस ने कहा कि मौत उसके लिए तत्काल थी। मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

एलबी नगर में, अब्दुल्लापुरमेट निवासी एक ऑटो रिक्शा चालक जी कोंडल राव (39) की मोटरसाइकिल से आमने-सामने की टक्कर में मौत हो गई। कोंडल राव नागोले रोड पर जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रही एक मोटरसाइकिल ने तेज गति से उनके ऑटो रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर के प्रभाव के कारण, कोंडल राव ऑटो रिक्शा से सड़क पर गिर गए और उन्हें चोटें आईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला दर्ज है।

सेरिलिंगमपल्ली डिवीजन में पदयात्रा कर सार्वजनिक मुद्दों की जानकारी लेते हुए राजू शेट्टी कुरुमा, राज्य एससी मोर्चा के आधिकारिक प्रवक्ता, शक्ति केंद्र प्रभारी, कंचना कृष्णा और मंडल उपाध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी सीएच बलराज व गज्जला योगानंद। गज्जला ने बीआरएस सरकार पर राज्य के विकास की अनदेखी करने का आरोप लगाया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अध्यक्ष ही तय करेंगे ...

उम्मीद जताई जा रही है कि कांग्रेस जल्द ही सीएम के नाम पर मुहर लगा सकती है। इन सब के बीच कर्नाटक में पार्टी के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने रविवार को कहा कि मैंने पार्टी के लिए कई बार कुर्बानी दी है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने रविवार को यह बयान कांग्रेस की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले लिंगायत समुदाय के धार्मिक केंद्र तुमकुर में सिद्धगंगा मठ का दौरा करने के बाद दिया है।

डीके शिवकुमार ने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि मेरा सिद्धारमैया से किसी बात को लेकर मतभेद है, लेकिन मैं ये साफ कर देना चाहता हूं कि इस तरह की तमाम बातें गलत है। सिद्धारमैया और मेरे बीच किसी तरह कोई मतभेद नहीं है। मैंने पार्टी के लिए कई बार कुर्बानी दी है और सिद्धारमैया जी के साथ खड़ा भी रहा हूं। मैंने हमेशा ही सिद्धारमैया को अपना सहयोग दिया है।

कर्नाटक डीजीपी...

जून 2020 में प्रवीण सूद कर्नाटक के डीजीपी बनाए गए थे।

प्रवीण सूद की पत्नी विनीता सूद सोशल आंत्रप्रेन्योर हैं। दो बेटियां हैं। एक बेटी आशिता सूद लॉ में पॉस्ट ग्रेजुएट हैं। आशिता ने क्रिकेटर मयंक अग्रवाल से 2018 में सगाई की और 2022 में शादी कर ली। मयंक अग्रवाल बेंगलुरू के रहने वाले हैं। वे घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक के लिए खेलते हैं। मौजूदा आईपीएल सीजन में वे सनराइजर्स हैदराबाद की टीम से खेल रहे हैं। मयंक ने टीम इंडिया के लिए 21 टेस्ट मैचों में 1488 रन और पांच वनडे मैचों में 86 रन बनाए हैं।

आत्मनिर्भर भारत के...

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इससे ना सिर्फ देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा साथ ही हमारी रक्षा उत्पादन की गुणवत्ता में भी इजाफा होगा। इसके लिए रिसर्च संस्थानों को भी इससे जोड़ा जाएगा। बता दें कि भारत दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीददारों में से एक है। अगले पांच सालों में सेना अपनी हथियार खरीद जरूरतों पर करीब 130 बिलियन डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है। यही वजह है कि घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। आत्मनिर्भर योजना के तहत अगले पांच सालों में देश में 1.75 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है।

सनातन हिंदू संघ एवं एच2एच द्वारा लोगों को केरल स्टोरी फिल्म देखने के लिए निःशुल्क दिये जा रहे टिकट का वितरण करते हुए समाजसेवी गोपाल बल्दवा व अन्य।

दिल दहलाने वाली है केरल स्टोरी फिल्म : अमर सिंह

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ भाजपा नेता अमर सिंह राजपुरोहित ने बताया कि हाल ही में देश में रिलीज हुई केरल स्टोरी फिल्मी को देखकर हमारा ह्रदय दहल जाता है। इससे हमारा लोकतंत्र शर्मसार होता है।

एक आजाद देश में जहां 100 करोड हिन्दू रहते हैं, जो देश की कुल आबादी का 80 प्रतिशत होता है। उस देश में हिन्दू बहनों व भाइयों के प्रति जेहादियों द्वारा जघन्य कर्तव्य कर जबरदास्ती व बहला फुसला कर धर्म परिवर्तन कर उसे नर्क की दुनिया में भेजा जाता है। ये विशेष कर केरला प्रदेश में हो रहा है। वहां की सरकार से उन संगठनों को अदरूनी समर्थन प्राप्त है, वरणा एसी घटना नहीं हो सकती। हमारे देश में एसी घटनाएं और भी कई प्रदेशों में होती है, जिसकी जिम्मेदारी वहां की सरकारों की है। उन्होंने देश के हिंदू भाइयों से दुनिया के अन्य धर्मों के लोगों से सबक सिखकर अपने घर के धार्मिक संस्कारों में विशेष कर अपनी बच्चों को घर में प्रतिदिन हनुमानचालीसा का पाठ कराने का अनुरोध किया।

रविवार को मदर्स डे पर उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एन.के. सिंह ने अपने जन्म स्थान बिहार में मालती देवी के साथ माता सावित्री देवी का आशीर्वाद लिया।

हैदराबाद हवाई अड्डे पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा का सम्मान करते हुए जामबाग पार्षद आज राकेश जायसवाल। साथ में हैं पी.सुधाकर रेड्डी, जी. प्रेमेंद्र रेड्डी ।

59 रन पर सिमटी राजस्थान, बेंगलुरु 112 रन से जीती

आरआर ने बनाया आईपीएल हिस्ट्री का तीसरा सबसे छोटा स्कोर, वेन पोर्नेल ने लिए तीन विकेट

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। पिछले सीजन की फाइनलिस्ट राजस्थान रॉयल्स को इंडियन प्रीमियर लीग अपने घरेलू मैदान पर करारी हार झेलनी पड़ी। टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 112 रन से हराया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम पर मेजबान टीम 172 रन का टरगेट चेज करते हुए महज 59 रन पर सिमट गई।

172 रन के टारगेट के जवाब में राजस्थान ने लगातार विकेट गंवाए। टीम की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी 19 रन की हुई, जो अश्विन और शिमोरान हेटमायर ने की। शिमरोन हेटमायर (35 रन) टॉप स्कोरर रहे। शेष बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सके। वेन पार्नेल ने 3 विकेट चटकाए। माइकल ब्रेसबेल और करण शर्मा को दो-दो सफलताएं मिलीं। एक-एक विकेट सिराज और ग्लेन मैक्सवेल को मिला।

इससे पहले, बेंगलुरु की ओर से कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने 55,

ग्लेन मैक्सवेल ने 54 और अनुज रावत ने नाबाद 29 रन बनाए।

ऐसे गिरे राजस्थान के विकेट...

पहलाः पहले ओवर की दूसरी बॉल पर मोहम्मद सिराज ने यशस्वी जायसवाल को कोहली के हाथों कैच कराया। दूसराः वेन पार्नेल ने दूसरे ओवर की दूसरी बॉल पर जोस बटलर को सिराज के हाथों कैच कराया।

तीसरा : पार्नेल ने दूसरे ओवर की चौथी बॉल पर कप्तान संजू सैमसन को विकेटकीपर अनुज रावत के हाथों कैच कराया। चौथाः 5वें ओवर की दूसरी बॉल पर माइकल ब्रेसवेल ने पड्डीकल को सिराज के हाथों कैच कराया। पांचवां : छठे ओवर की तीसरी बॉल पर वेन पार्नेल ने जो रूट को एलबीडब्ल्यू कर दिया। छठा : 7वें ओवर की आखिरी बॉल पर ब्रेसवेल ने ध्रुव जुरेल को लोमरोर के हाथों कैच कराया। सातवां : 8वें ओवर की आखिरी बॉल पर रविचंद्रन अश्विन रनआउट हो गए। आठवांः 10वें ओवर की 5वीं बॉल पर ग्लेन मैक्सवेल ने हेटमायर को ब्रेसवेल के हाथों कैच कराया। नौवांः 11वें ओवर की पहली बॉल पर करण शर्मा ने एडम जंपा को बोल्ड कर दिया। दसवां : 11वें ओवर की तीसरी बॉल पर करण शर्मा ने केएम आसिफ को कोहली के हाथों कैच कराया।

ऐसे गिरे बेंगलुरु के विकेट...

पहलाः 7वें ओवर की आखिरी बॉल पर केएम आसिफ ने कोहली को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। दूसरा : 15वें ओवर की 5वीं बॉल पर केएम आसिफ ने फाफ डु प्लेसिस को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। तीसराः 16वें ओवर की पहली बॉल पर एडम जंपा ने महिपाल लोमरोर को ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया। चौथाः 16वें ओवर की तीसरी बॉल पर एडम जंपा ने दिनेश कार्तिक को एलबीडब्ल्यू कर दिया। पांचवांः 18वें ओवर की तीसरी बॉल पर संदीप शर्मा ने ग्लेन मैक्सवेल को बोल्ड कर दिया।

आवेश खान की नो-बॉल पर कॉन्ट्रोवर्सी

एलएसजी डगआउट पर फैंस ने फेंके नट-बोल्ट

खेल डेस्क, 14 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग-2023 के 58 मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 7 विकेट से हराया। इस जीत से टीम ने प्लेऑफ की ओर एक और कदम बढ़ाया।

यह मुकाबला कई वजहों से चर्चा में रहा। इनमें लखनऊ के तेज गेंदबाज आवेश खान की नो-बॉल कॉन्ट्रोवर्सी, हेनरिक क्लासेन की लेग अंपायर से बहस और एग्रेसिव सेलिब्रेशन के कारण अमित मिश्रा को लगी फटकार और लखनऊ के डगआउट पर फैंस के नट-बोल्ट फेंकने जैसे विवाद रहे।

पहली पारी का 19वां ओवर आवेश खान डाल रहे थे। आवेश ने ओवर की तीसरी बॉल अब्दुल समद को फुल टॉस फेंकी। इसे फील्ड अंपायर ने नो बॉल करार दिया। लखनऊ के कप्तान क्रुणाल

पंड्या ने रिव्यू लिया। थर्ड अंपायर ने इसे नो बॉल नहीं माना। फील्ड अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। थर्ड अंपायर के इस फैसले से एसआरएच का खेमा नाराज दिखा।

थर्ड अंपायर के फैसले के बाद क्रीज पर मौजूद हेनरिक क्लासेन लेग अंपायर से बहस करते नजर आए। इस पर क्लासेन पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगा। आईपीएल के मुताबिक क्लासेन ने अंपायर के डिसीजन को नहीं माना और आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किया।

एक विवाद आखिरी ओवर में भी हुआ। यश ठाकुर ने अब्दुल समद को स्लो बाउंसर फेंकी और बॉल समद के ऊपर से गई। इस पर समद ने वाइड बॉल का रिव्यू मांगा, लेकिन थर्ड अंपायर ने बॉल को सही करार दिया। इससे हैदराबाद का खेमा फिर नाराज हो गया। इसके बाद हैदराबाद के प्लेयर्स में नाराजगी दिखी और कुछ देर के लिए मैच रोकना पड़ा।

एलएसजी के डगआउट पर फैंस ने फेंके नट-बोल्ट

पहली पारी के दौरान हैदराबाद के फैंस ने लखनऊ के डगआउट पर नट-बोल्ट फेंके, जिस पर एलएसजी के टीम मैनेजमेंट ने फील्ड अंपायर ने शिकायत की। शिकायत के बाद अंपायर हैदराबाद के कोच मुरलीधरन को नट-बोल्ट दिखाते नजर आए।

एलएसजी के एक सूत्र ने भास्कर से इस वाकये की पुष्टि करते हुए कहा, मैच के दौरान दर्शकों ने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ पर नट-बोल्ट फेंके। इतना ही नहीं, कोच गौतम गंभीर को टारगेट कर विराट कोहली के नाम के नारे भी लगाए।

कोहली बोले- मुझसे कप्तानी में कई गलतियां हुई

लेकिन जो किया अपने लिए नहीं; टीम को आगे ले जाने के लिए किया

कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया का तीनों फॉर्मेट में प्रदर्शन

	टेस्ट	वनडे	टी-20
मैच	68	95	50
जीते	40	65	30
हारे	17	27	16
ड्रॉ	11	1	2
नो रिजल्ट	0	2	2

खेल डेस्क, ,14 मई (एजेंसियां)। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे यह स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं है कि जब मैं कप्तान था तो मैंने कई गलतियां कीं, लेकिन एक बात मैं जानता हूं कि मैंने कभी भी अपने स्वार्थ के लिए कुछ नहीं किया। मेरा टारगेट टीम को आगे ले जाना था।'

कोहली ने डिज्नी + हॉटस्टार के शो 'लेट देयर बी स्पोर्ट' के एक एपिसोड में आगे कहा, 'मैं कह सकता हूं जैसे आप आउट होने पर गलतियां करते हैं यह एक विफलता है। असफलताएं थीं, लेकिन मेरा इरादा गलत नहीं था। जब तक आप सही जगह पर हैं आप गलतियां करेंगे, लेकिन जब आप उससे सीख लेंगे तो आप चमकना शुरू कर देंगे।'

कोहली ने साल 2022 में छोड़ दी थी कप्तानी

कोहली ने एमएस धोनी के बाद टीम इंडिया की कप्तानी की जिम्मेदारी संभाली थी। कोहली की कप्तानी में टीम इंडिया कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत सकी। कोहली को बतौर कप्तान काफी आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा।

हालांकि कोहली की कप्तानी में ही पहली बार टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट सीरीज में उसके ही घर में मात दी थी। टी-20 वर्ल्ड कप 2021 में भी कोहली ने कप्तानी की, उस दौरान टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा।

विराट को वनडे फॉर्मेट में कप्तानी से हटाने का फैसला किया गया। उसके बाद कोहली ने साल 2022 की शुरुआत में साउथ अफ्रीका दौरे के बाद टेस्ट टीम की भी कप्तानी छोड़ दी थी।

मौजूदा सीजन में कोहली ने 11 मैचों में 420 रन बनाए

कोहली इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा हैं। कोहली ने आईपीएल 2021 में आरसीबी के कप्तान के रूप में इस्तीफा दिया था। मौजूदा सीजन में कोहली ने 11 मैचों में 42.00 की औसत से 420 रन बनाए हैं। आईपीएल 2023 में उनका स्ट्राइक रेट 133.76 का है।

पहलवानों के धरने के बीच बड़ा फैसला

एशियन कुश्ती ट्रायल के लिए अंडर-17 और 23 का शेड्यूल जारी; सोनीपत और पटियाला में होंगे

पानीपत, 14 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी को लेकर जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना आज 22वें दिन भी जारी है। इसी बीच एडहॉक कमेटी ने अंडर-17 और 23 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के ट्रायल का शेड्यूल जारी कर दिया है। किर्गिस्तान के बिश्केक में होने वाली प्रतियोगिता के लिए ट्रायल 17 से 20 मई तक होंगे। जिसमें प्रत्येक दिन दो से तीन भारवर्ग के ट्रायल लिए जाएंगे।

ये ट्रायल सोनीपत और पटियाला में होंगे। सोनीपत में एडहॉक समिति के सदस्य भूपेंद्र सिंह बाजवा भी मौजूद रहेंगे।

ट्रायल में ये रहेंगे मौजूद

जिसमें सोनीपत में फ्री स्टाइल वर्ग व पटियाला में ग्रीको रोमन व

महिला पहलवानों के ट्रायल होंगे। इसकी सभी तैयारी पूरी कर ली गई हैं। सोनीपत में ट्रायल प्रक्रिया की चयन समिति में तदर्थ समिति के सदस्य भूपेंद्र सिंह बाजवा, साई में कुश्ती दल के मुख्य प्रशिक्षक जगमिंदर सिंह व अर्जुन अवॉर्डी पहलवान रमेश कुमार गुलिया मौजूद रहेंगे।

वहीं पटियाला में महिला व ग्रीको रोमन वर्ग के पहलवानों के ट्रायल की चयन समिति में द्रोणाचार्य अवॉर्डी सुमा शिरूर, महा सिंह राव तथा अर्जुन अवॉर्डी अलका तोमर को शामिल किया गया है।

तीन हफ्ते बाद वापसी करने वाले जोकोविच की इटालियन ओपन में जीत से शुरुआत

वावरिंका को मिली हार

खेल डेस्क, ,14 मई (एजेंसियां)। जोकोविच दाहिनी कोहनी में चोट के कारण तीन सप्ताह बाद कोर्ट पर वापसी कर रहे हैं। जोकोविच का अगला मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा, जिन्होंने स्टेन वावरिंका को 6-4, 7-6 (3), 6-2 से हराया।

फ्रेंच ओपन की तैयारियों में जुटे सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने विश्व में 61वीं रैंकिंग के टॉमस मार्टिन एचेवेरी के खिलाफ संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करके इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया। इस क्लेकोर्ट टूर्नामेंट में सातवां खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच ने एचेवेरी 7-6 (5), 6-2 से हराया।

जोकोविच दाहिनी कोहनी में चोट के कारण तीन सप्ताह बाद

कोर्ट पर वापसी कर रहे हैं। जोकोविच का अगला मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा, जिन्होंने स्टेन वावरिंका को 6-4, 7-6 (3) से हराया। पुरुष वर्ग के अन्य मैचों में स्थानीय खिलाड़ी यानिक सिनर ने थानासी कोकिनाकिस को 6-1, 6-4 से, ऑस्ट्रेलियाई क्वालिफायर अलेक्सी पोपिरिन ने फेलिक्स ऑगर अलियासिम को 6-4, 4-6, 7-5 से, इटली के फैबियो फोगनिनी ने मिओमिर केकमानोविकच को 6-3, 7-6 (6) से और सातवीं वरीयता प्राप्त होल्गर रून ने आर्थर फिल्स को 6-3, 6-3 से हराया।

महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने अनास्तासिया पाव्लुचेनकोवा को 6-0, 6-0 से हराकर रोम में अपना तीसरा खिताब जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। अन्य मैचों में पाउला बडोसा ने पिछले साल की उपविजेता ओन्स जैबूर को 6-1, 6-4 से, नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सकारी ने बारबोरा स्ट्राइकोवा को 6-1, 6-3 से और करोलिना मुचोवा ने 18 वीं वरीयता प्राप्त मार्टिना ट्रेविसन को 3-6, 6-3, 7-5 से हराया।

'उन्होंने अब तक क्या किया है?' सैम कुरेन पर फिर बरसे वीरेंद्र सहवाग, कही ये बात

खेल डेस्क, ,14 मई (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने शनिवार को दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में शानदार सेंचुरी ठोक डाली। उन्होंने कुल 106 रन बनाए और सभी को अपना मुरीद बना लिया। इस पारी की पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने भी जमक तारीफ की है। हालांकि उन्होंने इसका उदाहरण लेकर सैम कुरेन पर फिर तंज कसा है।

प्रभसिमरन के बहाने सहवाग ने कुरेन पर कसा तंज

मैच समाप्त होने के बाद सहवाग ने जहां प्रभसिमरन की जमकर तारीफ की वहीं सैम कुरेन को उनकी कीमत के हिसाब से प्रदर्शन नहीं करने को लेकर घेरा।

क्रिकबज के शो पर सहवाग बोले 'उनको (प्रभसिमरन सिंह) जो मौके दिए है उसका नतीजा तो आज आया है, उसका फायदा तो आज मिला है। अब मलाई खाने की बारी तो आगे है ना... प्रभसिमरन पर जो निवेश किया है उसका फायदा तो आगे ही होगा।

उन्होंने आगे प्रभसिमरन को लेकर कहा कि 'जब वे पहली बार जब वह टीम में आए थे तो काफी महंगे थे, मगर इस बार वह कम पैसों में आए हैं।

लेकिन उन्होंने अपना टेलेंट आज प्रूफ किया है कि मैं शतक लगा सकता हूं। केवल उन्हें 60 लाख रुपए में खरीदा है...60 लाख का प्लेयर अगर आपको शतक लगाकर 1-2 मैच जीता दे तो उससे बढ़िया क्या होगा। 18 करोड़ रुपए देकर सैम कुर्रन को खरीदा है, अभी तक कुछ किया है?"

पहले भी सैम कुरेन पर साधा था निशाना

बता दें कि इससे पहले भी वीरेंद्र सहवाग ने कुरेन को आरसीबी के खिलाफ रनआउट के लिए अनुभवहीन बताया था। उन्होंने कहा था कि "वह एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी है। लेकिन आप 18 करोड़ से अनुभव नहीं खरीद सकते। यह तभी आता है जब आप खेलते हैं, जब आपके बाल सफेद हो जाते हैं जब आप तेज धूप में खेलते हैं।"

बैसाखी के सहारे चलते नजर आए केएल राहुल

सफल सर्जरी के बाद पहली तस्वीर आई सामने

खेल डेस्क, 14 मई (एजेंसियां)। भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी केएल राहुल ने सफल सर्जरी के बाद पहली बार अपनी तस्वीरें शेयर की है। इसमें राहुल बैसाखी के सहारे चलते नजर आ रहे हैं। हालांकि उनके चेहरे पर खुशी की लहर है। बता दें कि वे आईपीएल के दौरान बुरी तरह से चोटिल हो गए थे। इसके चलते वे डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी भाग नहीं ले पाएंगे।

अथिया संग घूमने निकले राहुल

केएल राहुल फिलहाल सर्जरी के चलते देश से बाहर हैं ऐसे में सफल ऑपरेशन होने के बाद उन्होंने अपनी पत्नी के साथ कुछ वक्त घूमने का सोचा। इसके लिए वे सड़कों पर टहलते हुए नजर आए। उनके द्वारा शेयर किए गए फोटो में

एक में वे बैसाखी के सहारे चलते नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में वे अथिया के साथ पोज देते दिख रहे हैं। इस फोटो पर सुनील शेट्टी, मोहसिन खान समेत कई खिलाड़ियों और सेलेब्रिटी ने कमेंट किया है।

जल्द वापसी को आतुर राहुल

बता दें कि केएल राहुल टीम में जल्द वापसी के लिए प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने सर्जरी के बाद कहा था कि नमस्कार साथियों मेरी अभी-अभी सर्जरी हुई है, जो कि सफल रही है। डॉक्टरों और चिकित्सा कर्मचारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद कि मैं आराम से था और सब कुछ सुचारू रूप से चला। मैं आधिकारिक तौर पर अब ठीक होने की राह पर हूं।" मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और मैदान पर वापस आने के लिए प्रतिबद्ध हूं।'

ऐसे चोटिल हुए थे राहुल

लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल आईपीएल में आरसीबी के खिलाफ मैच के दौरान चोटिल हो गए थे। बेंगलुरु की पारी में दूसरे ओवर की आखिरी गेंद पर फील्डिंग के दौरान राहुल के पैर में खिंचाव महसूस हुआ। वह गेंद के पीछे दौड़ते हुए रुक गए। इस चोट के बाद वे दर्द में कराहते दिखे और फिर टीम के फिजियो उन्हें मैदान से बाहर ले गए। इसके बाद वे आईपीएल और डब्ल्यूटीसी फाइनल से बाहर हो गए।

लखनऊ सुपर जायंट्स की टॉप-4 में एंट्री

दिल्ली कैपिटल्स रेस से बाहर, जानें अंक तालिका की स्थिति

खेल डेस्क, 14 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में जैसे-जैसे लीग स्टेज खत्म होने की ओर बढ़ रही है वैसे-वैसे प्वाइंट्स टेबल की भी स्थिति रोचक हो रही है। इसी कड़ी में शनिवार को हुए दो मुकाबलों के बाद इसमें भारी बदलाव देखने को मिला है। बता दें कि टॉप-4 टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने वाली हैं इसके लिए कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है।

लखनऊ सुपर जायंट्स की टॉप-4 में एंट्री

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में शनिवार को पहले मुकाबले में लखनऊ सुपर जाएंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत दर्ज कर 13 अंकों के साथ टॉप-4 में अपनी जगह बना ली है। लखनऊ

की जीत से राजस्थान रॉयल्स 5वें पायदान पर लुढ़क गई है। वहीं लखनऊ का नेट रनरेट भी बेहतर हुआ है।

दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ की रेस से बाहर

शनिवार रात पंजाब किंग्स के हाथों सीजन की 8वीं हार का सामना करने वाली दिल्ली कैपिटल्स का खिताब जीतने का सपना टूट गया है। डेविड वॉर्नर की अगुवाई वाली यह टीम आईपीएल 2023 से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं बात पंजाब किंग्स की करें तो, दिल्ली कैपिटल्स पर 31 रनों से धमाकेदार जीत दर्ज करने के बाद टीम दो पायदान की छलांग लगाकर 6ठें पायदान पर पहुंच गई है।

टॉप-4 टीमों पर नजर डालें तो गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स सभी के 12-12 मैच हो चुके हैं। गुजरात 16 अंकों के साथ पहले स्थान पर, चेन्नई 15 पॉइंट्स के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर मुंबई इंडियंस है। लखनऊ सुपर जायंट्स के 12 मैचों में 13 अंक है। टॉप-4 में मौजूद हर टीम के 2-2 मैच बचे हैं।

तेलंगाना स्थापना दिवस को भव्य बनाने हेतु पूरी व्यवस्था करें : सीएस

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने संबंधित अधिकारियों को तेलंगाना स्थापना उत्सव की भव्य सफलता के लिए विस्तृत व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

मुख्य सचिव ने रविवार को एक समन्वय बैठक की और तेलंगाना स्थापना उत्सव के संबंध में की जाने वाली व्यवस्थाओं पर चर्चा की। उत्सव 2 जून से शुरू होकर पूरे राज्य में इक्कीस दिनों तक आयोजित किया जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य गठन के पिछले नौ वर्षों में प्रत्येक विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए भव्य तरीके से व्यवस्था की जाए।

मुख्य सचिव ने बताया कि प्रत्येक विभाग द्वारा राज्य स्तर पर पिछले नौ वर्षों के तथ्यों, आँकड़ों और उपलब्धियों को दर्शाते हुए वृत्तचित्र तैयार किए जाएँ। सभी महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्मारकों और भवनों को सभी दिनों में प्रकाशित किया जाए। राज्य स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों के अलावा इसी तरह के जिला, निर्वाचन क्षेत्र और मंडल स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 21 दिवसीय उत्सव के सुचारू संचालन के लिए कई उप समितियों का गठन किया गया है।

बैठक में एमएलसी देसापति श्रीनिवास, सचिव जीएडी शेषाद्री, सचिव वित्त टीके श्रीदेवी, सचिव सार्वजनिक उद्यम निर्मला, आयुक्त आई एंड पीआर अशोक रेड्डी, निदेशक आई एंड पीआर राजामौली, निदेशक संस्कृति हरिकृष्णा और अन्य अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

तेलंगाना में सरकारी स्कूल के छात्रों के लिए 'समर अभ्यास'

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूल के छात्रों के बीच अगली कक्षा के लिए पूर्व-अपेक्षित सीखने के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए,स्कूल शिक्षा विभागने डिजिटल होम लर्निंग प्रोग्राम, 'समर अभ्यास' लॉन्च किया है।

यह कार्यक्रम 13 मई से 10 जून तक प्ले स्टोर पर उपलब्ध स्विफ्ट चैट एप में 'इंतिंटा चदुवुला पंटा चैटबॉट' पर लागू किया जा रहा है। पूर्व-अपेक्षित सीखने के परिणामों (एलओ) के साथ मैप किए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों का एक सेट उन छात्रों को प्रदान किया जाएगा, जिन्हें कार्यक्रम के भाग के रूप में कक्षा 4 से 10 में पदोन्नत किया जाता है, जिसका उद्देश्य पूर्व-अपेक्षित सीखने के उद्देश्यों को संशोधित करना और छात्रों के बीच अगली कक्षा प्राप्त करना है।

कक्षा 4 में पदोन्नत किए गए बच्चों को तीसरी कक्षा एलओ का अभ्यास करना होता है। इसी तरह, कक्षा 10 में पदोन्नत छात्रों को कक्षा 9 एलओ का अभ्यास करना चाहिए। अंग्रेजी, तेलुगु और उर्दू माध्यमों में गणित, विज्ञान और सामाजिक अध्ययन विषयों के लिए साप्ताहिक अभ्यास होगा। छात्रों को अगले शुक्रवार तक पूरा करने के लिए प्रत्येक शनिवार को एक अभ्यास उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग ने अपने सभी क्षेत्रीय संयुक्त निदेशकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रधानाध्यापकों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए शिक्षकों और अभिभावकों को साप्ताहिक संदेश प्रसारित करने के लिए सूचित करें।

केटीआर ने लंदन में डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अपने यूके दौरे के तहत, आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने लंदन में अंबेडकर संग्रहालय का दौरा किया और भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। यह संग्रहालय उन परिस्थितियों की एक झलक प्रस्तुत करता है जिन्होंने समानता के लिए डॉ. अम्बेडकर की खोज को आकार दिया। मंत्री ने पूरे भवन को ध्यान से देखा, जिसमें वह कमरा भी शामिल था जहाँ अम्बेडकर रहते थे।

मंत्री ने प्रदर्शन के लिए संग्रहालय को ब्रिटेन में भारत के उच्चायोग के प्रथम सचिव श्रीरंजनी कानागवेल के माध्यम से तेलंगाना में अंबेडकर प्रतिमा की प्रतिकृति भेंट की। उन्होंने भारतीय उच्चायोग को अंबेडकर का एक चित्र भी भेंट किया। लंदन में अंबेडकर संग्रहालय में मंत्री की यात्रा तेलंगाना सरकार द्वारा डॉ बीआर अंबेडकर के मूल्यों और कार्यों पर जोर देने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। फेडरेशन ऑफ अम्बेडकराइट एंड बुद्धिस्ट ऑर्गेनाइजेशन यूके (एफएबीओ यूके) के अध्यक्ष संतोष दास और संयुक्त सचिव सी गौतम ने तेलंगाना सरकार के प्रयासों की सराहना की और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को उनकी पहल के लिए बधाई देते हुए एक औपचारिक बधाई पत्र जारी किया। एफएबीओ यूके ने भारत में अम्बेडकर के योगदान को उजागर करने में तेलंगाना सरकार के असाधारण प्रयासों को स्वीकार करते हुए रामाराव को भी सम्मानित किया।

एफएबीओ यूके के अध्यक्ष संतोष दास ने अपनी पुस्तक "अंबेडकर इन लंदन" की एक हस्ताक्षरित प्रति मंत्री को भेंट की, जिसे उन्होंने विलियम गोल्ड और क्रिस्टोफ़ जैफ्रेलॉट के साथ मिलकर लिखा है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने चंद्रबाबू के गेस्ट हाउस को कुर्क किया

ताडेपल्ली, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू को उस समय करारा झटका दिया, जब उन्होंने कृष्णा नदी के तट पर स्थित उनके गेस्ट हाउस को अटैच कर दिया। संपत्ति को आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम, 1944 के अनुसार संलग्न किया गया था, क्योंकि यह देखा गया था कि चंद्रबाबू ने मुख्यमंत्री के रूप में सेवा करते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया और प्रतिदान का सहारा लिया। सरकार ने की गई कार्रवाई से स्थानीय न्यायाधीश को भी अवगत कराया।

आरोप है कि तेदेपा अध्यक्ष और तत्कालीन नगरपालिका प्रशासन मंत्री पी नारायण ने सीआरडीए मास्टर प्लान, और आंतरिक रिंग रोड के सरेखण में अनियमितताओं का सहारा लिया था और बदले में लिंगमनेनी के गेस्ट हाउस को अपने कब्जे में ले लिया था। आरोपों की जांच ने स्थापित किया कि उन्होंने सभी कानूनों, केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों और मामले में सामान्य वित्तीय मानदंडों का उल्लंघन किया था।

गेस्ट हाउस के अलावा, सीआईडी ने नारायण के रिश्तेदारों की 75,880 वर्ग फीट की संपत्ति और बैंक खातों में उनके पैसे को भी कुर्क कर दिया। यह भी आरोप लगाया गया था कि चंद्रबाबू ने लिंगमनेनी रमेश के साथ बेनामी के रूप में संपत्ति हासिल की थी और किसानों की कीमत पर अपनी संपत्ति के मूल्य में सुधार करने के लिए मास्टर प्लान को बदलने के अलावा, उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए इनर रिंग रोड के सरेखण को बदलकर बाद का समर्थन किया था। कहा जाता है कि चंद्रबाबू के स्वामित्व वाली हेरिटेज कंपनी ने लिंगानामेनी से भी जमीनें खरीदीं और टीडीपी नेताओं ने राजधानी क्षेत्र में बेनामी लेनदेन के तहत जमीनें खरीदीं।

तेलंगाना में रेलवे के बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व विकास : किशन रेड्डी

महबूबनगर और शादनगर स्टेशनों पर ट्रेनों को रोकने के लिए रेल मंत्री को लिखा पत्र

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि तेलंगाना में रेलवे के तत्वावधान में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र में सत्ता संभाली है, तब से तेलंगाना राज्य में रेलवे के बुनियादी ढांचे का निर्माण तीव्र गति से हो रहा है। महबूबनगर और शादनगर रेलवे स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव को लेकर उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 अप्रैल, 2023 को राज्य का दौरा किया और सिकंदराबाद और महबूबनगर के बीच 1,410 करोड़ रुपये की लागत से 85 किलोमीटर लंबी विद्युतीकृत दोहरीकरण रेल परियोजना को समर्पित किया। यह कहते हुए कि यशवंतपुर-हजरत निजामुद्दीन संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12649/12650) काचीगुडा से प्रस्थान करती है और कुरनूल पहुंचती है, उन्होंने कहा कि 200 किमी लंबी दूरी के बीच कहीं भी कोई रोक नहीं थी। उन्होंने रेल मंत्री से बीच में महबूबनगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का स्टॉप बनाने को कहा। पत्र में, किशन रेड्डी ने यह भी कहा कि इस क्षेत्र के लोग, जो दिल्ली और बैंगलोर जैसे दूर-दराज के स्थानों की यात्रा करते हैं, उन्हें अपनी ट्रेन पकड़ने के लिए हैदराबाद आने के बोझ से मुक्त किया जाएगा। किशन रेड्डी ने रेल मंत्री से शादनगर रेलवे स्टेशन पर चेंगलपट्टू-काचेगुडा एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 17651/17652) को रोकने का भी आग्रह किया और कहा कि यह हैदराबाद के उपनगरीय क्षेत्रों विशेष रूप से थिम्मापुर, कोट्टुरु, बरगुला और अन्य क्षेत्र में लोगों के लिए सुविधाजनक होगा।

सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाएं बढेंगी

उन्नयन के तहत 100 करोड़ खर्च

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबादके प्रमुख तृतीयक सरकारी अस्पताल रोगियों को उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा सेवाओं की पेशकश करने में सक्षम होंगे, जिसमें 100 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के महत्वपूर्ण चिकित्सा बुनियादी ढांचे का उन्नयन किया जा रहा है और आने वाले हफ्तों में लॉन्च होने के लिए तैयार है। चिकित्सा बुनियादी ढांचे के निर्माण और उन्नयन से संबंधित कार्य, जो पूरे तेलंगाना के गरीब और जरूरतमंद रोगियों के लिए उपलब्ध होंगे, कोटि ईएनटी अस्पताल, नल्लाकुटा में फीवर अस्पताल और गांधी अस्पताल में तेजी से अपने अंतिम चरण में पहुंच रहे हैं।

एपी ईएपीसीईटी 2023 परीक्षा की तारीखों की घोषणा

अमरावती, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एपी इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एपी ईएपीसीईटी) 2023 परीक्षा 15 मई से 23 मई तक जिला मुख्यालय और हैदराबाद शहर में आयोजित की जानी है। एपी ईएपीसीईटी 2023 परीक्षा जवाहरलाल नेहरू तकनीकी विश्वविद्यालय, अनंतपुर द्वारा आयोजित की जाएगी। एपी ईएपीसीईटी का आयोजन जेएनटीयूए द्वारा 15 मई से 19 मई तक किया जाएगा, और कृषि और फार्मेसी स्ट्रीम के लिए परीक्षा 22 मई और 23 मई को आयोजित की जाएगी।

एपी ईएपीसीईटी के लिए अधिसूचना 10 मार्च को जारी की गई थी, और कुल 3,37,733 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें इंजीनियरिंग के लिए 2,37,193 और बाईपीसी छात्रों से 99,557 पाठ्यक्रम शामिल थे, जिनमें पशु चिकित्सा, कृषि और दवा पाठ्यक्रम शामिल थे। एपी ईएपीसीईटी-2023 के लिए दोनों श्रेणियों में 983 छात्रों ने आवेदन किया है। छात्रों को एफएन सत्र के लिए सुबह 7:30 बजे और दोपहर 1:30 बजे परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति होगी। अपराह्न 3 बजे तक दोपहर के सत्र के लिए। उम्मीदवारों को परीक्षा हॉल के भीतर चेक-इन प्रक्रिया का पालन करना चाहिए, जिसमें बायोमेट्रिक जानकारी का संग्रह शामिल है। छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे अपने हाथों पर मेहंदी या स्याही जैसी कोई बाहरी सामग्री न लगाएं

कुमराम भीम प्रोजेक्ट की ओर लोगों को आकर्षित करने की पहल

राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा नाव की सवारी शुरू

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यह साबित करते हुए कि उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके एक अज्ञात स्थान आगंतुकों को आकर्षित कर सकता है, तेलंगाना राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा आसिफाबाद के अदा गांव में सुरम्य कुमराम भीम प्रमुख सिंचाई परियोजना में एक मोटर चालित बोटराइड सुविधा शुरू की गई है। जबरदस्त प्रतिक्रिया दे रहा है।

गांव के बीचोबीच और सिंचाई परियोजना के बैकवाटर के पास की जगह 2022 तक वीरान नजर आती थी। लेकिन अब यह चहल-पहल वाली जगह बन गई है। यह आगंतुकों के स्कोर, उनके वाहनों की पार्किंग और शोर, ग्रामीणों के लिए एक असामान्य लेकिन सुखद दृश्य की उपस्थिति के साथ चिह्नित है। यह नाव की सवारी के लिए एक बहुप्रतीक्षित पलायन के बाद बन गया है।

आसिफाबाद शहर और आसपास के गांवों, मंडलों और कस्बों के परिवार अब नाव की सवारी करने और चल रही गर्मी की छुट्टियों और सप्ताहांत के दौरान बच्चों के साथ समय बिताने के लिए इस परियोजना पर जोर दे रहे हैं।

आसिफाबाद के एक बिजली के दुकान के मालिक खालिद ने कहा कि उन्होंने पहली बार सवारी की और सुविधा पर संतोष व्यक्त किया। जिले में अपनी तरह की पहली सुविधा मूल रूप से सितंबर में परियोजना के जल में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी, लेकिन कुछ दिनों के बाद कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण इसे निलंबित कर दिया गया था। इसे मार्च में फिर से पेश किया गया था।

सुविधा की लागत 25 लाख रुपये थी। जिला ग्रामीण विकास संगठन को सुविधा के प्रबंधन के लिए सौंपा गया है।

एसईआरपी ने महबूबाबाद में 7 करोड़ रुपये की लाल मिर्च की खरीदी की

महबूबाबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। द सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पॉवर्टी (एसईआरपी) ने महबूबाबाद जिले में किसानों से तेजा किस्म की लाल मिर्च की सफल खरीद जारी रखी। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से एसईआरपी ने जिले के विभिन्न मंडलों से 400 मीट्रिक टन मिर्च की खरीद की है, जिसकी राशि अब तक 7 करोड़ रुपये है। अभी भी खरीद जारी है, राज्य सरकार को लगभग 11 करोड़ रुपये की लाल मिर्च की खरीद की उम्मीद है।

किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करने में सहायता करने के लिए, एसईआरपी ने जिले में प्रत्येक वीएलपीसी के लिए तीन से चार गांवों को कवर करते हुए ग्राम स्तरीय खरीद केंद्रों (वीएलपीसी) का गठन किया है, जिससे फार्म गेट खरीद की अनुमति मिलती है और भुगतान में देरी से बचा जा सकता है। शीर्ष गुणवत्ता वाली मिर्च और कंपनी द्वारा निर्दिष्ट मानकों की पहचान करने का कार्य किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) द्वारा किया जाता है, जिन्हें एसईआरपी द्वारा बढ़ावा दिया जाता है और एसएचजी द्वारा संचालित किया जाता है।

एसईआरपी ने मुख्य रूप से वनस्पति तेल उत्पादन में उपयोग की जाने वाली 20,000 मीट्रिक टन तेजा किस्म की मिर्च की खरीद के लिए सीरोल मंडल में स्थित प्लांट लिपिड्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। खरीद की कवायद ने बिचौलियों और अन्य शोषणकारी प्रथाओं को समाप्त कर दिया है, जिससे किसानों और स्वयं सहायता समूहों दोनों को लाभ हुआ है।

कंटी वेलुगु के तहत 1.5 करोड़ नेत्र जांच परीक्षण पूरा, लोग खुश

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा रोके जा सकने वाले अंधेपन से लड़ने के लिए शुरू की गई कंटी वेलुगू सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल का दूसरा चरण आने वाले दिनों में 1.50 करोड़ लोगों के लिए आंखों की जांच पूरी करने के लिए तैयार है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि 15 जून को पहल के अंत तक, लगभग 2 करोड़ लोगों ने कंटी वेलुगु पहल के तहत नि: शुल्क आंखों की जांच की होगी। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर रावद्वारा 18 जनवरी को खम्मम में शुरू की गई, कंटी वेलुगु योजना ने अब तक राज्य में 1.42 करोड़ लोगों को कवर किया है।

19 जनवरी से 15 जून के बीच 100 कार्य दिवसों में लागू होने के बाद अब तक कुल 20,69,000 लोगों को पढ़ने का चश्मा मिला है। कंटी वेलुगु पहल 10,285 ग्राम पंचायत वार्डों और 3221 नगरपालिका वार्डों में लागू की जा रही है, जहां पात्र व्यक्तियों की आंखों की जांच की गई है।

कंटी वेलुगु का पहला चरण, जिसे 15 अगस्त, 2018 को मुख्यमंत्री द्वारा मेदक जिले के मलकापुर में लॉन्च किया गया था, आठ महीने के लिए शुरू किया गया था, जिसमें 1.50 करोड़ लोगों की आंखों की जांच की गई थी और कुल 50 लाख चश्मे का इस्तेमाल किया गया था। पात्र व्यक्तियों के बीच वितरित किया गया।

वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि कंटी वेलुगु पहल के दूसरे चरण में, 74 दिनों की अवधि में, पात्र व्यक्तियों में से लगभग 82 प्रतिशत का नेत्र परीक्षण किया गया।

आठ महीने में पहल को लागू करने के बजाय, जो पहले चरण में मामला था, स्वास्थ्य विभाग अब इस योजना को 100 कार्य दिवसों में पूरा करने का लक्ष्य बना रहा है। कंटी वेलुगु योजना को लागू करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जा रहा है कि सरकारी अस्पतालों में अन्य स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं बाधित न हों।

हार्वेस्टर में गिरने से किशोर की मौत हो गई

जगतियाल, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोलापल्ली मंडल के अब्बापुर में रविवार को हार्वेस्टर में गिरने से 18 वर्षीय युवक रंजीत की मौत हो गयी। पुलिस के मुताबिक रंजीत अपने खेत में धान की कटाई के दौरान गलती से हार्वेस्टर में गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जगतियाल क्षेत्र के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

मंत्री सत्यवती ने बाजरा प्रसंस्करण इकाई का शुभारंभ किया

भूपालपल्ली, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने रविवार को भूपालपल्ली जिले के घनपुर मंडल के चेलपुर गांव में बाजरा प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया। यूनिट का निर्माण 15 लाख रुपये की लागत से किया गया है। इकाई का निरीक्षण करने के बाद, उन्होंने बाजरा का उपयोग करके तैयार किए गए कुछ भोजन का स्वाद चखा और स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने के लिए कर्मचारियों की कड़ी मेहनत और प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर बोलते हुए, राठौड़ ने बाजरा के विकास और खपत को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया और हमारे स्वास्थ्य के लिए इनका सेवन करने के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए बीआरएस सरकार की पहलों के बारे में भी बताया, जैसे कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के आंगनवाड़ी कार्यक्रम और केसीआर पोषण किट के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को दूध और अंडे का प्रावधान, जो जल्द ही कुपोषण दूर करने के लिए राज्य भर में उपलब्ध हो। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि सरकारी स्कूलों में बाजरा के माध्यम से एक समय भोजन परोसने से छात्रों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिलेगी।

केंद्र के एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स प्रोग्राम के तहत किसानों को जिला प्रशासन के समर्थन के कारण भूपालपल्ली में बाजरे की खेती में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। इसके अलावा, महिला विकास और बाल कल्याण विभाग एकीकृत बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) में मिलेट को एकीकृत करने के लिए एक रोडमैप विकसित करने के लिए केंद्रीय महिला और बाल कल्याण मंत्रालय के साथ साझेदारी कर रहा है। यह आईसीडीएस के माध्यम से बच्चों को पोषण मूल्य से भरपूर बाजरा के प्रावधान को सक्षम करेगा।

प्रसंस्करण इकाई को संचालित करने के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से 15 सदस्यों के एक समूह को चुना गया था। इसके अलावा, जिला प्रशासन ने बाजरा की खेती को बढ़ावा देने और किसानों को उनकी उपज बढ़ाने में सहायता करने के लिए 10 सामुदायिक संसाधन व्यक्तियों (सीआरपी) को नियुक्त करने की पहल की है।

सरकारी स्कूली छात्रों को नाश्ते में रागी जवा, दोपहर के भोजन में बाजरा देने की योजना

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सरकार और स्थानीय निकाय स्कूल के छात्र खाली पेट अपनी कक्षाएं शुरू न करें, राज्य सरकार उन्हें अगले शैक्षणिक वर्ष से पौष्टिक रागी जावा के साथ नाश्ता प्रदान करने की योजना बना रही है। शिक्षा विभाग के एक आला अधिकारी के मुताबिक सरकारी और स्थानीय निकाय के स्कूलों में छात्रों के डायट मेन्यू में गुड़ मिलाकर बनाए गए रागी जवा को शामिल करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। रागी में उच्च आहार फाइबर होता है, जो शरीर के लिए आवश्यक प्रोटीन और खनिज प्रदान करने के अलावा भोजन को आसानी से पचाने में मदद करता है।

दिन की शुरुआत करने के लिए नाश्ता सबसे महत्वपूर्ण भोजन है। हालांकि, कुछ सरकारी स्कूल के छात्र, जो ज्यादातर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हैं, अपने माता-पिता के सुबह-सुबह मजदूरी या कृषि कार्य के लिए चले जाने पर अपना नाश्ता छोड़ देते पाए गए। कुछ सरकारी स्कूलों ने ट्रस्टों और गैर सरकारी संगठनों की मदद से पहले ही अपने छात्रों को मुफ्त नाश्ता देना शुरू कर दिया है। जबकि राज्य सरकार पहले से ही सभी स्कूल कार्य दिवसों में मध्याह्न भोजन प्रदान कर रही है, एक बार नाश्ता के रूप में रागी जावा छात्रों के लिए वरदान साबित होगा।

इस बीच, सरकार मध्याह्न भोजन योजना में बाजरा को शामिल करने की संभावनाएं भी तलाश रही है। सप्ताह में एक या दो बार हाई स्कूल के छात्रों को बाजरा दिए जाने की संभावना है। वर्तमान में मध्याह्न भोजन योजना के तहत छात्रों को बढ़िया चावल, दाल, सांभर, सब्जी करी, फलियां सब्जी करी और विशेष चावल जैसे सब्जी बिरयानी, बगारा चावल और पुलिहोरा प्रदान किया जा रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्रों को पर्याप्त प्रोटीन और पोषक तत्व मिलें, राज्य सरकार सप्ताह में तीन बार एक अंडा प्रदान कर रही है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.